महानगर नई दिल्ली सोमवार 9 दिसंबर, 2019, रु. 5.00 (12 पेज) दिल्ली, कोलकाता, लखनऊ और चंडीगढ़ से प्रकाशित

जनसत्ता

jansatta.com epaper.jansatta.com facebook.com/jansatta twitter.com/jansatta

उपहार कांड के बाद दिल्ली के अनाज मंडी इलाके में सबसे बड़ा हादसा

कारखाने में आग, 43 की मौत

जनसत्ता टीम
नई दिल्ली, 8 दिसंबर।

दिल्ली के रानी झांसी रोड पर फिल्मिस्तान इलाके की अनाज मंडी में रविवार तड़के एक कारखाना में भीषण आग लगने से 43 लोगों की मौत हो गई। हादसे में 50 से ज्यादा लोग झुलस गए इसमें 24 की हालत गंभीर है, जिन्हें दिल्ली के लेडी हार्डिंग, सफदरजंग और लोकनायक जयप्रकाश नारायण अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। ज्यादातर लोगों की मौत दम घुटने से हुई। उपहार कांड के बाद दिल्ली का यह दूसरा सबसे बड़ा हादसा है।

कारखाने का मालिक और मैनेजर गिरफ्तार

मृतकों में ज्यादातर बिहार व यूपी के लोग

शुरुआती जांच में आग का कारण शार्ट सर्किट

दिल्ली सरकार ने मजिस्ट्रेटी जांच के निर्देश दिए

शुरुआती जांच में शार्ट सर्किट से आग लगने की बात सामने आई है। पुलिस की तरफ से इस मामले की जांच अपराध शाखा को सौंपी गई है जबकि दिल्ली सरकार ने मजिस्ट्रेटी जांच के निर्देश दिए हैं। मध्य जिला जिलाधिकारी को इस मामले की जांच का जिम्मा सौंपा है। घटना के बाद पुलिस ने दबिश देते हुए संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर आरोपी कारखाने का मालिक रेहान और मैनेजर फुरकान को भादंसं की धारा 304 और 285 के तहत बाकी पेज 8 पर

हादसे के बाद बिलखते परिजन। फोटो: अरुष चोपड़ा

अपनों की एक झलक पाने के लिए व्याकुल दिखे परिजन

निर्भय कुमार पांडेय
नई दिल्ली, 8 दिसंबर।

रानी झांसी रोड पर कारखाना में आग की चपेट में आने से झुलसे अधिकतर मजदूरों को एलएनजेपी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जिसमें से अधिकतर मजदूरों डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया था। इस घटना की जानकारी जैसे ही हादसे में जान गंवाने वाले और झुलसे मजदूरों के परिवार और उनके रिश्तेदार को मिली, सुबह से ही लोग अपनों की तलाश में अस्पताल में पहुंचने लगे थे। हर कोई अपनों की एक झलक पाने के लिए व्याकुल दिख रहा था। पर अस्पताल प्रशासन लोगों को अंदर जाने नहीं दे रहा था। इस कारण लोग खासे परेशान दिखे। परिवार और रिश्तेदारों ने आरोप लगाया कि ना तो अस्पताल प्रशासन की ओर से और ना ही दिल्ली पुलिस की ओर से कोई ऐसी व्यवस्था या इंतजाम किया बाकी पेज 8 पर

दिल्ली पुलिस और अस्पताल प्रशासन की व्यवस्था पर परिजनों ने उठाए सवाल

कौन कब पहुंचा

- 4:45 बजे (सुबह) दूसरी मंजिल पर शॉट सर्किट हुआ।
- 5:00 बजे आग ने पूरी इमारत को जद में लिया।
- 5:15 बजे पड़ोसी मौके पर पहुंचे।
- 5:22 बजे पुलिस व दमकल विभाग को दी सूचना।
- 5:35 बजे दमकल की दो गाड़ियां पहुंची।
- 5:55 बजे कैट्स एंबुलेंस की दो गाड़ियां पहुंची।
- 6:00 बजे दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंची।
- 6:00 से 9:30 बजे तक घायलों व मृतकों को अस्पताल में पहुंचाया गया।
- 9:00 बजे एनडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची।
- 1:00 (दोपहर) बजे फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची।
- 2:00 बजे एलएनजेपी अस्पताल के शवगृह के बाहर तैनात किए गए अर्द्धसैनिक बल के जवान।

संकरी गलियां और तारों के मकड़जाल से हुआ बड़ा हादसा

अमलेश राजू
नई दिल्ली, 8 दिसंबर।

संकरी गलियां में बिजली के तारों के मकड़जाल होने के कारण अनाज मंडी की इस कारखाने को मौत के चैंबर के रुप में तब्दील कर दिया। तंग इमारत होने की वजह से वेंटिलेशन के पर्याप्त और पुख्ता इंतजाम नहीं होने से हालत यह हुई कि आग में फंसे लोगों को बचाने दमकलकर्मी पहुंचे तो जरूर लेकिन उन्हें रास्ता नहीं मिल पाया। नतीजा यह हुआ कि काफी मशक्कत से पहुंचे दमकलकर्मियों को ग्रिल काटकर अंदर घुसना पड़ा और तब तक कई लोगों का दम बिल्कुल ही घुट चुका था। बिना अग्निशमन विभाग की अनापत्ति प्रमाण पत्र के सैकड़ों की संख्या में भीड़भाड़ वाली दिल्ली की अनाज मंडी में चल रहे कारखाने में आग बाकी पेज 8 पर

> “इस सघन इलाके की सबसे बड़ी खामी संकरी गलियों का होना है जहां गाड़ियां ही नहीं पहुंच पातीं। मेरा सुझाव है कि इन इलाकों में व्यापार की अनुमति न मिले।
> –अतुल गर्ग, मुख्य अग्निशमन अधिकारी

मुआवजे की घोषणा

प्रधानमंत्री राहत कोष से मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख के अलावा दिल्ली सरकार ने दस-दस लाख, बिहार सरकार ने दो-दो लाख और दिल्ली भाजपा ने पांच-पांच लाख रुपए मुआवजे की घोषणा की है। मुआवजे के रूप में कुल राशि 19 लाख रुपए होगी।

राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, सोनिया-राहुल ने जताया दुख -खबर पेज 8 पर

संबंधित खबरें पेज 3 पर

जनसत्ता विशेष अनाज मंडी आग हादसा पेज 7

लोकसभा में आज पेश होगा नागरिकता संशोधन विधयेक

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 8 दिसंबर।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सोमवार को लोकसभा में नागरिकता (संशोधन) विधेयक पेश करेंगे जिसके तहत पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान में धार्मिक उत्पीड़न के शिकार गैर मुस्लिम शरणार्थियों को भारतीय नागरिकता देने का प्रावधान है। लोकसभा में सोमवार को होने वाले कार्यों की सूची के मुताबिक गृह मंत्री दोपहर में विधेयक पेश करेंगे जिसमें छह दशक पुराने नागरिकता कानून में संशोधन की बात है और इसके बाद इस पर चर्चा होगी और इसे पारित कराया जाएगा। कांग्रेस समेत एक दर्जन विपक्षी दलों ने पहले ही इस विधेयक के विरोध का एलान कर दिया है।

कांग्रेस समेत एक दर्जन विपक्षी दल कर चुके हैं विरोध का एलान

विधेयक को लेकर पूर्वोत्तर के राज्यों में व्यापक प्रदर्शन

इस विधेयक के कारण पूर्वोत्तर के राज्यों में व्यापक प्रदर्शन हो रहे हैं और काफी संख्या में लोग तथा संगठन विधेयक का विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि इससे असम समझौता 1985 के प्रावधान निरस्त हो जाएंगे जिसमें बिना धार्मिक भेदभाव के अवैध शरणार्थियों को वापस भेजे जाने की अंतिम तिथि 24 मार्च 1971 तय है। प्रभावशाली पूर्वोत्तर छात्र संगठन (नेसो) ने क्षेत्र में बाकी पेज 8 पर

‘विधेयक पारित हुआ तो जिन्ना के विचारों की जीत’

नई दिल्ली, 8 दिसंबर (भाषा)।

संसद में नागरिकता (संशोधन) विधेयक का पारित होना निश्चित तौर पर महात्मा गांधी के विचारों पर मोहम्मद अली जिन्ना के विचारों की जीत होगी। यह बात रविवार को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने कही।

–विस्तृत खबर पेज 8 पर

माधव ने विधेयक का किया बचाव

नई दिल्ली, 8 दिसंबर (भाषा)।

भाजपा महासचिव राम माधव ने नागरिकता संशोधन विधेयक (कैब) का बचाव करते हुए कहा कि पड़ोसी देशों में सताए गए अल्पसंख्यकों को नागरिकता देना भारत का कर्तव्य है क्योंकि वे धर्म के आधार पर देश का बंटवारा करने के फैसले के ‘पीड़ित’ हैं। –विस्तृत खबर पेज 8 पर

पीड़िता की बहन को नौकरी, भाई को हथियार लाइसेंस

उन्नाव मामला
पीड़िता के शव को रविवार को गांव में ही दफना दिया गया।

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 8 दिसंबर।

उन्नाव कांड पीड़िता के शव को रविवार को गांव में ही दफना दिया गया। सरकार ने एलान किया है कि पीड़िता की बहन को सरकारी नौकरी और भाई को हथियार लाइसेंस मिलेगा। अंतिम संस्कार से पहले पीड़िता के परिवार वाले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बुलाने की मांग को लेकर अड़े हुए थे। वे लोग अंतिम संस्कार नहीं कर रहे थे। प्रशासन के कई घंटे तक समझाने के बाद परिवार वाले आखिरकार मान गए और पीड़िता को दफनाया गया। इस दौरान वहां मौजूद हजारों लोगों की आंखें नम थीं। सबकी यही मांग थी कि दोषियों को सख्त से सख्त सजा मिले।

पीड़िता के परिजनों ने ऐलान किया था कि वह अपनी बेटी को जलाएंगे नहीं, बल्कि दफनाएंगे। उन्होंने कहा था कि हम अपनी बेटी को दफनाएंगे। मैं उसे अब और नहीं जलाना चाहता। मेरी प्यारी बेटी पहले ही जल चुकी है। कड़ी सुरक्षा के बीच रविवार दोपहर पीड़िता को गांव के बाहरी इलाके में खाली पड़े मैदान में दफना दिया गया।

इस बीच, लखनऊ के कमिश्नर मुकेश मेश्राम ने एलान किया है कि पीड़िता की बहन को नौकरी दी जाएगी। इसके अलावा प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत परिवार को दो घर दिए जाएंगे। इससे पहले राज्य सरकार की ओर से पीड़िता के परिवार को 25 लाख रुपए का मुआवजा भी दिया गया था। मेश्राम ने यह भी कहा कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मेश्राम ने कहा, ‘हमने फैसला किया है कि पीड़िता की बहन और बाकी पेज 8 पर

हैदराबाद मुठभेड़ : एनएचआरसी की टीम ने दर्ज किए आरोपियों के परिजनों के बयान

हैदराबाद, 8 दिसंबर (भाषा)।

हैदराबाद मुठभेड़ मामले की जांच कर रही एनएचआरसी की एक टीम ने रविवार को मृतकों के परिवार के सदस्यों के बयान दर्ज किए। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) की जांच समिति ने मृतकों के निकट परिजन को भी सुना। पुलिस सूत्रों ने बताया कि आरोपियों के परिवार के सदस्यों को नारायणपेट जिले बाकी पेज 8 पर

मुठभेड़ स्थल (फाइल फोटो)

महिलाओं को सुरक्षित महसूस कराने में पुलिस की भूमिका अहम : मोदी

नई दिल्ली, 8 दिसंबर (भाषा)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिलाओं को सुरक्षित महसूस कराने के लिए कानून-व्यवस्था को प्रभावी तरीके से कायम रखने में पुलिस की भूमिका पर रविवार को जोर दिया। उनकी ये टिप्पणियां महिलाओं के खिलाफ अपराधों के हालिया मामलों की पृष्ठभूमि में आए हैं जिन्हें लेकर पूरे देश में आक्रोश का माहौल है।

पुणे में पुलिस महानिदेशकों (डीजीपी)/ पुलिस महानिरीक्षकों (आइजीपी) के सम्मेलन को रविवार को संबोधित करते हुए मोदी ने यह भी कहा कि अधिकारियों को पुलिस बल की छवि सुधारने की दिशा में काम करना चाहिए ताकि महिलाओं और बच्चों समेत समाज के सभी वर्ग में उनके प्रति भरोसा पैदा हो।

कहा, अधिकारियों को पुलिस बल की छवि सुधारने की दिशा में काम करना चाहिए।

प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि प्रधानमंत्री मोदी का मानना है कि प्रौद्योगिकी सक्रिय पुलिस निगरानी सुनिश्चित करने में प्रभावी साधन उपलब्ध कराता है, जो आम आदमी की प्रतिक्रिया को ध्यान में रखे। प्रधानमंत्री बाकी पेज 8 पर

भारत आर्थिक सुस्ती के चंगुल में : रघुराम राजन

नई दिल्ली, 8 दिसंबर (भाषा)।

भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने कहा है कि भारतीय अर्थव्यवस्था इस समय सुस्ती के चंगुल में फंसी है और इसमें बेचैनी और अस्वस्थता के गहरे संकेत दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस समय अर्थव्यवस्था से जुड़े तमाम फैसले प्रधानमंत्री कार्यालय से लिए जाते हैं और मंत्रियों के पास कोई अधिकार नहीं हैं।

कहा, सभी शक्तियां पीएमओ के अधीन होना अर्थव्यवस्था के लिए ठीक नहीं

एक पत्रिका में प्रकाशित एक लेख में राजन ने भारत की कमजोर पड़ती अर्थव्यवस्था को सुस्ती से बाहर निकालने के लिए अपने सुझाव दिए हैं। उन्होंने लगातार सुस्त पड़ती अर्थव्यवस्था में सुधार लाने के लिए पूंजी क्षेत्र, भूमि और श्रम बाजारों में सुधारों को आगे बढ़ाने की अपील की है। इसके साथ ही उन्होंने निवेश और वृद्धि बढ़ाने पर भी जोर दिया है।

उन्होंने कहा कि भारत को विवेकपूर्ण तरीके से मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) में शामिल होना चाहिए ताकि प्रतिस्पर्धा बढ़ाई जा सके और घरेलू दक्षता को सुधारा जा सके। राजन ने इसमें लिखा है, ‘यह समझने के लिए कि बाकी पेज 8 पर

दरअसल

सहायक डिविजन अधिकारी राजेश शुक्ला ने जान की भी नहीं की परवाह | सराहनीय | शुक्ला के साहस की दिल्ली सरकार के मंत्री ने की तारीफ

दमकलकर्मी की बहादुरी से बची 11 मजदूरों की जान

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 8 दिसंबर।

रानी झांसी रोड स्थित कारखाने में रविवार को इमारत से उठती लपटों को देखकर बचाव दल के होश पख्ता हो गए थे। बचाव दल के कर्मचारी आग पर काबू पाने की जद्दोजहद में जुट गए। इसी बीच सहायक डिविजन अधिकारी राजेश शुक्ला ने बहादुरी का परिचय देते हुए अपनी जान को जोखिम में डालकर 11 मजदूरों को सकुशल बाहर निकाला।

इसकी जानकारी दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने ट्विटर के माध्यम से दी। हालांकि, इस दौरान राजेश शुक्ला को चोटें भी लग गई थीं, लेकिन उन्होंने इसकी परवाह नहीं की और ड्यूटी को अपना कर्तव्य समझकर मजदूरों को बाहर निकाला। बाद में उन्हें लोक नायक जयप्रकाश अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां सत्येंद्र जैन उनसे मिलने पहुंचे और उनकी बहादुरी की सराहना की। ट्वीटर पर जैन ने लिखा कि वह राजेश शुक्ला की बहादुरी को सलाम करते हैं।

वहीं, दमकल के अधिकारियों ने बताया कि इस हादसे में सहायक डिविजन अधिकारी राजेश शुक्ला के साथ फायर ऑपरेटर मनी राम मीणा को भी बचाव के दौरान चोटें पहुंची।

मनी राम ने भी मजदूरों को बाहर निकालने के लिए अपनी जान जोखिम में डाल दिया था। बताया जा रहा है कि उन्हें जब सांस लेने में दिक्कतें होने लगी तो अपने सहयोगियों को बताया, जिसके बाद दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस दौरान दमकल के आला अधिकारी समेत 150 बचावकर्मियों ने घंटो की कड़ी मशक्कत के बाद सभी मजदूरों को बाहर निकाला।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी अतुल गर्ग ने बताया कि दुनिया के अत्याधुनिक उपकरण विभाग के पास उपलब्ध हैं। हालांकि दिल्ली में ज्यादातर कारखाने छोटे मकानों या फिर तंग गलियों में संचालित की जा रही हैं।

राजेश शुक्ला से मिलते दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन।

अपनी चोटों की भी न की परवाह

दमकल के अधिकारियों ने बताया कि इस हादसे में सहायक डिविजन अधिकारी राजेश शुक्ला के साथ फायर ऑपरेटर मनी राम मीणा को भी बचाव के दौरान चोटें पहुंची। मनी राम ने भी मजदूरों को बाहर निकालने के लिए अपनी जान जोखिम में डाल दिया था। बताया जा रहा है कि उन्हें जब सांस लेने में दिक्कतें होने लगी तो अपने सहयोगियों को बताया, जिसके बाद दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

www.readwhere.com

देश में 57 फीसद कचरे का ही हो पा रहा है निस्तारण

नई दिल्ली, 8 दिसंबर (भाषा)।

आवास एवं शहरी विकास मंत्रालय ने स्वच्छ भारत अभियान के तहत कचरा प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए भले ही देश के 93 फीसद नगर पालिका क्षेत्रों में घर-घर जाकर कचरा एकत्र कराने में सफलता हासिल कर ली हो लेकिन पूरे देश में अभी भी कचरा निस्तारण का स्तर 57 फीसद तक ही पहुंच पाया है। मंत्रालय के आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक शहरी क्षेत्रों में मौजूद कुल 84 हजार से अधिक नगर पालिका वार्ड में से 79 हजार से अधिक (93 फीसद) वार्ड में घर-घर जाकर कचरा एकत्र किया जाने लगा है।

कचरा निस्तारण के बारे में मंत्रालय के राज्यवार ब्योरे के मुताबिक कचरा निस्तारण में छत्तीसगढ़ सभी राज्यों से आगे है। मंत्रालय द्वारा कचरा प्रबंधन को लेकर पिछले सप्ताह संसद में पेश रिपोर्ट के अनुसार देश में प्रतिदिन 1.48 लाख टन कचरा निकलता है। इसमें से 57 फीसद कचरे का निस्तारण कर इसे पुनः उपयोग या प्रसंस्कृत करने लायक बनाया जाता है। मंत्रालय ने माना कि शेष कचरा सभी शहरों में मौजूद कचरा पाटन केंद्रों (डंपिंग ग्रांउड) में भेज दिया जाता है।

गौरतलब है कि पर्यावरण मंत्रालय ने शहरी क्षेत्रों में कचरा निस्तारण के पुख्ता इंतजाम नहीं होने के कारण दिल्ली सहित देश के अन्य महानगरों में कूड़े के लगातार ऊंचे होते पहाड़ों की वजह से वायु प्रदूषण और भूजल दूषित होने की समस्या से निपटने के लिए ठोस कचरा प्रबंधन नियम 2016 अधिसूचित किए हैं। इनके तहत शहरी क्षेत्रों में कचरे को एकत्र करने, पृथक करने और इसके निस्तारण के लिए स्थानीय नगर पालिकाओं की जिम्मेदारी तय की गई है। नियमों के तहत स्थानीय निकायों को डंपिग ग्रांउड पर भेजे जा रहे कचरे को भी पुनः उपयोग में लाने या प्रसंस्कृत करने लायक बनाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

कचरा निस्तारण के बारे में मंत्रालय के राज्यवार ब्योरे के मुताबिक छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, गुजरात और कर्नाटक सहित 14 राज्यों के सभी नगर पालिका क्षेत्रों में घर-घर जाकर कचरा एकत्र करने के लक्ष्य को पूरा कर लिया गया है जबकि कचरा निस्तारण में छत्तीसगढ़ सभी राज्यों से आगे है। छत्तीसगढ़ के सभी 3,217 नगर पालिका क्षेत्रों में घर-घर जाकर कचरा एकत्र किया जा रहा है और प्रतिदिन कुल एकत्रित कचरे (1650 मीट्रिक टन) के 90 फीसद हिस्से का निस्तारण भी कर दिया जाता है।

इसके अलावा मध्य प्रदेश में कुल 6,999 नगर पालिका क्षेत्रों में शत-फीसद घरों से कचरा एकत्र कर जुटाए गए 6,424 मीट्रिक टन कचरे में 84 फीसद और गुजरात में 82 फीसद कचरे का निस्तारण प्रतिदिन हो जाता है।

अस्पताल में अरुण शौरी से मिले मोदी

पुणे, आठ दिसंबर (भाषा)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार शाम यहां एक अस्पताल में भर्ती पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण शौरी से मुलाकात की और उनके साथ करीब 15 मिनट तक वक्त बिताया। शहर के बंड गार्डन इलाके में स्थित रूबी हॉल क्लीनिक के वरिष्ठ चिकित्सकों को मुताबिक प्रधानमंत्री शाम करीब छह बजे यहां पहुंचे।

मोदी ने ट्वीट किया, 'पुणे में, मैंने पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण शौरी जी से मुलाकात की। उनकी सेहत के बारे में जानकारी ली और उनके साथ शानदार बातचीत हुई। हम उनके लंबे और स्वस्थ जीवन की कामना करते हैं।' मुख्य हृदयरोग विशेषज्ञ डॉ. परवेज ग्रांट, न्यूरोसर्जन डॉ. सचिन गांधी मोदी को शौरी के कमरे तक लेकर गए।

डॉक्टरों ने कहा, 'प्रधानमंत्री ने शौरी के साथ 15 मिनट बिताए। उन्होंने बातचीत के दौरान शौरी को गले लगा लिया।' उन्होंने बताया कि मोदी ने शौरी के कमरे के बाहर उनके परिजनों से भी बात की।

पुणे स्थित रूबी हॉल क्लीनिक में अरुण शौरी से मुलाकात करते प्रधानमंत्री।

अस्पताल के सूत्रों के मुताबिक यह पूर्व नियोजित दौरा नहीं था। हवाईअड्डे के लिए रवाना होने से पहले मोदी ने करीब 45 मिनट तक अस्पताल में वक्त बिताए। पुलिस महानिरीक्षकों और पुलिस महानिदेशकों के तीन दिवसीय सम्मेलन के समापन कार्यक्रम में शामिल होने प्रधानमंत्री पुणे में थे। शौरी यहां से करीब 60 किलोमीटर दूर लवासा में अपने बंगले के निकट टहलने के दौरान एक दिसंबर को गिर गए थे, जिसके बाद उनका इस अस्पताल में इलाज चल रहा है। डॉक्टरों ने कहा था कि 78 वर्षीय पूर्व भाजपा नेता को दिमाग में चोट आई है और सूजन है। उन्होंने कहा कि शौरी के स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है। केंद्र में 1999 से 2004 के बीच अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली सरकार में शौरी मंत्री थे हालांकि वह मोदी सरकार की आर्थिक नीतियों के मुखर आलोचना करते रहे।

रफाल के 'टेल नंबर' में 'बीएस' अक्षर होंगे

नई दिल्ली, 8 दिसंबर (भाषा)।

रफाल सौदे का समर्थन करने के लिए वायुसेना के पूर्व प्रमुख एअर चीफ मार्शल (सेवानिवृत्त) बीएस धनोआ को सम्मान देते हुए भारतीय वायु सेना ने फैसला किया है कि 30 रफाल लड़ाकू विमानों पर 'टेल नंबर' में 'बीएस' लिखा होगा, जो धनोआ के नाम के अक्षर हैं।

छह रफाल प्रशिक्षक विमानों में 'टेल नंबर' में 'आरबी' शृंखला है। यह मौजूदा वायु सेना प्रमुख एअर चीफ मार्शल आरकेएस भदौरिया के नाम के अक्षर हैं। उन्होंने विमान खरीद का करार कराने में वार्ताकार के तौर पर अहम भूमिका निभाई है।

फ्रांस की कंपनी दसॉल्ट एविएशन से 59 हजार करोड़ रुपए में 36 रफाल विमान खरीदने को लेकर काफी राजनीतिक विवाद हुआ है। यह विवाद धनोआ के वायुसेना प्रमुख रहने के दौरान अपने चरम पर था। हालांकि उन्होंने मजबूती के साथ करार का बचाव किया था। वायुसेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने एजंसी से कहा, प्रशिक्षक रफाल विमानों को छोड़कर सभी रफाल लड़ाकू विमानों के टेल नंबर में 'बीएस' होगा।

महिला अपराध की बढ़ी घटनाओं के कारण सोनिया नहीं मनाएंगी जन्मदिन

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 8 दिसंबर।

महिलाओं के खिलाफ अपराध की बढ़ती घटनाओं के के मद्देनजर कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी इस बार अपना जन्मदिन नहीं मनाएंगी। देश के विभिन्न हिस्सों में महिलाओं से बलात्कार की लगातार बढ़ रही घटनाओं के प्रति अपना दुख व पीड़ा व्यक्त करने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष ने यह फैसला किया कि वह अपना जन्मदिन नहीं मनाएंगी। सोनिया गांधी सोमवार को 73 साल की हो जाएंगी।

सूत्रों ने बताया कि देश के विभिन्न हिस्सों में बलात्कार की विभिन्न घटनाओं से कांग्रेस अध्यक्ष दुखी हैं और इसी वजह से वो सोमवार को अपना जन्मदिन नहीं मनाएंगी। उनका यह निर्णय उन्नाव बलात्कार पीड़िता को आग लगा देने और दिल्ली की अस्पताल में उसकी मौत हो जाने के बाद आया है। इससे पहले हाल में हैदराबाद में पशु चिकित्सक की दुष्कर्म के बाद आग लगाकर हत्या कर दी गई थी। देश के विभिन्न हिस्सों से भी महिलाओं के खिलाफ अपराध के कई मामले सामने आए हैं और इन घटनाओं को लेकर देश में गुस्से की लहर है।

इस बीच दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के प्रचार अभियान समिति के अध्यक्ष कीर्ति आजाद ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में सोमवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम को रद्द कर दिया है।

उपग्रह निगरानी के बावजूद जंगल में आग लगने की घटनाओं में तीन गुना इजाफा

नई दिल्ली, 8 दिसंबर (भाषा)।

वन क्षेत्रों में आग लगने की घटनाओं के कारण वन संपदा को होने वाले नुकसान को रोकने के लिए उपग्रहों से सतत निगरानी सहित अन्य तकनीकों के इस्तेमाल के बावजूद पिछले तीन साल के दौरान जंगलों में आग की घटनाएं तीन गुना तक बढ़ गई हैं।

वन क्षेत्रों में आग लगने की घटनाओं पर निगरानी से जुड़े पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक 2016 में देश भर में जंगलों में आग लगने की 37,636 घटनायें दर्ज की गई थीं, जो कि 2018 में बढ़कर 1.17 लाख हो गई। वन क्षेत्र और वन संपदा की समीक्षा के बारे में मंत्रालय की संसद में पिछले सप्ताह पेश रिपोर्ट के अनुसार पिछले तीन साल के दौरान जंगल में आग लगने की घटनाओं में सर्वाधिक बढ़ातरी ओड़ीशा और आंध्र प्रदेश में हुई है।

वनाग्नि की घटनाओं के राज्यवार आंकड़ों के मुताबिक ओड़ीशा में 2016 में 2,572 घटनाएं दर्ज की गई थीं। इनकी संख्या 2017 में बढ़कर 36,827 हो गई और 2018 में थोड़ी गिरावट के साथ 31,680 पर आ गई। वहीं, आंध्र प्रदेश के जंगलों में 2016 में आग की 8,885 घटनायें दर्ज की गई थीं। इनकी संख्या 2017 में बढ़कर 8,274 हो गई और 2018 में 16,171 पर पहुंच गई।

जनसत्ता

क्लासीफाइड

व्यक्तिगत

I, Reena Jain W/o Mr. Amit Jain R/o Flat No.-7, Supertech Avant Garde, Plot No.-1, Sector -5, Vaishali, Ghaziabad, U.P.-201010. Have changed my son's name from Veer Jain to Yajas Jain for all future purposes. 0040523400-1

I, Kapila now Bharti w/o Gaurav Alawadi r/o 11/37a Second Floor Tilak Nagar New Delhi has changed my name for all purposes 0050159532-1

I, Amit Jain S/o Sh. S. C. Jain R/o Flat No. 7, Supertech Avant Garde, Plot No.-1, Sector-5, Vaishali, Ghaziabad, U.P.-201010 have changed my son's name from Veer Jain to Yajas Jain for all future purposes. 0040523400-2

I, Syed Qamar Abbas R/o Rz F-15, 3rd Floor, Street No-4, Mahavir Enclave, New Delhi-110045, have changed my minor son's name from Syed Noman Mahdi to Syed Hamza Mahdi for all purposes. 0040523351-1

I, Pallavi Seth W/o Sumit Seth R/o 51, Maitri Apartments, Mayur Vihar, Phase 1, Delhi-110091, have changed my name to Pallavi Kapur for all purposes. 0040523343-1

रिक्त स्थान

सी.आर.एम. जाट कॉलेज हिसार
Walk in interview
आवश्यकता
योग्यता : हरियाणा सरकार/जी.जे.यू. एस एण्ड टी के नियमानुसार नॉन टीचिंग स्टाफ की डी.सी. रेट पर निम्नलिखित पदों हेतु आवश्यकता है।

पद का नाम	संख्या
कम्प्यूटर ऑपरेटर	01
चपड़ासी	02
लैब अटैंडेंट	12
टेकनिकल असिस्टेंट	01
लाईब्रेरी अटैंडेंट	02

- पदों की संख्या आवश्यकता अनुसार ज्यादा या कम हो सकती है
- साक्षात्कार की तिथि :- 13-12-2019, समय प्रातः 10:00 बजे
- सभी कागजात व दस्तावेजों सहित कार्यालय में उपस्थित हों।
- नोट : अनुभवी को प्राथमिकता दी जाएगी। उपरोक्त नियुक्तियां स्थाई नियुक्तियों तक मान्य है। स्थाई नियुक्तियां होने पर इन्हें पदभार से मुक्त कर दिया जायेगा

प्रधान
सतपाल सिंह
जाट एजुकेशन सोसायटी
हिसार (हरियाणा)

"IMPORTANT"
Whilst care is taken prior to acceptance of advertising copy, it is not possible to verify its contents. The Indian Express (P) Limited cannot be held responsible for such contents, nor for any loss or damage incurred as a result of transactions with companies, associations or individuals advertising in its newspapers or Publications. We therefore recommend that readers make necessary inquiries before sending any monies or entering into any agreements with advertisers or otherwise acting on an advertisement in any manner whatsoever.

उत्तर प्रदेश पावर ट्राँसमिशन कारपोरेशन लिमिटेड ई-निविदा सूचना इस कार्यालय के द्वारा निम्नलिखित कार्य/सामग्री की आपूर्ति सम्पादन हेतु अनुभवी, दक्ष एवं जी0एस0टी0 में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित ई-निविदा वर्ष 2019-20 में आमन्त्रित की जाती है जिसका विस्तृत विवरण ई-टेन्डर बेवसाईट www.etender.up.nic.in site पर उपलब्ध है। ई-निविदा संख्या- ईटी-157/विद्युत 400 के0वी0 उपकेन्द्र पनकी पर कन्ट्रोल रूम एवं कैम्पस की सफाई से सम्बन्धित कार्य। ई-निविदा संख्या- ईटी-158/ विद्युत 220 के0वी0 उपकेन्द्र पनकी के अन्तर्गत 132 के/वी0 जवाहरपुरम पर 1 नं0 33 बे का निर्माण कार्य। ई-निविदा संख्या- ईटी-159/ विद्युत प्रेषण खण्ड प्रथम के अन्तर्गत 132 के0वी0 उपकेन्द्र दादानगर पर 40 एम0वी0ए0 ट्रांसफारमर की सेन्ट्रीफ्यूजिंग का कार्य। ई-निविदा संख्या- ईटी-160/ विद्युत प्रेषण खण्ड प्रथम के अन्तर्गत 400 के0वी0 सिंगल सर्किट उन्नाव-आगरा लाइन की ऊंचाई बढाने हेतु डाइवर्जन का कार्य। ई-निविदा संख्या- ईटी-161/ विद्युत 400 के0वी0 उपकेन्द्र पनकी के अन्तर्गत टर्मिनल कनेक्टरों की आपूर्ति। ई-निविदा संख्या- ईटी-162/ विद्युत प्रेषण 400 के0वी0 उपकेन्द्र पनकी के अन्तर्गत ए0सी0 पावर सप्लाई क्यूबिकल की आपूर्ति। ई-निविदा संख्या- ईटी-163/ विद्युत 220 के0वी0 उपकेन्द्र पनकी पर 33 के0वी0 बस एवं फीडर की वार्षिक अनुरक्षण का कार्य। ई-निविदा संख्या- ईटी-164/ विद्युत 220 के0वी0 उपकेन्द्र पनकी के अन्तर्गत निमार्णाधीन 220 के0वी0 पनकी-पी0जी0सी0आई0एल0 भौती से 220 के0वी0 उपकेन्द्र किदवई नगर पर लीलो लाइन के निर्माण सम्बन्धी कार्य। ई-निविदा संख्या- ईटी-165/ विद्युत प्रेषण खण्ड प्रथम के अन्तर्गत 400 के0वी0 सिंगल सर्किट पनकी-अलीगढ लाइन के पेट्रोलिंग से सम्बन्धित कार्य। ई-निविदा संख्या- ईटी-166/ विद्युत 220 के0वी0 उपकेन्द्र पनकी के अन्तर्गत 132 के0वी0 जवाहरपुर पर घास कटाई का कार्य। ई-निविदा संख्या- ईटी-167/ विद्युत प्रेषण खण्ड प्रथम के अन्तर्गत 220 के0वी0 पनकी-उन्नाव डी0सी0 लीलो लाइन एवं 220 के0वी0 बिठूर एवं आर0पी0एच0 पर लीलो लाइन पर पेट्रोलिंग से सम्बन्धित कार्य। ई-निविदा संख्या- ईटी-168/ विद्युत प्रेषण खण्ड प्रथम के अन्तर्गत 400 के0वी0 सिंगल सर्किट पनकी-अलीगढ लाइन की ऊंचाई बढाने के कार्य हेतु डाइवर्जन का कार्य। ई-निविदा संख्या- ईटी-169/ विद्युत प्रेषण खण्ड प्रथम के अन्तर्गत 132 के0वी0 आजाद नगर पर लान मेन्टीनेन्स के वार्षिक अनुरक्षण का कार्य। ई-निविदा संख्या- ईटी-170/ विद्युत प्रेषण खण्ड प्रथम के अन्तर्गत 132 के0वी0 दादानगर पर लान मेन्टीनेन्स के वार्षिक अनुरक्षण का कार्य। ई-निविदा संख्या- ईटी-157 से 159 तक दिनांक 29.12.2019 एवं ई-निविदा संख्या- ईटी-160 से 163 तक दिनांक 09.01.2020 एवं ई-निविदा संख्या- ईटी-164 से 167 तक दिनांक 13.01.2020 एवं ई-निविदा संख्या- ईटी-168 से 170 तक दिनांक 17.01.2020 को खोली जायेगी। हस्ता./- अधीक्षण अभियन्ता विद्युत पारेषण मण्डल, प्रथम पनकी, कानपुर "राष्ट्र हित में बिजली बचाये" उपभोक्ता सेवा हेतु सम्पर्क करें- www.etender.up.nic.in पत्रांक 1111/वि.प्रे.म.प. (का.)/टी.-1 दिनांक 07.12.19

शिवालिक मर्कन्टाइल को-आपरेटिव बैंक लि.
पंजी. कार्यालयः 13/1207, अंसारी रोड, सहारनपुर- 247001 (उ.प्र.)
प्रधान कार्यालयः 2रा तल, 5 ए एवं 5 बी, फ्यूजन स्क्वॉयर, सेक्टर 126, नोएडा

परिशिष्ट-IV [देखे नियम 8(1) कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति के लिये)

जैसा कि, वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्त्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत शिवालिक मर्केन्टाइल को-ऑपरेटिव बैंक लि., बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 के आशय के अंतर्गत बैंकिंग कम्पनी जिसका पंजीकृत कार्यालय 13/1207, अंसारी रोड, सहारनपुर-247001 (उ.प्र.) तथा प्रधान कार्यालय 2रा तल, 5ए एवं 5बी, फ्यूजन स्क्वॉयर, सेक्टर-126, नोएडा में है के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्त्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने मांग सूचना जारी कर ऋणधारक/पार्टियों को उक्त मांग सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर सूचना में वर्णित राशि वापस लौटाने का निर्देश दिया था।

नीचे वर्णित ऋणधारक/गारन्टर/मार्टगैजर इस राशि को वापस लौटाने में विफल रहे, अतः एतद्द्वारा ऋणधारक/गारन्टर/मार्टगैजर तथा आम जनता को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी ने उक्त नियमावली के नियम 8 के साथ पठित अधिनियम की धारा 13 (4) के अंतर्गत उन्हें प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने यहां नीचे वर्णित सम्पत्ति का सांकेतिक कब्जा कर लिया है।

ऋणधारक का ध्यान प्रतिभूत परिसम्पत्तियों को विमोचित करने के लिए उपलब्ध समय के संदर्भ में अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधानों के प्रति आकृष्ट की जाती है।

विशेष रूप से ऋणधारकों/गारन्टरों/मार्टगैजरों तथा आम जनता को एतद्द्वारा सतर्क किया जाता है कि वे यहां नीचे वर्णित सम्पत्ति का व्यवसाय न करें तथा इन सम्पत्तियों का किसी भी तरह का व्यवसाय अनुबंधित दर पर आगे के ब्याज, परवर्ती ब्याज, अनुषांगिक खर्चे, लागतों, चार्जेज आदि के साथ बकाया राशि के लिये शिवालिक मर्केन्टाइल को-ऑपरेटिव बैंक लि. के चार्ज के अधीन होगा।

ऋणधारक(कों)/गारन्टर(रों)/ मार्टगैजर(रों) का नाम	अचल सम्पत्तियों का विवरण	मांग सूचना तिथि एवं राशि कब्जा की तिथि
1. श्री अतुल मिश्रा (ऋणधारक एवं मार्टगैजर) पुत्र चन्द्र मोहन मिश्रा, निवासीः एच. नं. 200, भटोनिया मोहल्ला, साहिबाबाद, गाजियाबाद उ.प्र.-201010, 2. श्रीमती पूजा झा (गारन्टर), पुत्री श्री अतुल मिश्रा निवासीः एच. नं. 200, भटोनिया मोहल्ला, साहिबाबाद, गाजियाबाद उ.प्र.-201010 3. श्री अभिशेक कुमार मिश्रा (गारन्टर) पुत्र आनंद मोहन मिश्रा एच. नं.-250, सेक-2बी, वसुन्धरा, गाजियाबाद	बही नं. 1, जिल्द नं. 5744, पेज नं. 393/416, क्रम सं. 4267 के राजस्व अभिलेखों में पंजीकृत खसरा नं. 409, ग्राम साहिबाबाद, गाजियाबाद, उ.प्र. में स्थित 41.80 वर्ग मी. क्षेत्रफल के प्लॉट में शामिल सम्पत्ति का सभी भाग तथा हिस्सा। चौहद्दीः उत्तरः 6 फीट चौड़ा रास्ता, पूर्वः राजू झा का प्लॉट, पश्चिमः हरि सिंह का प्लॉट, दक्षिणः ब्रहमपाल सिंह, सम्पत्ति माप, स्वामी श्री अतुल मिश्रा, पुत्र चन्द्र मोहन मिश्रा	मांग सूचना तिथिः 11.9.2019 कब्जा की तिथिः 5.12.2019 बकाया राशिः रु. 2,23,708/- (रुपये दो लाख तैईस हजार सात सौ आठ मात्र)
2. मनोज गौतम (ऋणधारक एवं मार्टगैजर) पुत्र श्री राजेन्द्र कुमार, निवासीः एच. नं. 357, 1, हापुर रोड, मालीवारा, गाजियाबाद, उ.प्र.-201001 2. श्री चैन सिंह (मार्टगैजर) पुत्र नानक चंद निवासीः एच. नं. 515बी, कृष्णा नगर, बागु बाई-पास रोड, विजय नगर, गाजियाबाद-201009, 3. श्रीमती सुनीता (गारन्टर), पत्नी श्री राजेन्द्र कुमार निवासीः एच. नं. 357, 1, हापुर रोड, मालीवारा, गाजियाबाद, उ.प्र.-201001	बही नं. 1, जिल्द नं. 10515, पेज नं. 341-364, क्रम सं. 10778 के राजस्व अभिलेखों में पंजीकृत खसरा नं. 234, मी. ग्राम- अतोअर, परगणा जलालाबाद, तहसील एवं जिला गाजियाबाद, उ.प्र. में स्थित 83.61 वर्ग मी. के एरिया में शामिल आवासीय सम्पत्ति का सभी भाग तथा हिस्सा चौहद्दीः उत्तरः 18'0" रोड, पूर्वः राजेन्द्र सिंह का प्लॉट, पश्चिमः राजेन्द्र सिंह का प्लॉट, दक्षिणः बैरल की भूमि, सम्पत्ति माप, स्वामीः श्री मनोज गौतम, पुत्र राजेन्द्र कुमार	मांग सूचना तिथिः 9.9.2019 कब्जा की तिथिः 3.12.2019 बकाया राशिः रु. 16,70,786/- (रुपये सोलह लाख सत्तर हजार सात सौ छियासी मात्र)
1. श्री शैलेश कुमार मिश्रा (ऋणधारक एवं मार्टगैजर), पुत्र स्व. इन्द्रकान्त मिश्रा निवासीः एच. नं. 115 के, ग्राम सदर सराई कॉलोनी, सेक्टर-45, तहसील दादरी, गौतमबुध नगर, उ.प्र.-201306 2. श्री दीपक मिश्रा (गारन्टर), पुत्री श्री अरुण कुमार मिश्रा, निवासीः एच. नं. 1, ग्राम सदर सराई कॉलोनी, हाजीपुर, सेक्टर-45, उ.प्र.-201306 तथा 3. श्री प्रभात कुमार (गारन्टर), पुत्र आनंद मोहन ठाकुर, निवासीः गली नं. 5, ग्राम सदरपुर, सोम बाजार, सेक.-45, नोएडा, गौतमबुध नगर, उ.प्र.-201305	बही नं. 1, जिल्द नं. 9174, पेज नं. 265/282, क्रम सं. 2971, माप 30 वर्ग याईस के राजस्व अभिलेखों में पंजीकृत खसरा नं.-76, ग्राम जलपुरा, जिला गौतमबुध नगर, उ.प्र. में शामिल सम्पत्ति का सभी भाग तथा हिस्सा। चौहद्दीः पूर्वः विक्रेता जय सिंह का प्लॉट, पश्चिमः हरि सिंह का प्लॉट, उत्तरः 6 फीट 0" रोड, दक्षिणः ब्रहमपाल सिंह का प्लॉट, सम्पत्ति माप, स्वामीः श्री शैलेश कुमार मिश्रा, पुत्र स्व. इन्द्रकान्त मिश्रा	मांग सूचना तिथिः 2.7.2019 कब्जा की तिथिः 2.12.2019 बकाया राशिः रु. 1,84,960/- (रुपये एक लाख चौड़ासी हजार नौ सौ साठ मात्र)
1. विजय चौधरी (ऋणधारक एवं मार्टगैजर) निवासीः एच. नं. 188, महेन्द्र एन्क्लेव, जी ब्लॉक, गाजियाबाद, उ.प्र.-201002 2. श्री मनोज भाटी (गारन्टर), पुत्र श्री राजबीर सिंह भाटी, निवासीः बी-97, नेहरू अपार्टमेन्ट, गाजियाबाद, उ.प्र.-201001 3. रविन्द्र कुमार (गारन्टर), पुत्र स्व. लेखन सिंह, निवासीः एच. नं. 188, महेन्द्र एन्क्लेव, जी ब्लॉक, गाजियाबाद, उ.प्र.-201002	उप-रजिस्ट्रार कार्यालय में बही नं. 1, जिल्द नं. 1826, पेज नं. 184/195, क्रम सं. 4361 में पंजीकृत खसरा नं. 1068, महेन्द्र एन्क्लेव, ब्लॉक जी, ग्राम राजापुर, परगणा-डासना, तहसील एवं जिला गाजियाबाद, माप 83.61 वर्ग मी. में स्थित आवासीय प्लॉट का सभी भाग तथा हिस्सा। चौहद्दीः उत्तरः अन्य प्लॉट, पूर्वः प्लॉट नं. 189, पश्चिमः प्लॉट नं. 187, दक्षिणः रोड 25 फीट, सम्पत्ति माप, स्वामीः श्री विजय चौधरी	मांग सूचना तिथिः 1.10.2019 कब्जा तिथिः 5.12.2019 बकाया राशिः रु. 20,85,840.61/- (रुपये बीस लाख पचासी हजार आठ सौ चालिस तथा पैसे इकसठ मात्र)
1. श्री जयविन्द्र (ऋणधारक), पुत्र श्री रिशीपाल, निवासीः एच. नं. 549, ग्राम सथाला, किला रोड, मेरठ, उ.प्र.-250406, 2. श्री अजय कुमार (गारन्टर), पुत्र श्री ओम प्रकाश, निवासीः शोभापुर, रोहता रोड, मेरठ-250001 तथा 3. श्री रिशीपाल (गारन्टर एवं मार्टगैजर), पुत्र ब्रह्म सिंह, निवासीः ग्राम सथाला, किला रोड, तहसील मवाना, मेरठ-250406	उप-रजिस्ट्रार, मवाना के कार्यालय में बही नं. 1, जिल्द नं. 327, पेज नं. 183/190, क्रम सं. 4280 में पंजीकृत मोहल्ला जाटव, ग्राम-सथाला, तहसील मवाना, किला परीक्षित रोड, जिला मेरठ, उ.प्र. में स्थित आवासीय प्लॉट, माप 94.93 वर्ग मी. की सम्पत्ति का सभी भाग तथा हिस्सा। चौहद्दीः उत्तरः रास्ता, पूर्वः रोड, पश्चिमः श्री लक्ष्मण पुत्र श्री निहाल का मकान, दक्षिणः रास्ता, सम्पत्ति माप, स्वामीः श्री रिशीपाल, पुत्र ब्रह्म सिंह	मांग सूचना तिथिः 1.10.2019 कब्जा तिथिः 5.12.2019 बकाया राशिः रु. 1,80,545.27/- (रुपये एक लाख अस्सी हजार पांच सौ पैंतालिस तथा पैसे सत्ताईस मात्र)
1. श्री केशोराम (ऋणधारक), पुत्र सोमदत्त निवासी ग्राम- बधेदी, कोली, रामदासपुर उर्फ नागल, जिला सहारणपुर, उ.प्र.- 247551, 2. रवि कश्यप (सह-ऋणधारक), पुत्र केशोराम, निवासी ग्राम- बधेदी, कोली, रामदासपुर उर्फ नागल, जिला सहारणपुर, उ.प्र.- 247551, 3. कमला देवी (गारन्टर एवं मार्टगैजर), पत्नी केशोराम, निवासी ग्राम- बधेदी, कोली, रामदासपुर उर्फ नागल, जिला सहारणपुर, उ.प्र.- 247551, 4. जोगेन्दर कुमार (गारन्टर), पुत्र संत लाल, निवासीः पीएनबी बैंक के निकट, रामदासपुर उर्फ नागल, सहारणपुर, उ.प्र.- 247551	श्रीमती कमला देवी, पत्नी केशोराम, निवासी ग्राम- बधेदी, कोली, रामदासपुर उर्फ नागल, जिला सहारणपुर, उ.प्र.- 247551 के पक्ष में श्रीमती सावित्री देवी, पत्नी स्व. चमन लाल, निवासी ग्राम-बधेदी, कोली रामदासपुर उर्फ नागल, जिला सहारणपुर, उ.प्र. द्वारा निष्पादित उप-रजिस्ट्रार देवबंद के कार्यालय में क्रम सं. 7462 में बुक नं. 1, वॉल्यूम नं. 3178, पेज 471 से 490 में विधिवत पंजीकृत मूल बिक्री प्रलेख तिथि 19.06.2016 के द्वारा सम्पत्ति के ई/एम से शामिल सम्पत्ति का सभी भाग तथा हिस्सा। चौहद्दीः उत्तरः अनिल कुमार शर्मा का मकान पूर्वः अनिल कुमार शर्मा का मकान पश्चिमः क्रेता ज्ञानी का प्लॉट, दक्षिणः राजेन्द्र शर्मा का प्लॉट, सम्पत्ति माप, स्वामीः कमला देवी, पत्नी केशोराम	मांग सूचना तिथिः 29.07.2019 कब्जा की तिथिः 2.12.2019 बकाया राशिः रु. 5,14,988/- (रु. पांच लाख चौदह हजार नौ सौ अठासी मात्र)
1. श्री केशोराम (ऋणधारक), पुत्र सोमदत्त निवासी ग्राम- बधेदी, कोली, रामदासपुर उर्फ नागल, जिला सहारणपुर, उ.प्र.- 247551, 2. रवि कश्यप (सह-ऋणधारक), पुत्र केशोराम, निवासी ग्राम- बधेदी, कोली, रामदासपुर उर्फ नागल, जिला सहारणपुर, उ.प्र.- 247551, 3. कमला देवी (गारन्टर एवं मार्टगैजर), पत्नी केशोराम, निवासी ग्राम- बधेदी, कोली, रामदासपुर उर्फ नागल, जिला सहारणपुर, उ.प्र.- 247551, 4. मदन लाल (गारन्टर), पुत्र सोमदत्त, निवासीः ग्राम बधेदी कोली, रामदासपुर उर्फ नागल, जिला सहारणपुर, उ.प्र.-247551 तथा 5. संजय (गारन्टर) पुत्र धरमपाल, निवासीः एच. नं. 421, ग्राम बधेदी कोली, रामदासपुर उर्फ नागल, जिला सहारणपुर, उ.प्र.-247551	श्रीमती कमला देवी, पत्नी केशोराम, निवासी ग्राम- बधेदी, कोली, रामदासपुर उर्फ नागल, जिला सहारणपुर, उ.प्र.- 247551 के पक्ष में श्रीमती सावित्री देवी, पत्नी स्व. चमन लाल, निवासी ग्राम-बधेदी, कोली रामदासपुर उर्फ नागल, जिला सहारणपुर, उ.प्र. द्वारा निष्पादित उप-रजिस्ट्रार देवबंद के कार्यालय में क्रम सं. 7462 में बुक नं. 1, वॉल्यूम नं. 3178, पेज 471 से 490 में विधिवत पंजीकृत मूल बिक्री प्रलेख तिथि 19.06.2016 के द्वारा सम्पत्ति के ई/एम से शामिल सम्पत्ति का सभी भाग तथा हिस्सा। चौहद्दीः उत्तरः अनिल कुमार शर्मा का मकान पूर्वः अनिल कुमार शर्मा का मकान पश्चिमः क्रेता ज्ञानी का प्लॉट, दक्षिणः राजेन्द्र शर्मा का प्लॉट, सम्पत्ति माप, स्वामीः कमला देवी, पत्नी केशोराम	मांग सूचना तिथिः 29.07.2019 कब्जा की तिथिः 2.12.2019 बकाया राशिः रु. 4,67,717.81/- (रु. चार लाख सड़सठ हजार सात सौ सत्तरह तथा पैसे इक्यासी मात्र)
1. श्री प्रमोद (ऋणधारक) पुत्र बनारसी दास निवासीः एच.नं. 262, शिव मंदिर के निकट, ग्राम-मीरपुर मोहनपुर, पोस्ट नागल, तहसील देवबंद, जिला सहारणपुर, उ.प्र.-247551, 2. श्री राम कुमार (गारन्टर), पुत्र बाबूराम, निवासीः एच. नं. 257, ग्राम-मीरपुर मोहनपुर, पोस्ट नागल, तहसील देवबंद, जिला सहारणपुर, उ.प्र.-247551, 3. आदेश कुमार (गारन्टर), पुत्र राजेन्दर कुमार, निवासीः एच.नं. 277, ग्राम-मीरपुर मोहनपुर, पोस्ट नागल, तहसील देवबंद, जिला सहारणपुर, उ.प्र.-247551, 4. पूनम वालिया (गारन्टर एवं मार्टगैजर), पत्नी प्रमोद, निवासीः एच. नं. 262, ग्राम-मीरपुर मोहनपुर, पोस्ट नागल, तहसील देवबंद, जिला सहारणपुर, उ.प्र.-247551	उप-रजिस्ट्रार देवबंद के कार्यालय में विधिवत पंजीकृत पेज नं. 217 से 238 में बुक नं.1, वॉल नं. 5251 में 4.3.2015 की तिथि को पंजीकृत मूल बिक्री प्रलेख तिथि 4.3.2015 के अनुसार सम्पत्ति का सभी भाग तथा हिस्सा। चौहद्दीः उत्तरः रास्ता, पूर्वः विक्रेता की सम्पत्ति, पश्चिमः श्री विजय का मकान, दक्षिणः जय प्रकाश का मकान, सम्पत्ति माप, स्वामीः श्रीमती पूनम वालिय, पत्नी श्री प्रमोद कुमार	मांग सूचना तिथिः 29.07.2019 कब्जा की तिथिः 2.12.2019 बकाया राशिः रु. 1,37,162/- (रु. एक लाख सैंतीस हजार एक सौ बासठ मात्र)

तिथिः 02.12.2019 स्थानः दिल्ली/एनसीआर
शिवालिक मर्केन्टाइल को-ऑपरेटिव बैंक लि. के लिये, प्राधिकृत अधिकारी

ठंड से जमने लगी डल झील, पंजाब-हरियाणा भी ठिठुरे

जम्मू/चंडीगढ़, 8 दिसंबर (भाषा)।

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख क्षेत्र में तापमान गिरने का सिलसिला जारी है और करगिल जिले के द्रास क्षेत्र में तापमान शून्य से 26 डिग्री सेल्सियस तक नीचे चला गया। पंजाब और हरियाणा में रविवार को मौसम सर्द रहा। दोनों राज्यों के ज्यादातर क्षेत्रों में न्यूनतम तापमान औसत से नीचे दर्ज किया गया।

इसके साथ ही लद्दाख में करगिल जिले का द्रास सबसे ठंडा स्थान दर्ज किया गया। वहीं जम्मू में न्यूनतम तापमान इस मौसम के औसत तापमान से दो डिग्री सेल्सियस नीचे गिरकर आठ डिग्री सेल्सियस हो गया। हालांकि आने वाले दिनों में पश्चिमी विक्षोभ की वजह से तापमान में सुधार हो सकता है। पश्चिमी विक्षोभ यहां बुधवार को दस्तक देगा और इसके साथ ही बर्फ गिरने और बारिश का दूसरा चरण भी शुरू हो जाएगा। रविवार को श्रीनगर के लोग चुभती हुई सर्दी और गहरे कोहरे में जगे। वहीं रात का तापमान यहां शून्य से चार डिग्री सेल्सियस नीचे चला गया था जो कि इस मौसम में सामान्य तापमान से 3.4 डिग्री सेल्सियस कम है। पारे में गिरावट की वजह से डल झील का कुछ हिस्सा जम गया और शहर के विभिन्न इलाकों में नलों में भी पानी जम गया।

अधिकारी ने बताया कि इस साल यहां मौसम की पहली बर्फबारी समय से पहले ही हुई थी। दूसरी ओर मौसम विभाग की रिपोर्ट के अनुसार पंजाब का आदमपुर जिला चार डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ राज्य में सबसे ठंडा क्षेत्र रहा। अमृतसर में न्यूनतम तापमान 5.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बठिंडा, गुरदासपुर, हलवाड़ा, पठानकोट, लुधियाना और पटियाला में न्यूनतम तापमान क्रमशः 5.9, 8, 7.3, 6.5, 6.9 और 7.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हरियाणा के करनाल में रात का तापमान 6.2 डिग्री सेल्सियस जबकि हिसार में न्यूनतम तापमान 7.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। नारनौल, रोहतक और सिरसा में न्यूनतम तापमान क्रमशः 7, 7.8 और 7.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

परीक्षा सॉल्वर गैंग के 10 लोग गिरफ्तार

लखनऊ, 8 दिसंबर (भाषा)।

उत्तर प्रदेश पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा (सीटीईटी) में सॉल्वर गैंग का भंडाफोड़ करते हुए इसके सरगना समेत 10 सदस्यों को गिरफ्तार किया है।

एसटीएफ के सूत्रों ने बताया कि ऐसी सूचना मिली थी पीटीईटी परीक्षा के लिए बिहार से सॉल्वर गैंग बुलाया गया है। इसके सदस्य मुरादाबाद के विभिन्न कॉलेजों में परीक्षा देंगे। इस सूचना पर मुरादाबाद स्थित हिंदू कॉलेज के पास से नाजिम, दानिश और राजकुमार कश्यप नामक व्यक्तियों को पकड़ा गया। सूत्रों के मुताबिक इन पकड़े गए लोगों ने बताया कि हिंदू कॉलेज के अंदर राजकुमार के स्थान पर सुशांत और इंद्रपाल के स्थान पर विक्की कुमार परीक्षा दे रहे हैं। आरआरके स्कूल में अनुज के स्थान पर मुकेश, अशोक कुमार के स्थान पर चंदन आनंद परीक्षा दे रहा था। इसके अतिरिक्त मुरादाबाद के पाकबाड़ा थाना क्षेत्र के वेदराम इंटर कॉलेज में सुभाष के स्थान पर राजमणि और कटघर थाना क्षेत्र में सरस्वती विद्या मंदिर गुलाबबाड़ी में दिनेश के स्थान पर चंदन परीक्षा दे रहा था।

एसटीएफ ने पूरे मामले में गिरोह के सरगना नाजिम, दानिश और राजकुमार के अलावा विपिन कुमार, विक्की कुमार, सुशांत सहगल, मुकेश, चंदन आनंद, राजमणि और चंदन नामक एक अन्य व्यक्ति को गिरफ्तार किया। पकड़े गए लोग परीक्षार्थी के आधार कार्ड पर अपना फोटो लगाकर परीक्षा केंद्र में पहुंचे थे। परीक्षा देने के लिए धन चुकाने वाले लोग परीक्षा फॉर्म पर अपनी धुंधली फोटो लगाते थे ताकि परीक्षा के वक्त उन्हें आसानी से पकड़ा न जा सके। सचिन इससे पहले भी इसी तरह परीक्षा देने के मामले में जेल जा चुका है।

The Indian EXPRESS Classifieds FROM ANYTHING TO EVERYTHING
EXPRESS EDUCATION
SSC BANK CPO CDS NDA
ENGLISH (ANKUL SIR)
SSC CGL / CPO PRE + MAINS At Mukherjee Nagar, Delhi
New Batch Starts 9th Dec.
2 DEMO CLASSES Timing 1:30 PM to 3:00 PM
CLASSIC CLASSES™
9911191959, 9891991959 YouTube Ankulsir
M-2/A-29,30, Jaina House, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi
Contact for Advt. Booking: M/s Friends Publicity Service 23276901, 23282028 (M): 9212008155, 9212665841.

विधायिका में अनुसूचित जाति व जनजाति का आरक्षण दस साल बढ़ेगा

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 8 दिसंबर।

लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में अनुसूचित जाति (एससी) व अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए आरक्षण की सीमा 10 वर्ष और बढ़ाई जाएगी, लेकिन विधायिका में आंग्ल-भारतीय समुदाय के व्यक्ति को मनोनीत करने की व्यवस्था अगले वर्ष जनवरी में समाप्त हो जाएगी। संसद के निचले सदन में सोमवार को पेश किए जाने के लिए सूचीबद्ध विधेयक में ये प्रस्ताव किए गए हैं। लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में इन श्रेणियों के लिए आरक्षण 25 जनवरी, 2020 को समाप्त होने वाला है।

संविधान (126वां) संशोधन विधेयक के मुताबिक जब संविधान लागू हुआ था, तब लोकसभा और विधानसभाओं में अनुसूचित जाति एवं अनूसूचित जनजाति के लिए आरक्षण की अवधि 70 वर्ष निर्धारित की गई थी।

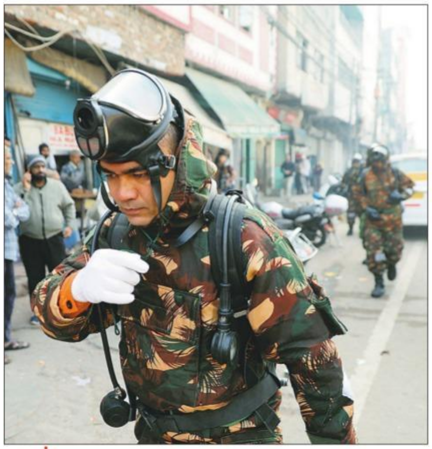

बचाव कार्य घटनास्थल पर आग बुझाने जाते दमकलकर्मी।

अग्निकांड पर दिल्ली में सियासत गरमाई

भाजपा–कांग्रेस ने 'आप' को बताया जिम्मेदार

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 8 दिसंबर।

दिल्ली में रानी झांसी रोड पर अनाज मंडी में रविवार तड़के एक कारखाने में लगी भीषण आग को लेकर दिल्ली की सियासत गरमा गई है। कांग्रेस और भाजपा के नेताओं ने इस हादसे के लिए दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। इस हादसे में 43 लोगों की मौत हो गई।

घटना स्थल पर केन्द्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्री हरदीप पुरी के साथ पहुंचे प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मनोज तिवारी ने कहा कि क्षेत्र में बिजली के तार लटक रहे हैं लेकिन कई शिकायतों के बाद भी सरकारी एजंसियों ने कोई कार्रवाई नहीं की। दूसरी ओर कांग्रेस ने इस घटना के लिए आम आदमी पार्टी (आप) सरकार और भाजपा के नेतृत्व वाले नगर निगमों को जिम्मेदार ठहराया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सुभाष चोपड़ा ने कहा–केजरीवाल सरकार इसके लिए जिम्मेदार हैं। नगर निगम भी भाजपा के तहत आते हैं। वे भी इसके लिए उतने ही जिम्मेदार हैं। तिवारी ने भाजपा की ओर से पीड़ितों के परिवारों के लिए पांच–पांच लाख रुपए और घायलों को इलाज के लिए 25–25 हजार रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। पार्टी ने इस हादसे के मद्देनजर रविवार के अपने सभी कार्यक्रमों को भी रद्द कर दिया। दिल्ली विधानसभा में विपक्ष के नेता विजेन्द्र गुप्ता ने मांग की कि केजरीवाल सरकार को इस तरह की घटनाओं को रोकने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए विधानसभा का एक आपात सत्र बुलाना चाहिए। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व केन्द्रीय मंत्री विजय गोयल ने कहा कि यह दिल्ली सरकार की जिम्मेदारी है कि वह आवासीय क्षेत्रों में चल रहे अवैध कारखानों के खिलाफ कार्रवाई करे और इस तरह की घटनाओं को रोकें। उन्होंने कहा कि यह अब एक आम बात हो गई है। ऐसी घटनाएं होती हैं, जांच की जाती है लेकिन सरकार कुछ नहीं करती है। आवासीय क्षेत्रों में चलने वाले कारखानों को वैकल्पिक स्थानों पर भूखंड प्रदान किए जाने हैं, लेकिन सरकार ने ऐसा नहीं किया।

बिहार के जल संसाधन मंत्री संजय झा ने इस हादसे के लिए दिल्ली के बिजली विभाग को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा–मैं मौके पर गया, तारों के एक जाल को देखा। इसके लिए बिजली विभाग जिम्मेदार है। बिहार के मुख्यमंत्री हालात पर नजर बनाए हुए हैं। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार हादसे में घायल हुए लोगों की पहचान करने का प्रयास कर रही है और मृतकों के परिजनों को एक–एक लाख रुपए की अनुग्रह राशि दी जाएगी।

'आप' का जवाब

आम आदमी पार्टी ने मामले पर भाजपा पर राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा शासित नगर निगम को घटना के लिए जवाबदेह ठहराना चाहिए। पार्टी के वरिष्ठ नेता संजय सिंह ने कहा कि दिल्ली निगम की जिम्मेदारी है कि वह उस फैक्टरी को बंद करें जो अवैध रूप से चलाई जा रही है। पार्टी प्रवक्ता राघव चड्ढा ने कहा कि यह शर्मनाक और दुर्भाग्यपूर्ण है कि भाजपा आग लगने की घटना पर राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा कि सवाल उठाए जा रहे हैं तो भाजपा शासित एमसीडी को लाइसेंस देने के लिए जवाबदेह ठहराना चाहिए।

शवों की पहचान बनी चुनौती

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 8 दिसंबर।

हादसे में जलकर मरने वाले कुछ मजदूरों के शव इस कदर जल गए हैं कि पहचान करवाना पुलिस के लिए चुनौती बन गई है। घटना की सूचना मिलने के बाद रविवार को परिवार के सदस्य अपनों की पहचान करने के लिए एलएनजेपी अस्पताल में शिनाख्त करने के लिए पहुंचे थे। हादसे में जाने गंवाने वाले मजदूर बबलू के भाई मोहम्मद कलीम ने बताया कि जल जाने से पहचान करने में खासी दिक्कत हुई।

एक अन्य मजदूर जाहिद के भतीजे आजाद को भी समस्या हुई। आजाद ने बताया कि शव अकड़े हुए हैं। पुलिस का कहना है कि कुछ मजदूरों के परिवार के सदस्य शवों के शिनाख्त करने के लिए एलएनजेपी मोर्चरी पहुंचे थे। कुछ लोगों की पहचान कर ली गई है। कुछ के परिजनों को इसकी जानकारी दे दी गई है। उम्मीद है कि कल तक वह दिल्ली पहुंच जाएंगे, जिसके बाद बाकी बचें मजदूरों के शवों की शिनाख्त कराई जाएगी।

घटना की सूचना मिलने के बाद पहले परिजन अस्पताल पहुंचे, लेकिन जब दोपहर तक उन्हें अपनों की जानकारी नहीं मिली तो वे मोर्चरी पहुंच गए और गेट पर अपने बारी का इंतजार करते दिखे। पुलिस परिवार के सदस्यों को बुलाकर शव की पहचान करवा रही थी। दोपहर बाद यह प्रक्रिया शुरू कर दी गई थी।

फॉरेंसिक टीम खाली लौटी

जिस चार मंजिला इमारत में रविवार को आग लगी, फॉरेंसिक साइंस प्रयोगशाला की एक टीम ने उसका मुआयना रविवार को ही शुरू कर दिया। टीम के सदस्य उन स्थानों को देखा जहां से आग भड़क सकती थी लेकिन दमकल विभाग की ओर से चल रहे बचाव कार्य की वजह से कोई नमूना नहीं ले पाई। प्रयोगशाला की निदेशक दीपा वर्मा के मुताबिक चार सदस्यों की टीम ने घटनास्थल का मुआयना किया। वैज्ञानिक रूप से आग के पूरी तरह से बुझ जाने के बाद ही कमरों में प्रवेश मिलने के बाद ही सामग्री इकट्ठा की जा सकती है। वर्मा ने कहा कि वे पता लगाएंगे कि घटनास्थल का कितनी बार दौरा करने की जरूरत है। टीम ने इमारत के प्रकार और जहां से धुआं आ रहा था उसे देखकर एक खाका तैयार किया है, ताकि साक्ष्य इकट्ठा किए जा सकें। प्रयोगशाला के अधिकारी ने बताया कि टीम सोमवार को दोबारा घटनास्थल का दौरा करेगी।

हादसे के बाद

अग्निकांड के बाद घटनास्थल पर पत्रकारों से बातचीत करते केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी साथ में सांसद मनोज तिवारी और प्रवेश सिंह (ऊपर)। कांग्रेस नेता सुभाष चोपड़ा और जेपी अग्रवाल भी पहुंचे। (नीचे)।

उठने लगी इस्तीफे और दोषियों पर कार्रवाई की मांग

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 8 दिसंबर।

प्रदूषण फैलाने वाले कारखाने और उसमें बच्चों से हो रही मजदूरी ने दिल्ली पुलिस और उत्तरी निगम की पोल खोल दी है। पूरा सदर बाजार इलाका बारूद के ढेर पर बैठा है। हर वार्ड में निगम ने सर्वे किया और अवैध कारखाने बंद किए बावजूद इसके मध्य दिल्ली में इस तरह के कारखाने चलना यह साबित करता है कि बिना सरकारी अधिकारियों की मिलीभगत से नहीं हो सकता। उत्तरी निगम में विपक्ष के नेता रहे राकेश कुमार ने घटनास्थल का मुआयना और पीड़ितों से घटना की जानकारी लेने के बाद कहा कि इसमें पूरी तरह से निगम के बिल्डिंग बायलाज का उल्लंघन हुआ है साथ ही पुलिस का भ्रष्टाचार सामने आया है। इसकी जांच कर दोषियों पर कार्रवाई होनी चाहिए।

अग्निकांड के लिए उत्तरी दिल्ली के निगम आयुक्त वर्षा जोशी और मेयर अवतार सिंह को जिम्मेवार ठहराते हुए उनके इस्तीफे की मांग की गई है। उत्तरी निगम में नेता विपक्ष सुरजीत सिंह पंवार का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट ने रिहाइशी इलाकों से उधोगों को बाहर करने व प्रदूषण को लेकर सीलिंग के आदेश जारी किए थे। निगमायुक्त के कार्यकाल में यह दूसरी बड़ी घटना है। आयुक्त जोशी और मेयर अवतार सिंह से इस्तीफे की मांग करते हुए घटना की सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित समिति से जांच की मांग उन्होंने की है।

उत्तरी निगम में कांग्रेस दल के नेता मुकेश गोयल ने कहा कि इतना बड़ा उद्योग दिल्ली की रिहायशी इलाके में चल रहा था और इसकी जानकारी ना तो निगम में सत्तारूढ़ भाजपा और दिल्ली में सत्तारूढ़ 'आप' सरकार को थी यह कैसे हो सकता है। राष्ट्रीय सर्वजन विकास पार्टी ने फिल्मिस्तान अग्निकांड में दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेंद्र कुमार आहूजा ने रविवार को एक बयान जारी कर कहा कि दिल्ली बारूद के ढेर पर है।

राजधानी में यहां हैं अवैध कारखाने

चांदनी चौक, बाहरी दिल्ली के कई गांव, शाहदरा, विश्वास नगर, गांधी नगर, धमर्पुरा, कैलाश नगर, रघुवरपुरा, करावल नगर, सभापुर, सबोली, तुगलकाबाद विस्तार, सोनिया विहार, मौजपुर, चांद बाग, चौहानपट्टी, खजूरी खास, सुल्तानपुरी, नंद नगरी, मदनपुर खादर, कोटला मुबारकपुर, दिलशाद गार्डन, मंडावली, न्यू अशोक नगर, गाजीपुर, चिल्ला गांव, बुराड़ी, समसपुर, बादली, मंगोलपुरी, जहांगीर पुरी, शालीमार बाग, पीतमपुरा, संगम विहार, कालकाजी, जंगपुरा, भोगल, खानपुर, अंबेडकर नगर, मदनगीर, मटियाला, तिलक नगर, नवादा, उत्तम नगर, हरि नगर, सागरपुर, डाबरी, पालम, कापसहेड़ा और मंडोली आदि इलाके शामिल हैं।

विज्ञापन संख्याः 14/508
भारत सरकार
लोक उद्‌यम चयन बोर्ड
आर ई सी लिमिटेड
(पूर्व में रूरल इलेक्ट्रीफिकेशन कारपोरेशन लिमिटेड)
में
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
पद के लिए आवेदन आमंत्रित करता है। लोक उद्‌यम चयन बोर्ड में आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि 24 जनवरी, 2020 को 15.00 बजे तक है।
विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाइटः
http://www.pesb.gov.in
पर लॉगिन करें।

परिजनों के साथ डीयू शिक्षकों ने किया प्रदर्शन

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 8 दिसंबर।

दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के तदर्थ शिक्षकों का समायोजन, पदोन्नति, पेंशन सहित विभिन्न मांगों को लेकर शिक्षकों ने रविवार को अपने परिजनों के साथ उत्तरी परिसर में कुलपति कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। दिल्ली विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (डूटा) के बैनर तले शिक्षकों का धरना रविवार को पांचवें दिन भी जारी रहा।

इससे पहले डूटा ने रविवार को शिक्षकों को अपने परिवार संग आने का आह्वान किया था। इसके मद्देनजर कुलपति कार्यालय के बाहर बड़ी संख्या में शिक्षकों के परिजन भी पहुंचे। शिक्षकों के परिजन अपने हाथों में विभिन्न नारों वाली तख्तियां लिए हुए थ। इन तख्तियों पर 'मेरी मां को समायोजन दो', 'मेरी मां अभी भी एडहॉक है' जैसे नारे लिखे हुए थे। डूटा उपाध्यक्ष आलोक पांडेय ने बताया कि आज जिस संख्या में शिक्षक कुलपति कार्यालय के बाहर जमा हुए हैं, उसको देखकर लग रहा है कि हम यह लड़ाई हर हाल में जीतेंगे। उन्होंने कहा कि इस बार शिक्षक आर–पार की लड़ाई के मूड में हैं। बड़ी संख्या में अपने परिजनों के उपस्थित हुए शिक्षकों ने अपनी–अपनी पीड़ा साझा करते हुए प्रशासन से समायोजन की मांग की।

दूसरी ओर, डीयू प्रशासन ने रविवार को एक बार फिर से डूटा से आंदोलन वापस लेने की अपील की है। डीयू रजिस्ट्रार प्रो. तरुण दास ने वरिष्ठ शिक्षाविदों और डीयू की कुछ संकाय के प्रमुखों (डीन) के साथ रविवार को हुई बैठक का हवाला देते हुए डूटा के मौजूदा आंदोलन को विश्वविद्यालय की गरिमा को क्षति पहुंचाने वाला कहा है।

उन्होंने कहा कि आंदोलन से विद्यार्थियों के हित प्रभावित हो रहे हैं। रजिस्ट्रार ने डूटा और शिक्षकों से शिक्षकों और अन्य शैक्षणिक कर्मचारियों की सार्वभौमिक योग्यता और कॉलेजों में नियुक्ति के लिए न्यूनतम योग्यता पर शिक्षकों के पेशेवर नैतिकता के कोड का पालन करने का आग्रह किया है।

संसद तक करेंगे मार्च

डीयू शिक्षकों ने सरकार पर दबाव बनाने के लिए सोमवार को मंडी हाउस से संसद तक मार्च करने घोषणा की है। शिक्षकों का कहना है कि गुरुवार को मानव संसाधन विकास (एचआरडी) मंत्रालय के सचिव आर. सुब्रमण्यम से हुई बातचीत से उन्हें कुछ भी हासिल नहीं हुआ है। सरकार ने 28 अगस्त का अतिथि शिक्षकों की नियुक्तियों के लिए जारी पत्र को वापस नहीं लिया है, उसमें कुछ संशोधन कर केवल मौजूदा सत्र तक तदर्थ शिक्षकों को राहत दी है। इसमें समायोजन, तदर्थ सेवा के अनुभव को जोड़ने, पदोन्नति, पेंशन आदि किसी भी मांग को पूरा नहीं किया गया है।

महिला तदर्थ शिक्षकों की समस्याएं अधिक **आंदोलन** दिल्ली विश्वविद्यालय में चल रहा है प्रदर्शन

रोज की मानसिक पीड़ा सह रहीं शिक्षिकाएं

मीना
नई दिल्ली, 8 दिसंबर।

दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के कुलपति दफ्तर के सामने सैकड़ों शिक्षक अपनी मांगों को लेकर कई दिनों से प्रदर्शन कर रहे हैं। चार दिसंबर से लगातार अपनी मांगों को लेकर डटीं डॉक्टर निशा कहती हैं कि देश में जिस तरह के हालात चल रहे हैं ऐसे में कोई व्यक्ति घर से तो निकल नहीं पाता लेकिन एजंडे को लेकर इतनी संख्या में शिक्षकों का इकट्ठा करना बहुत बड़ी बात है। निशा बताती हैं तदर्थ शिक्षक रोजाना की मानसिक पीड़ा सहते हैं। अभी प्रशासन शब्दों से खेल रहा है। हमारी सभी मांगों को नहीं माना जा रहा है लेकिन आज हम सब यहां एकजुट हुए हैं और ये बदलाव लाएगा।

आंबेडकर कॉलेज में पिछले दस सालों से पढ़ा रहीं डॉक्टर तृष्णा सरकार कहती हैं कि आज हमें अपने बच्चों को घर में छोड़कर सड़क पर आना पड़ा है। इतनी मुश्किल से बेटियां पढ़ लिखकर यहां तक पहुंची हैं और अब यहां नौकरियों से निकाला जा रहा है। अगर लड़कियां पढ़ेंगी नहीं तो उन्हें वापस उसी पितृसत्तात्मक व्यवस्था को अपनाना पड़ेगा जिसे वो हटाना चाहती हैं। उन्हें अपने हर फैसले के लिए पुरुषों पर निर्भर रहना पड़ेगा। आज मेरी महीने की तनख्वाह आ रही है, इस वजह से मैं अपने फैसले ले पा रही हूं। इसी बीच साथ में खड़ी हुई निशा कहती हैं कि अब हमारी तनख्वाह ही रोक दी गई है। हम आगे कैसे फैसले लेंगे। तृष्णा कहती हैं कि हमने परीक्षाओं के निरीक्षक और मूल्यांकन कार्य दोनों के लिए मना कर दिया है। सरकार को हमारी बात को गंभीरता से लेना चाहिए। हम अनपढ़ लोग नहीं हैं। सब पीएचडी हैं। मैं दस सालों से पढ़ा रही हूं। इतने सालों से कुछ गलत नहीं पढ़ाया। आज हमें शिक्षक की नौकरी में आगे के लिए फिर से साक्षात्कार क्यों देना पड़ेगा। निशा और तृष्णा कहती हैं कि इस प्रदर्शन की ये तो बस शुरुआत है। हमारी अभी तक मुख्य मांग समायोजन की है। विजया वेंकटरामन स्पेनिश पढ़ाती हैं। वे कहती हैं कि हमारी कई मांगें केंद्र सरकार ने मान ली हैं लेकिन मुख्य मांग समायोजन की है। हमें तय करना है कि इस अनिश्चितकालीन हड़ताल को कैसे बढ़ाना है। वे कहती हैं कि पेंशन के मामले में भी सरकार हमारी सुन नहीं रही है। विजया कहती हैं कि डीयू में लगभग 50 फीसद शिक्षक महिलाएं होंगी। और आज ये बेटियां भी परेशान हैं। एक तो परिवार पहले ही लड़कियों को पढ़ाने को तैयार नहीं होते, जो लड़कियां संघर्ष करके किसी मुकाम को हासिल भी करती हैं तब उन्हें ऐसी परिस्थितियों से जूझना पड़ता है।

55 साल की स्थायी शिक्षिका विजया कहती हैं कि मैं समझती हूं कि तदर्थ शिक्षकों को कितनी मानसिक और भावनात्मक रूप से परेशानी झेलनी पड़ती है क्योंकि मैं खुद आठ साल तक तदर्थ शिक्षक रही हूं। इस पेशे में हम किसी उद्देश्य के साथ आते हैं, लेकिन आज ऐसी परिस्थितियां हैं कि कोई स्पष्टता नहीं है। हमेशा डर रहता है कि आगे नौकरी बचेगी या नहीं।

विनोद कुमार दिव्यांग हैं, वे कहते हैं कि मेरे घर में कमाई का अकेला मैं ही स्रोत हूं। मेरा एक बच्चा और पत्नी है। अब हमारी भी नौकरियां स्थायी नहीं हैं। हमारे घर कैसे चलेंगे। विनोद कहते हैं कि हमारी जो मांगें मानी गई हैं वो केवल हमारे आंदोलन को कमजोर करने की एक योजना है। रोजी रोटी तो इन्होंने दे दी लेकिन सुरक्षा नहीं दी। क्योंकि महिलाओं को मातृत्व लाभ तो मिलेगा नहीं। इसके अलावा स्वास्थ्य आदि का भी फायदा नहीं मिलेगा। हमारी एक ही मांग है समायोजन।

विनोद की पत्नी और बच्चा भी इस प्रदर्शन में शामिल हुआ।

www.readwhere.com

नोएडा में बिना एनओसी दर्जनों कारखाने

आशीष दुबे
नोएडा, 8 दिसंबर।

राष्ट्रीय राजधानी के एक कारखाना में लगी आग से 43 लोगों की मौत ने पूरे देश को झकझोर दिया है लेकिन ऐसा या इससे भी बड़ा हादसा कभी भी दिल्ली से सटे उत्तर प्रदेश के औद्योगिक महानगर नोएडा में हो सकता है। यहां पहले भी कारखाने, अतिथि गृह, अस्पताल, बैंक्वेट हॉल और गांव में खड़ी बहुमंजिला इमारतों में आग लगने से दर्जनों लोगों जान गंवा चुके हैं। दमकल विभाग की अनापत्ति प्रमाण पत्र के बगैर कारखाने में सैकड़ों मजदूर काम करते हैं, वहीं सस्ते किराए के लालच में लोग जान हथेली पर रखकर अतिथि गृह तक में रुकते हैं। आलम यह है कि बगैर एनओसी के यहां चल रहे अस्पतालों में बड़ी संख्या में लोगों का इलाज होता है। अधिकांश बगैर अग्निशमन प्रबंध के चलने वाले बैंक्वेट हॉल में शादी- समारोह आयोजित हो रहे हैं। जहां सैकड़ों की संख्या में महिलाएं और बच्चे आपतकालीन खतरे की परवाह किए बगैर ठहरते हैं।

अग्निशमन से जुड़े जानकार बताते हैं नोएडा और ग्रेटर नोएडा में सैकड़ों की संख्या में बगैर एनओसी के कारखाने, अतिथि गृह, बैंक्वेट हॉल, अस्पताल, ओयो रूम और गांवों में असंख्य बहुमंजिला इमारतें खड़ी हैं। अलबत्ता बगैर एनओसी के चल रहे इन संस्थानों के बारे में अग्निशमन व पुलिस विभाग को जानकारी है, तब भी वे कैसे चल

- दर्जनों गेस्ट हाउस, अस्पताल, बैंक्वेट हॉल और गांवों की बहुमंजिला इमारतों के पास भी नहीं है एनओसी
- जहां भी लगी आग, उन सभी प्रतिष्ठानों के पास नहीं थी अग्निशमन की वैध एनओसी, फिर भी संचालित था कार्य

रहे हैं, इसका जवाब कोई नहीं दे पा रहा है। जिन भी अस्पताल या इमारतों में आग लगने की घटनाएं हुई हैं, जांच में उनके पास दमकल विभाग की एनओसी नहीं मिली है, या उसकी वैधता की समयसीमा खत्म हो चुकी है। तर्क है कि नियमों को ताक पर बनाई गई इमारतों को दमकल विभाग एनओसी नहीं देता है। जबकि अग्निशमन अधिकारियों के मुताबिक उनके पास कोई ऐसा विशेषज्ञ दस्ता नहीं है, जो ऐसी इमारतों की जांच कर सके। इमारतों को एनओसी देने से पहले उनकी जांच की जाती है, जांच में इंतजाम पूरे मिलने पर ही एनओसी दी जाती है। गौतम बुद्ध नगर के मुख्य अग्निशमन अधिकारी एके सिंह के मुताबिक बगैर एनओसी के प्रतिष्ठान संचालित करने पर कई लोगों को जेल भी भेजा गया है लेकिन ऐसे लोग मान नहीं रहे हैं। अब ज्यादा सख्ती कर बगैर एनओसी के संचालित होने वाले प्रतिष्ठान संचालकों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

एनओसी के खेल में एफएसओ और ठेकेदार हो चुके हैं गिरफ्तार

अग्निशमन प्रबंधों को लेकर दिखावा कर एनओसी हासिल करने के खेल के आरोप शहर में काफी पहले से लगते रहे हैं। आरोप है कि अग्नि सुरक्षा को लेकर बिल्डर, उद्योगपति, व्यापारी मनमानी करते हैं। मानकों के उल्लंघन के बावजूद इन्हें अग्निशमन विभाग से एनओसी मिल रही है। रिश्वत लेकर एनओसी देने और विभाग पर आग बुझाने वाले उपकरण बनाने वाली एजेंसियों व ठेकेदार से साठगांठ करने के भी आरोप लगते रहे हैं। निजी आवेदकों को जबरन उन्हीं एजेंसियों के यहां से उपकरण लगवाने का दबाव बनाया जाता है। इन आरोपों की तक पुष्टि भी हो गई, जब एसएसपी वैभव कृष्ण ने दमकल का काम करने वाले एक निजी ठेकेदार औरर अग्निशमन अधिकारी कुलदीप कुमार की मिली भगत से ऑन लाइन एनओसी देने पर दोनों को गिरफ्तार किया गया था। 13 अन्य निजी दमकल ठेकेदारों पर मामले दर्ज किए गए थे।

ढाई साल पहले फैक्टरी में लगी आग में जिंदा जले थे छह लोग

सेक्टर- 11 स्थित एलईडी बल्ब बनाने की कंपनी एक्सेल ग्रीनटेक में 19 अप्रैल 2017 को शहर का सबसे भयानक अग्निकांड हुआ था। इमारत की चौथी मंजिल पर आग लगने से छह लोग जिंदा जल गए थे। हादसे में कंपनी का एक निदेशक और एचआर प्रभारी की भी मौत हो गई थी। इसके बाद 9 मई 2017 को सेक्टर- 63 स्थित नियो क्राफ्ट इंपेक्स नामक कंपनी में भीषण आग लगने से 45 कर्मचारी फंस गए थे। जिन्हें काफी जद्दोजहद के बाद सकुशल बाहर निकाल लिया गया। हादसे में एक दमकल कर्मी समेत पांच घायल हो गए थे लेकिन कंपनी पूरी तरह से जलकर खाक हो गई थी। तब उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास मंत्री सतीश महाना ने घटना स्थल का दौरा कर उच्च स्तररीय जांच दल से जांच कराकर कार्रवाई करने का दावा किया था। इस मामले पर अभी तक क्या कार्रवाई हुई, यह पता नहीं है।

बहलोलपुर सामूहिक बलात्कार पीड़िता को दस लाख की मदद

जनसत्ता संवाददाता
नोएडा, 8 दिसंबर।

सेक्टर- 63 स्थित बहलोलपुर गांव में 13 नवंबर को हुए सामूहिक बलात्कार पीड़िता को पुलिस ने 10 लाख रुपए की आर्थिक मदद दी है। धनराशि को संस्थाओं से इकट्ठा कर जमा किया गया है। साथ ही पुलिस ने 20 दिनों में ही सामूहिक बलात्कार मामले की चार्जशीट कोर्ट में जमा कर दी है। कोर्ट में मामले की कार्रवाई शुरू हो सकेगी।

एसएसपी वैभव कृष्ण के मुताबिक बहलोलपुर में हुए सामूहिक बलात्कार मामले में पीड़िता की मदद के लिए कई संस्थाओं से मदद के लिए प्रयास किया गया था। जिसमें विक्ट्री वन बिल्डर, साया ग्रुप, क्रेडाई, एनईए, एमएसएमई, सुरभि और मेट्रो अस्पताल के सहयोग से इकट्ठा हुए 10 लाख रुपए की मदद पीड़ित परिवार को दी गई है। ताकि वह पुनर्वास कर सके। 10 लाख रुपए का चेक नोएडा एंटर प्रिन्योर्स एसोसिएशन (एनईए) अध्यक्ष विपिन मल्हन ने एसएसपी वैभव कृष्ण को सौंपा है। बता दें कि 13 नवंबर को सेक्टर- 63 बहलोलपुर पुलिस चौकी के पास एक युवती से छह लोगों ने सामूहिक बलात्कार किया था। गंभीर रूप से घायल पीड़िता का एक सप्ताह तक जिला अस्पताल में इलाज चला था। हालांकि पुलिस ने 24 घंटे के भीतर ही चार आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। इसके करीब एक सप्ताह बाद फरार दोनों 25 हजार रुपए के इनामी आरोपियों को भी गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।

उन्नाव मामला : मृतका की आत्मा की शांति के लिए हवन किया

जनसत्ता संवाददाता
नोएडा, 8 दिसंबर।

उन्नाव बलात्कार पीड़िता बेटी को जिंदा जलाकर मारने पर समाजवादी पार्टी ने रविवार को सेक्टर-31 स्थित हनुमान मंदिर पर हवन कर मृत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना कर श्रृद्धांजलि अर्पित की। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच सपा नेताओं ने हवन में आहुतियां डाली। हवन के बाद दो मिनट का मौन रख, ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और परिवार को इस असहनीय पीड़ा को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की सभी ने प्रार्थना की। निवर्तमान जिला प्रवक्ता राघवेंद्र दुबे ने कहा कि पूरे प्रदेश में कानून व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है।

गाजियाबाद के जिला अधिकारी ने शिविर लगाकर बांटा मुआवजा

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 8 दिसंबर।

गाजियाबाद के जिला अधिकारी अजय शंकर पाण्डेय के नेतृत्व में दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे के चार गांव डासना, रसूलपुर सिकरौडा, कुशलिया और नाहल के किसानों की भूमि जो भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने शिविर लगाकर मुआवजा बांटा गया।

इसके लिए 45 दिनों की सीमा निर्धारित की गई थी, लेकिन यह कार्य 15 दिनों में पूरा कर लिया गया। इस मौके पर जिला अधिकारी ने कहा कि बेघर लोगों के लिए वैकल्पिक आवास की व्यवस्था की गई थी। लाभार्थियों में गंगाराम कुशवाहा की पत्नी रेखा कुशवाहा, आनंदी, रीना सोनकर यादि शामिल हैं। उन्होंने कहा कि अब जो भी दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे के निर्माण में बाधाएं आ रही थी। उन सभी को करीब-करीब दूर कर लिया गया है।

आज के कार्यक्रम

सभा/संगोष्ठी

इंडिया इंटरनेशनल सेंटर : भारतीय पुरातत्व पर चर्चा सेंटर कांफ्रेंस रूम एक, सेंटर परिसर, 40 मैक्सम्यूलर मार्ग, शाम साढ़े छह बजे।

प्रदर्शनी

इंडिया इंटरनेशनल सेंटर : भारत और इंडोनेशिया के संबंध पर प्रर्दशनी , सेंटर एनेक्स आर्ट गैलेक्सी, 40 मैक्सम्यूलर मार्ग, सुबह 11 बजे।

आंबेडकर विवि का दीक्षांत आज, 824 विद्यार्थियों दी जाएगी उपाधि

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 8 दिसंबर।

डॉक्टर भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली (एयूडी) सोमवार को अपना आठवां दीक्षांत समारोह कश्मीरी गेट परिसर में आयोजित करेगा। सुबह दस बजे से आयोजित इस कार्यक्रम में दिल्ली के उपराज्यपाल व विश्वविद्यालय के कुलाधिपति अनिल बैजल समारोह अध्यक्ष होंगे। वहीं, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के चेयरमैन प्रोफेसर डीपी सिंह मुख्य अतिथि सहित दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया उपस्थित होंगे। इस दौरान विश्वविद्यालय के 824 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की जाएगी। इनमें बीए ऑनर्स, एमए, एमबीए, एमफिल, पीजी डिप्लोमा, पीएचडी आदि के विद्यार्थी शामिल हैं। 2007 में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार द्वारा विधानमंडल के अधिनियम के द्वारा डॉक्टर भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली (एयूडी)स्थापित किया गया था।

यूपी बोर्ड : 15 दिसंबर से शुरू होंगी प्रयोगात्मक परीक्षाएं

जनसत्ता संवाददाता
नोएडा, 8 दिसंबर।

यूपी बोर्ड की 15 दिसंबर से प्रयोगात्मक परीक्षा शुरू हो रही हैं। जो 30 दिसंबर तक चलेंगी। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की 10वीं व 12वीं की मुख्य परीक्षा फरवरी में प्रस्तावित हैं। इसको लेकर जिला बेसिक शिक्षा विभाग तैयारी में जुटा है। सीसीटीवी कैमरे को दुरुस्त कराने के लिए सभी स्कूलों के प्रधानाचार्य को दिशा निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ नीरज कुमार पांडे ने बताया कि फिलहाल स्कूलों में प्री बोर्ड चल रही हैं। सचिव की तरफ से जारी सूचना में कहा गया है कि इंटरमीडिएट के प्रयोगात्मक

विषयों में कुल पूर्णांक में 50 फीसद आंतरिक मूल्यांकन से मिलेगा। जबकि 50 फीसद अंक बाहरी परीक्षक देंगे। ऐसे में दिल्ली से आने वाले परीक्षक अथवा स्कूल के परीक्षक प्रयोगात्मक परीक्षा के अंक देने में मनमानी नहीं कर सकेंगे। 12वीं में अनिवार्य विषय खेल एवं शारीरिक शिक्षा की प्रयोगात्मक परीक्षा विद्यालय स्तर पर प्रधानाचार्य पूरी कराएंगे। परीक्षा के बारे में अन्य जानकारी एवं परीक्षकों की नियुक्ति की सूचना बोर्ड के क्षेत्रीय कार्यालयों से जारी की जाएंगी।

केवाइएस ने नागरिकता संशोधन विधेयक के खिलाफ किया प्रदर्शन

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 8 दिसंबर।

क्रांतिकारी युवा संगठन (केवाइएस) के कार्यकर्ताओं ने रविवार को दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के उत्तर परिसर के पास विश्वविद्यालय मेट्रो स्टेशन पर नागरिकता संशोधन विधेयक के खिलाफ प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में नॉर्थ-ईस्ट फोरम फॉर इंटरनेशनल सोलीडेरिटी (नेफिस) के कार्यकर्ताओं ने भी भाग लिया। केवाइसी की ओर से कहा गया कि विधेयक को जनवरी में भी संसद में पेश किया गया था, लेकिन इसको राज्य सभा में पारित कराने में भाजपा सरकार विफल रही थी। अब इस विधेयक को सोमवार फिर से केंद्र सरकार संसद में पेश करने वाली है। यह विधेयक पूर्णतः सांप्रदायिक है, जो केवल पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश के अल्पसंख्यकों को ही भारत की नागरिकता देने का प्रावधान सुनिश्चित करता है। साथ ही, यह विधेयक अन्य पड़ोसी देशों जैसे म्यांमा और श्रीलंका के अल्पसंख्यकों को सीधे तौर पर अपने दायरे से बाहर रखता है।

कार्यकर्ताओं ने कहा कि तीन देशों के उत्पीड़ित अल्पसंख्यकों को नागरिकता देने के पीछे भाजपा की मंशा पूरी तरह से सांप्रदायिक है, क्योंकि म्यांमा और श्रीलंका को इस विधेयक के दायरे से दूर रखा गया है। ध्यान देने की बात है कि इन दोनों देशों में मुसलमान उत्पीड़ित समुदाय हैं। इससे साफ हो जाता है कि यह विधेयक सांप्रदायिक उद्देश्य के साथ

लाया जा रहा है, जो यह भी प्रदर्शित करता है कि केंद्र सरकार के लिए अन्य पड़ोसी देशों के उत्पीड़ित अल्पसंख्यकों का कोई भी महत्त्व नहीं है।

यह विधेयक भारतीय संविधान के धर्म-निरपेक्षता के सिद्धांत के भी विरुद्ध है, जहां पर यह बात सुनिश्चित की गई है कि धर्म के आधार पर किसी समुदाय या व्यक्ति के साथ भेदभाव नहीं किया जा सकता, और इसलिए यह विधेयक गैर-संवैधानिक है। केवाइएस सबसे अपील करता है कि इस विधेयक के खिलाफ एकजुट हों और संसद में ऐसे विधेयक पेश करने से पहले जनता से रायशुमारी कराई जाए।

आइआइएमसी : धरने के समर्थन में आए पूर्व विद्यार्थी

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 8 दिसंबर।

भारतीय जनसंचार संस्थान (आइआइएमसी) के विद्यार्थियों का अधिक शुल्क को लेकर प्रदर्शन छठे दिन भी जारी रहा। इस दौरान संस्थान के पूर्व विद्यार्थी भी प्रदर्शन कर रहे विद्यार्थियों का समर्थन करने आइआइएमसी पहुंचे। विरोध कर रहे विद्यार्थियों का कहना है कि इतने दिनों के विरोध के बावजूद प्रशासन की ओर से हमें कोई ठोस आश्वासन नहीं दिया गया है। हमें मौखिक सांत्वना नहीं चाहिए। आइआइएमसी सूचना और प्रसारण मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त संस्था है। विद्यार्थियों का आरोप है कि सरकारी संस्थान गैर लाभ, गैर हानि के आधार पर चलने चाहिए जबकि आइआइएमसी में शुल्क साल दर साल बढ़ाई जा रही है। विद्यार्थियों का आरोप है कि तीन सालों में शुल्क में करीब 50 फीसद तक बढ़ोतरी हो चुकी है।

राकेश तिवारी की कहानी में दुर्लभ सृजनात्मकता : विश्वनाथ त्रिपाठी

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 8 दिसंबर।

राजधानी के गांधी शांति प्रतिष्ठान में बीसवां रमाकांत स्मृति कहानी पुरस्कार कथाकार राकेश तिवारी को उनकी कहानी 'मंगत की खोपड़ी में स्वप्न का विकास' के लिए प्रदान किया गया। उन्हें यह पुरस्कार वरिष्ठ आलोचक विश्वनाथ त्रिपाठी, वरिष्ठ कवि विष्णु चंद्र शर्मा और वरिष्ठ कथाकार पंकज बिष्ट ने प्रदान किया। पुरस्कृत राकेश तिवारी ने कहा कि पत्रकार के रूप में अर्जित अनुभव संपदा ने मेरी बहुत मदद की है। कहानी हमेशा लेखक के धैर्य की परीक्षा लेती है। कहानी कला के तत्वों को ध्यान में रखते हुए मैं कहानी नहीं लिख सकता। कहानी का बदलना अनिवार्य है। प्रारंभ में रमाकांत के पुत्र चंद्रशेखर श्रीवास्तव तथा विष्णु चंद्र शर्मा ने रमाकांत की स्मृतियों का साझा करते हुए उनके रचनाकर्म पर बात की। निर्णायक और वरिष्ठ कथाकार महेश कटारे का कहना है कि यह कहानी अपने युग के मर्म को बेधने के साथ समय की मनोगत और वस्तुगत सीमाओं का अतिक्रमण करने में समर्थ है। विश्वनाथ त्रिपाठी ने कहा कि इस कहानी में दुर्लभ सृजनत्मकता है। अजीब किस्म की फतांसी भी इसमें है।

फिल्मकार राजीव कटियार ने राकेश तिवारी के साथ अपने विद्यार्थी जीवन के नाट्याभिनय की स्मृतियों को साझा किया तो आलोचक ज्योतिष जोशी ने कहा कि राकेश जितनी सहजता से कहानी में जीवन को विन्यस्त करते हैं, वह अद्भुत है। इस कहानी में लगता है मंगत नहीं, हम ही हैं। पंकज बिष्ट ने अंत में कहा कि मैं बीस साल पहले पहले रमाकांत स्मृति पुरस्कार में भी था जब नीलिमा सिन्हा की कहानी को पुरस्कृत किया गया था। रमाकांत और राकेश तिवारी के साथ उन्होंने अपने संबंधों को साझा करते हुए कहा कि राकेश की पुरस्कृत कहानी में राजनीतिक व्यंग्य भी है। समारोह में राजधानी और अन्य शहरों से आए लगभग 100 लेखकों और साहित्य रसिकों ने शिरकत की।

मियां मिट्ठू

दिल्ली विधानसभा का चुनाव जनवरी आखिर में होने की संभावना है। अभी तक भाजपा न तो मुख्यमंत्री का उम्मीदवार घोषित कर पाई और न ही आप के फ्री के जबाब में केन्द्र सरकार से अनधिकृत कॉलोनियों को नियमित करने के अलावा कोई बड़ी घोषणा ही करा पाई। अनधिकृत कालोनियां नियमित करने का मुद्दा ऐसा नहीं है जिससे आप के फ्री का जबाब दिया जा सके। इसमें सबसे बड़ा पेंच है कि नियमित होने वाली कॉलोनियों में उनका नाम नहीं है जो सरकारी जगह पर हैं या जिनका कुछ हिस्सा सरकारी जगह पर बना है। कॉलोनियों में उन्हीं मकानों को नियमित किया जाएगा जिसे डीडीए के अधिकारी जांच करके ठीक पाएं। उनसे भी एक रकम लेकर ही उसे नियमित किया जाएगा। इसका दूरगामी लाभ तो होगा लेकिन बिजली फ्री, पानी फ्री की तरह की घोषणा इसे नहीं माना जा सकता है।य ाह अलग बात है कि केन्द्र सरकार का इस घोषणा के बाद भाजपा ने एक सर्वे करवाया जिसमें उसे 70 में से 47 सीटें मिलने का अनुमान बताया गया है। कहने वाले इसे अपने मियां मिट्ठू कहेंगे।

पर उपदेश

दिल्ली में इन दिनों प्रदूषण को लेकर हर महकमे में चर्चा है। कहीं प्रदूषण को कम करने की कोशिश नजर नहीं आती। इसकी एक बानगी बेदिल को भी देखने को मिली। इसमें प्रदूषण में घर से बाहर निकलने की मनाही करते एक अधिकारी ने परामर्श जारी किया। लोगों से सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करने व निजी वाहनों का उपयोग कम से कम या न करने का सुझाव दिया। लोगों को पार्क में व्यायाम करने व दौड़ लगाने से बचने की सलाह भी दी। पर खुद उस पर अमल करने की बजाय कार निकाली उससे जाकर जिम में जाकर व्यायाम किया।

पोहा पराठा

दिल्ली में बैठकों का दौर शुरू हो गया है। हर तरफ चर्चा है कि किसका टिकट कटेगा और किसको मिलेगा। इस घमासान के बीच भाजपा की कोर कमेटी की कई दौर की बैठक हो चुकी है। इस बैठक में शुरुआत से ही परिचय और चिंतन का दौर चल रहा है। हालांकि इन बैठकों की चर्चाओं को लेकर पार्टी के बड़े नेताओं से बात की गई तो उनका कहना था कि चुनाव की बैठकें कहा हम तो पोहा, पराठा और गजक की बैठकें कर रहे हैं। ये बैठकें इन दिनों पार्टी चुनाव प्रभारी के साथ चल रही है।

बड़ी चुनौती

सड़सठ सीटों का बड़ा बहुमत पाने के बाद अब पार्टी के लिए असली परीक्षा का घड़ी शुरू हो गई है। दरअसल, दिल्ली में आम आदमी पार्टी सरकार मुफ्त की योजनाओं को आधार बना रही है। पांच साल सत्ता में रहने के दौरान जहां आम आदमी पार्टी ने दिल्ली वालों से बड़ा समर्थन बांटने का दावा किया है। वहीं दूसरी तरफ हर विधानसभा क्षेत्र में पार्टी के पास हर विधानसभा क्षेत्र में चल रही पोस्टरबाजी में नए चेहरे नजर आ रहे हैं। ये चेहरे आने वाले दिनों में वर्तमान विधायकों के लिए एक बड़ी चुनौती बन सकते हैं। पार्टी पहले ही दावा कर चुकी है कि जीत ही टिकट का आधार बनेगा।

पुलिसिया रवैया

शांति सेवा और न्याय की बात करने वाली पुलिस की कार्यप्रणाली पर समय-समय पर सवाल खड़े होते ही रहते हैं। कई बार देखा गया है कि जब कोई पीड़ित शिकायत लेकर पुलिस के पास पहुंचता है तो पुलिसकर्मी मामला दर्ज करने की बजाय टालने में कहीं अधिक दिलचस्पी लेते हैं। पीड़ित को अकसर सीमा विवाद में उलझा दिया जाता है। पीड़ित एक थाने से दूसरे थाने का चक्कर काटते रहता है। कई बार उसे दस्तावेज का अभाव बता दिया जाता है, ताकि पुलिस को मामला दर्ज करना नहीं पड़े। कई बार पुलिस की लापरवाही की वजह से परिणाम धातक सिद्ध होते हैं। दिल्ली के कई जिलों के हालात ऐसे हैं कि थाना स्तर के अधिकारी जिला पुलिस के आला अधिकारियों को घटना या फिर वारदात से जुड़ी जानकारी समय पर मुहैया नहीं कराते। इसका परिणाम है कि कई बार ये अधिकारी कहते नजर आते हैं कि मामला उनके संज्ञान में नहीं है। वह जानकारी लेकर इस बारे में कुछ पता या कह पाएंगे।

नेक नसीहत

बीस साल से दिल्ली की राजनीति से दूर नेताओं की चिंता इतना लंबा समय बीत जाने के बाद पार्टी के अंदरूनी घमासान की है। इसलिए टिकट के लिए बार-बार सामने एक दूसरे की शिकायत लेकर आ रहे नेताओं को पार्टी का शीर्ष नेतृत्व तीन माह के लिए खींचतान की जंग भुला देने की नसीहत दे रहा है ताकि किसी तरह से लोकसभा चुनाव के मतदान आंकड़े को संजोकर रखा जा सके। इसके साथ ही पार्टी बहुमत के आंकड़े तक पहुंच सकती है।

कठिन राह

सरकारी धन के बूते अनेक सेवाओं को फ्री करके दोबारा दिल्ली की सत्ता पाने की जुगत में लगी आम आदमी पार्टी (आप) की सारी योजना उसके वोट बैंक बन रहे मतदाताओं में कांग्रेस को सेंध लगाने से रोकना है। इसके लिए वह पिछले कुछ चुनावों की तरह इस बार भी कांग्रेस को नजरअंदाज कर-के अपनी लड़ाई सीधे भाजपा से बताने की तैयारी में हैं। माना जा रहा है कि दिल्ली में भाजपा के समर्थकों की संख्या तय है। लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री के नाम पर चुनाव में करीब 15 से 20 फीसद लोग भाजपा से अतिरिक्त जुड़े। कायदे में गैर भाजपा मतों के बूते ही कांग्रेस दिल्ली में लंबे समय तक चुनाव जीतती रही है। उसमें 'आप' ने सेंध लगाई। कांग्रेस के नेताओं में जब भी थोड़ी एक जुटता दिखती है तो उसका चुनाव पर असर होता है। अब सुभाष चोपड़ा, कीर्ति आजाद के साथ कांग्रेस के ज्यादातर प्रमुख नेताओं की सक्रियता आप के लिए चुनौती बनता जा रहा है। लोकसभा चुनाव की तरह अगर कांग्रेस मुकाबले में भी दिखे तो अल्पसंख्यक वोटरों का उसे साथ मिल जाएगा, फिर तो 'आप' के लिए दोबारा सत्ता पाने की राह कठिन हो जाएगी।

-बेदिल

www.readwhere.com

सरकार आइपीसी और सीआरपीसी में बदलावों के लिए कटिबद्ध : शाह

नई दिल्ली/पुणे, 8 दिसंबर (भाषा)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बलात्कार जैसे घृणतम अपराधों के संदर्भ में आपराधिक न्याय प्रणाली में देरी पर बहस के बीच आइपीसी और सीआरपीसी को देश के और अनुकूल बनाने के लिए उन्हें संशोधित करने के अपने सरकार के दृढ़ निश्चय पर बल दिया है। शाह का बयान ऐसे समय में आया है जब गृह मंत्रालय ने सभी राज्यों से भारतीय दंड संहिता (आइपीसी) और अपराधी दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) में आमूल-चूल बदलाव के लिए सुझाव मांगा है ताकि यह आधुनिक लोकतंत्र की आकांक्षाओं को परिलक्षित करे और त्वरित इंसाफ प्रदान करे।

एक सरकारी बयान के अनुसार पुणे में पुलिस महानिदेशकों और महानिरीक्षकों के 54वें सम्मेलन में गृह मंत्री ने भादंसं और सीआरपीसी को आज की लोकतांत्रिक व्यवस्था के और अनुकूल बनाने के लिए उनमें बदलाव लाने के अपनी सरकार के निश्चय को प्रमुखता से सामने रखा। 2012 के निर्भया सामूहिक बलात्कार एवं हत्याकांड समेत घृणतम अपराधों में अपराधियों

शाह का बयान ऐसे समय में आया है जब गृह मंत्रालय ने सभी राज्यों से आइपीसी और सीआरपीसी में आमूल-चूल बदलाव के लिए सुझाव मांगा है।

को दंड मिलने में देरी को लेकर हाल ही में अलग-अलग मंचों पर जबर्दस्त बहस चल रही है। हालांकि रविवार को जोधपुर में एक कार्यक्रम में प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति एसए बोबड़े ने कहा कि इंसाफ कभी भी तत्क्षण नहीं हो सकता और 'यदि यह बदला लेने का रूप ले लेगा तो अपना मूल स्वभाव गंवा बैठेगा।'

पिछले हफ्ते केंद्रीय गृह राज्यमंत्री जी किशन रेड्डी ने कहा था कि भादंसं और सीआरपीसी को बलात्कार और हत्या जैसे अपराधों की जल्द सुनवाई के लिए संशोधित किया जाएगा।

पुलिस महानिदेशकों/महानिरीक्षकों के सम्मेलन में गृह मंत्री ने अखिल भारतीय पुलिस महाविश्वविद्यालय और अखिल भारतीय अपराध विज्ञान विश्वविद्यालय और राज्यों में उनसे मान्यताप्राप्त कॉलेज खोलने की केंद्र सरकार की योजना की घोषणा की।

गृहमंत्री ने इस वार्षिक सम्मेलन को वैचारिक कुंभ करार दिया, जहां देश के शीर्ष पुलिस अधिकारी एक मंच पर आते हैं और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर नीतिगत फैसला करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला और देश के शीर्ष पुलिस अधिकारियों ने इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

किश्तवाड़ के लोगों को मिलेगा पांच लाख गैलन अतिरिक्त पानी

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 8 दिसंबर।

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ और इसके आस-पास के क्षेत्र के लोगों को इस महीने के अंत में नायगढ़ जल आपूर्ति योजना के उद्घाटन के बाद अतिरिक्त पांच लाख गैलन पेयजल मिलेगा। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

इस परियोजना का लक्ष्य किश्तवाड़ शहर और इसके आस-पास के इलाकों में पानी की भारी समस्या दूर करना है और इसे 2013 में 53 करोड़ रुपए की लागत से शुरू किया गया था। पिछले छह साल में कई बार इस परियोजना को पूरा करने की समय-सीमा पार हुई, लेकिन यह बनकर तैयार नहीं हुआ।

जिला विकास आयुक्त (किश्तवाड़) अंग्रेज सिंह राणा ने बताया कि यह जल आपूर्ति परियोजना एक ड्रीम परियोजना है और इससे लोगों को काफी उम्मीदें हैं।

उन्होंने बताया कि कुल 32 किलोमीटर पाइपलाइन बिछाया गया है। औपचारिक तौर पर इस योजना का उद्घाटन 19 दिसंबर को होगा। राणा ने बताया कि किश्तवाड़ और इसके आसपास के क्षेत्रों में रोजाना 10 लाख गैलन पानी की आपूर्ति होती है, जबकि मांग 20 लाख गैलन प्रतिदिन की है। इस योजना के शुरू होने के बाद 15 लाख गैलन पानी रोजाना मिलेगा, जिससे 25 लाख गैलन उपलब्धता रोजाना हो सकेगी।

कर्नाटक उपचुनाव की मतगणना आज

बंगलुरु, 8 दिसंबर (भाषा)।

कर्नाटक में 15 विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव के लिए मतगणना सोमवार को होगी और इससे चार महीने पुरानी राज्य की भाजपा सरकार का भविष्य तय होगा। चुनाव अधिकारियों ने बताया कि इन सीटों पर पांच दिसंबर को चुनाव हुआ था जिसमें 67.91 फीसद मतदान हुआ था।

ये उपचुनाव 17 विधायकों को अयोग्य करार देने से रिक्त सीटों को भरने के लिए कराए गए थे। इन विधायकों में कांग्रेस और जद (सेकु) के बागी नेता शामिल थे। इन विधायकों की बगावत के कारण जुलाई में एचडी कुमारस्वामी नीत कांग्रेस-जद(एस) सरकार गिर गई थी और बीएस येदियुरप्पा के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के सत्ता में आने का मार्ग प्रशस्त हुआ था।

लता मंगेशकर अस्पताल से घर लौटीं

मुंबई, 8 दिसंबर (भाषा)।

सुर साम्राज्ञी लता मंगेशकर चार हफ्ते तक अस्पताल में निमोनिया का इलाज कराने के बाद रविवार को घर लौट आईं। 90 वर्षीय गायिका को सांस लेने में परेशानी होने के बाद 11 नवंबर को ब्रीज कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

उन्होंने ट्विटर के जरिये अपनी सेहत की जानकारी दी और स्वस्थ होने की प्रार्थना एवं शुभेच्छा करने वाले प्रशंसकों को धन्यवाद दिया।

लता मंगेशकर ने ट्वीट किया, 'पिछले 28 दिनों से मैं ब्रीच कैंडी अस्पताल में थी। मेरा निमोनिया का इलाज किया गया। डॉक्टरों ने अस्पताल में रहने और पूरी तरह से ठीक होने के बाद ही घर जाने की सलाह दी। आज मैं माई और बाबा के आशीर्वाद से घर लौट आई हूं। मैं अपने सभी शुभचिंतकों की शुक्रगुजार हूं। आपकी प्रार्थना और शुभेच्छा ने काम किया और मैं विनम्रता से आप सभी को नमन करती हूं।' लता ने इलाज करने वाले डॉक्टरों का भी आभार व्यक्त किया। उन्होंने ट्वीट किया, 'ब्रीच कैंडी में डॉक्टर मेरे दैवीय अभिभावक रहे और मैं अंतर्मन से उन सभी का आभार व्यक्त करती हूं। नर्सिंग स्टॉफ असाधारण है। आपका अपार प्रेम और आशीर्वाद बहुमूल्य हैं।'

ADVERTISEMENT UNDER REGULATION 18(12) IN TERMS OF SEBI (SUBSTANTIAL ACQUISITION OF SHARES AND TAKEOVERS) REGULATIONS, 2011, AS AMENDED.

FRONTIER INFORMATICS LIMITED

(NOW KNOWN AS XTGLOBAL INFOTECH LIMITED)

Corporate Identification Number: L72200TG1986PLC006644
Registered Office: Plot Nos. 31 (part) & 32, 3rd Floor, Tower-A, Ramky Selenium Financial District Nanakramguda, Hyderabad – 500 032, Telangana, India; **Tel:** + 91 40 2300 7456; **Email:** frontier@fitlindia.com; **Website:** www.fitlindia.com;

This Post Offer Advertisement (**"Post Offer Advertisement"**) is being issued by Saffron Capital Advisors Private Limited (**"Manager to the Offer"**), on behalf of Ramarao Atchuta Mullapudi (**"Acquirer"**) along with Harika Vardhani Mullapudi (**"Person acting in concert / PAC"**) in connection with the offer made by the Acquirer along with PAC, in compliance with Regulation 18(12) of the Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulations, 2011 and subsequent amendments thereto (**"SEBI (SAST) Regulations"**). The Detailed Public Statement with respect to the aforementioned offer was published on September 13, 2019 in Financial Express (English Daily), Jansatta (Hindi Daily), Mumbai Lakshdeep (Marathi Daily) and Surya (Telugu Regional Daily, where the Registered Office of the Target Company is situated). Subsequently, corrigendum to DPS was published on Friday, November 08, 2019 (**"Corrigendum"**) in the same newspapers in which the DPS was published.

1. Name of the Target Company : Frontier Informatics Limited*
2. Name of the Acquirer : Ramarao Atchuta Mullapudi
3. Name of the PAC : Harika Vardhani Mullapudi
4. Name of the Manager to the Offer : Saffron Capital Advisors Private Limited
5. Name of the Registrar to the Offer : Karvy Fintech Private Limited
6. **Offer Details:**
   a. Date of Opening of the Offer : Thursday, November 14, 2019
   b. Date of Closure of the Offer : Wednesday, November 27, 2019
7. Date of Payment of Consideration : Thursday, December 05, 2019
8. Details of Acquisition

Sr. No.	Particulars	Proposed in the Offer Document		Actuals	
8.1	Offer Price (₹)	3.50 per share		3.50 per share	
8.2	Aggregate number of shares tendered	2,46,88,352 (1)		600	
8.3	Aggregate number of shares accepted	2,46,88,352 (1)		600	
8.4	Size of the Offer (₹) (Number of shares multiplied by offer price per share)	8,64,09,232 (1)		2,100	
8.5	Shareholding of the Acquirer and PAC before Agreements / Public Announcement				
	Number	Acquirer: 2,55,00,125 PAC: Nil		Acquirer: 2,55,00,125 PAC: Nil	
	Percentage (%)	Acquirer: 50.04% (2) PAC: Nil		Acquirer: 50.04% (2) PAC: Nil	
8.6	Shares proposed to be acquired by way of Preferential Allotment ("Preferential Allotment")				
	Number	Acquirer: 3,40,93,694 (3) PAC: 29,24,942 (3)		Acquirer: 3,40,90,545 (4) PAC: 29,24,671 (4)	
	Percentage (%)	Acquirer: 35.91% (3) PAC: 3.08% (3)		Acquirer: 35.90% (4) PAC: 3.08% (4)	
8.7	Shares Acquired by way of Open Offer by the Acquirer • Number • % of Fully Diluted Equity Share Capital	2,46,88,352 26%		600 Negligible	
8.8	Shares acquired after Detailed Public Statement • Number of shares acquired • Price of the shares acquired • % of the shares acquired	Nil Nil Nil		Nil Nil Nil	
8.9	Post offer shareholding				
	Number	Acquirer: 8,42,82,171 PAC: 29,24,942		Acquirer: 5,95,91,270 PAC: 29,24,671	
	% of Fully Diluted Equity Share Capital	Acquirer: 88.76% (1)(4) PAC: 3.08%		Acquirer: 62.76% (4) PAC: 3.08% (4)	
8.10	Pre & Post offer shareholding of the Public	Pre-Offer	Post-Offer	Pre-Offer	Post-Offer
	Number	2,46,93,798	64,88,872	2,46,93,798	3,11,76,021
	% of Fully Diluted Equity Share Capital	48.46%	6.83%	48.46%	32.83%

Notes:

**In continuation of the details mentioned in para VI.1 of the Letter of Offer, the name of the Target Company has been changed from "Frontier Informatics Limited" to "XTGlobal Infotech Limited" vide a fresh certificate of incorporation dated December 02, 2019, received from the Registrar of Companies, Hyderabad.*

(1) Assuming full acceptance under the Open Offer

(2) The percentages are calculated on the basis of the total voting equity share capital of the Target Company prior to the date of the Public Announcement and Preferential Allotment, as reflected in the shareholding pattern disclosure of the Target Company for the quarter ended on June 30, 2019, which are also available at www.bseindia.com.

(3) Based on the fully expanded / post preferential Voting Share Capital. The Board of Directors in their meeting held on September 05, 2019 resolved to allot upto 4,40,00,000 Equity Shares on a preferential basis to the Acquirer, PAC and other shareholders of Xenosoft Technologies (India) Private Limited. The same has been approved by the shareholders in the Annual General Meeting of the Company held on September 30, 2019 in terms of Section 62 and other applicable provisions of the Companies Act, 2013 and in terms of SEBI (ICDR) Regulations, 2018. Of the same, the Acquirer and PAC were to be 3,40,93,694 and 29,24,942 Equity Shares respectively.

(4) Based on the fully expanded / post preferential Voting Share Capital. The Board of Directors in their meeting held on November 18, 2019 approved allotment of 4,39,95,930 Equity Shares on a preferential basis to the Acquirer, PAC and other shareholders of Xenosoft Technologies (India) Private Limited in terms of Section 62 and other applicable provisions of the Companies Act, 2013 and in terms of SEBI (ICDR) Regulations, 2018. Of the same, the Acquirer and PAC were allotted 3,40,90,545 and 29,24,671 Equity Shares respectively.

9. The Acquirer and PAC severally and jointly accepts full responsibility for the information contained in this Post Offer Advertisement and also for the obligations under SEBI (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers), 2011.

10. A copy of this Post Offer Advertisement will be available on the websites of SEBI, BSE Limited and the registered office of the Target Company.

All undefined capitalized terms used herein shall have the same meaning as ascribed to such terms in the Letter of Offer.

MANAGER TO THE OFFER

SAFFRON
energising ideas

Saffron Capital Advisors Private Limited
Corporate Identification Number: U67120MH2007PTC166711
605, Sixth Floor, Centre Point, J .B. Nagar, Andheri (East), Mumbai - 400 059, India Tel. No: +91 22 4082 0906,; Fax No: +91 22 4082 0999
Email id: openoffers@saffronadvisor.com; **Website:** www.saffronadvisor.com
Investor grievance: investorgrievance@saffronadvisor.com; **SEBI Registration Number:** INM000011211; **Contact Person:** Varsha Gandhi

Place: Hyderabad **Date:** December 07, 2019

COURT NOTICE

In the court of Sh. Ramesh kumar JMIC Ludhiana
Next date, purpose of case, orders and judgments as well as other Case information is available on http://ecourt.gov.in
CNR NO. PBLD03-057606-2018
NEXT DATE : 08-01-2020
M/S WORLDWIDE TEXTILS PVT LTD
V/S
M/S LAXMI TEXTILE AGENCY
Publication Issued To : Komal Sobti Prop. Of M/s Laxmi Textile Agency Address- 1054/115, St No 15 Naiwala Karol Bagh Central Delhi
Whereas it has proved to the satisfaction of this court that you, the above named accused/ accused person can't be served in the ordinary way of service. Hence this proclamation under 82 code of criminal procedure is hereby issued against you with a direction that you should appear **personally before this court on** 08-01-2020 at 10.00 a.m. Or within 30 days from the date of publication of this proclamation . Take notice that, in case of default on your part to appear as directed above said case will be heard and determined as per law, in your absence. For details logon to https://highcourtchd.gov.in/?trs=district_notice&district=Ludhiana
Dated, this day of 18/11/2019 **JMIC LUDHIANA**

COURT NOTICE

In the court of sh. Ramesh kumar JMIC ludhiana
Next date, purpose of case , orders and judgments as well as other Case information is available on http://ecourt.gov.in
CNR NO: PBLD03-057612-2018
NEXT DATE: 08-01-2020
M/s Worldwide Textils Pvt Ltd
V/s
M/s Shri Siddhi Vinayak Sales Corporation Publication Issued To : Amit Arora R/o A Block Near Mandir And Park Janakpuri New Delhi Prop. Of M/s Shri Siddhi Vinayak Sales Corporation St No 2,4 Main Road Jain Temple Gandhi Nagar Bagalore Karnataka
Whereas it has proved to the satisfaction of this court that you, the above named accused/ accused person can't be served in the ordinary way of service. Hence this proclamation under 82 of code of criminal procedure is hereby issued against you with a direction that you should appear personally before this court on 08-01-2020 at 10.00 a.m. Or within 30 days from the date of publication of this proclamation . Take notice that, in case of default on your part to appear as directed above said case will be heard and determined as per law, in your absence. For details logon to https://highcourtchd.gov.in/?trs=district_notice&district=ludhiana
dated this day of 18/11/2019 **JMIC LUDHIANA**

Court Notice

In the court Sh. Sh. Devnoor singh JMIC Ludhiana
CNR NO. PBLD03-062961-2018
PESHI: 10-01-2020
Publication notice for proclamation under section 82 CR.PC
M/S B.G. TEX HOSIERY
V/S
M/S LUCKY TRADERS
Complaint R/ w sec- 138 of N .I. ACT
Notice To:1. M/s Lucky Readymade Garments , Hno Ep-620, Lower Mast Garh, Jammu-180001, J&k Through Its Prop. 2. Lucky Sharma @ Lucky, Prop. M/s Lucky Readymade Garments, Hno Ep-620, Lower Mast Garh, Jammu-180001, J&k
Whereas it has been proved to the satisfaction of the court that you, the accused above named cannot be served in the ordinary way of service . Hence, this proclamation under section 82 CRPC is hereby issued against you with a direction that you should appear personally before the court on 10-01-2020 at 10.00 a.m. Or within 30 days from the date of publication of this proclamation.
Take notice that, in default of your part to appear as directed above, the above said case will be heard and determined as per law, in your absence.
Given under my hand and the seal of the court, this 19-11-2019. For details login to https://highcourtchd.gov.in/?trs=district_notice&district=ludhiana **JMIC LUDHIANA**

COURT NOTICE

In The Court Of Sh. Devnoor Singh JMIc ludhinana
CNR NO. PBLD03-070159-2018
PESHI : 17-01-2020
Publication notice for proclamation under section 82 CR.PC
M/S HYDRO - PENU ENGINEERS
V/S
M/S GOVIND RUBBER
Notice To: 1. M/s Govind Rubbel Ltd Having It Reg Office At 418, Creative Industrial Estate, Sita Ram Mill Compound, 72- N, Joshi Marg, Lowe Parel Mumbai 4000011 India, Through Its Director Vinod Mahavir Parsad Poddar 2 . Vinod Mahavir Parsad Poddar, Director M/s Govind Rubber Ltd, R/o 20 Mount Unique , 62 Ag, Deshmukh Road, Mumbai 3. Jitendra Dukharan Yadav, Director M/s Govind Rubber Ltd, R/o 105, Samta Nagar Gagan Giri Avenue, Off Raymonds Thane 4. Sourav Tapaswi, Director M/s Govind Rubber Ltd R/o 732/2 Cr Road, Natagarh, Panihati,, Natagar, North Parganas, West Bengal 5. Mayuri Yogesh Kapadia, Director M/s Govind Rubber Ltd R/o A-601, Shilp, P.b. Marg, Near Deepak Talkies, Delisle Road, Lower Parel, Mumbai
Whereas it has been proved to the satisfaction of the court that you, the accused above named cannot be served in the ordinary way of service. Hence, this proclamation under section 82 CRPC is hereby issued against you with a direction that you should appear personally before the court on **17-01-2020** at 10.00 a.m. Or within 30 days from the date of publication of this proclamation Take notice that, in default of your part to appear as directed above, the above said case will br heard and determined as per law, in your absence. Given under my hand and the seal of the court, this 06-12-2019. Foe details login to https://highcourtchd.gov.in/?trs=district_notice&district=ludhiana **JMIC LUDHIANA**

कार्यालय
आयकर आयुक्त (न्यायिक)
कमरा सं. 162-ए, के.रा. भवन, नई दिल्ली

दूरभाष/ फैक्सः 23379308, ईमेलः delhi.cit.judicial@incometax.gov.in

फा. सं.- आ.आ. (न्या.)/एन.सी.एल.टी. मामला/2019-20/1287 दिनांकः-27/08/2019

एन.सी.एल.टी. विषयों के मामलों की सुनवाई से संबंधित नोटिस

एन.सी.एल.टी. विषयों/मामलों के संबंध में आवश्यक अनुपालन के लिए निम्नलिखित कंपनियों और उनके निदेशकों को एतद्द्वारा नोटिस दिया जाता है, जो माननीय राष्ट्रीय कंपनी विधि अधिकरण (National Company Law Tribunal), सी.जी.ओ. कॉम्पलेक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली के समक्ष नीचे दी गई तालिका के कॉलम सं. 4 में उल्लिखित तारीखों में सुनवाई के लिए नियत हैः-

क्रम सं.	मामला सं. एवं मामला शीर्षक	ज्ञात निदेशकों का नाम	सुनवाई की अगली तारीख
1	अपील सं. 631/252/एन.डी./2019 आयकर अधिकारी, वार्ड 7(1) बनाम आर.ओ.सी. एंड डेडिकेटेड सिक्योरिटी सिस्टम प्रा.लि. (पैनः AACCD2082L)	1. हुकुम सिंह (पैनः DDDPD6061D) 2. जितेन्द्र (पैनः AOLPK6780N) 3. सतपाल सिंह (पैनः ANNPS4918Q)	18.12.2019
2	अपील सं. 389/252/एन.डी./2019 आयकर अधिकारी, वार्ड-22 (3) बनाम आर.ओ.सी. एंड सनिराग मैनेजमेंट सर्विसेज प्रा.लि. (पैनः AAPCS0653P)	1. मुकेश चंद्रा बौठियाल डी.आई.एन.: 03188862 2. प्रेम शंकर डी.आई.एन.: 03209131	19.12.2019
3	अपील सं. 393/252/एन.डी./2019 आयकर अधिकारी वार्ड 22(3) बनाम आर.ओ.सी. एंड सारह एविएशन प्रा.लि. (पैनः AAMCS0490B)	1. अखिलेश्वर प्रसाद डी.आई.एन.: 00974000 2. शुबीरा प्रसाद डी.आई.एन.: 02084137	19.12.2019
4	अपील सं. 854/252/एन.डी./2019 आयकर अधिकारी वार्ड-15(2) बनाम आर.ओ.सी. एंड लेश्योर विंग्स इंडिया प्रा.लि. (पैनः AABCL9200B)	1. रविन्दर सिंह रंधावा डी.आई.एन.: 03261066 2. संजीव गुप्ता डी.आई.एन.: 03297977 3. राज रतन जैन डी.आई.एन.: 03324970	02.01.2019
5.	अपील सं. 633/252/एन.डी./2019 आयकर अधिकारी वार्ड-26(4) बनाम आर.ओ.सी. एंड विसुअल लर्निंग प्रा.लि. (पैनः AADCV0989M)	1. प्रवीन कुमार डीआईएनः 02653954 2. पूजा महाजन डीआईएनः 2698220	08.01.2020
6.	अपील सं. 643/252/एन.डी./2019 आयकर अधिकारी वार्ड-8(1) बनाम आर.ओ.सी. एंड इकोयर्म इंजीनियर्स प्रा.लि. (पैनः AACE0050B)	1. मधुकर शर्मा डीआईएनः 00041842 2. कल्पना शर्मा डीआईएनः 00941906	14.01.2020
7.	अपील सं. 662/252/एन.डी./2019 आयकर अधिकारी वार्ड-23(2) बनाम आर.ओ.सी. एंड शिव शक्ति इन्फ्रा सोल्यूशन्स प्रा.लि. (पैनः AAQCS0227C)	1. आदित्य प्रताप सिंह डीआईएनः 03560119 2. राम कुमार सिंह डीआईएनः 03560121	21.01.2020
8.	अपील सं. 614/252/एन.डी./2019 आयकर अधिकारी वार्ड-7(1) बनाम आर.ओ.सी. एंड डिजायर ग्रीनहोम्स लि. (पैनः AADCD4103D)	1. अरविन्द कुमार जायसवाल डीआईएनः 02772954 2. रंजन कुमार डीआईएनः 02773094 3. छाया जायसवाल डीआईएनः 02918075 4. रवि शंकर त्रिपाठी डीआईएनः 02921068	21.01.2020
9.	अपील सं. 617/252/एन.डी./2019 आयकर अधिकारी वार्ड-11(2) बनाम आर.ओ.सी. एंड हॉफ लाइफ ई-अकादमी प्रा.लि. (पैनः AACCH5611B)	1. नीलम महेश डीआईएनः 02722491 2. राजीव कुमार पाठक डीआईएनः 03323617	21.01.2020
10.	अपील सं. 542/252/एन.डी./2019 आयकर अधिकारी वार्ड-16(3) आर.ओ.सी. एंड मेपल रिसोर्सेज लि. (पैनः AAFCM6155Q)	1. विनोद कुमार डीआईएनः 03276157 2. शक्ति नाग डीआईएनः 03278689 3. अनिल कुमार सेठी डीआईएनः 03368975	21.01.2020
11.	अपील सं. 664/252/एन.डी./2019 आयकर अधिकारी वार्ड-27(1) बनाम आर.ओ.सी. एंड इन द मैटर ऑफ उम्बर इन्फ्राटेक प्रा.लि. (पैनः AABCU2344R)	1. अजय त्यागी डीआईएनः 06382820 2. कंवलजीत सिंह डीआईएनः 06386265	21.01.2020
12.	अपील सं. 687/252/एन.डी./2019 आयकर अधिकारी वार्ड-25(4) बनाम आर.ओ.सी. एंड टी.एस.एम. कन्सट्रक्शन प्रा.लि. (पैनः AACCT5267B)	1. टॉनी मलिक डीआईएनः 00052366 2. सोनिया मलिक डीआईएनः 00173808	28.01.2020
13.	अपील सं. 572/ 252/ एन.डी./ 2019 आयकर अधिकारी, वार्ड-23 (1) बनाम आर.ओ.सी. एंड शमा इंडिया कन्स्ट्रक्शन प्रा.लि. (पैनः AANCS2444Q)	1. एम.डी. मोजीबर रहमान डीआईएनः 02217520 2. शमा परवीन डीआईएनः 02627272	12.02.2020
14.	अपील सं. 570/ 252/ एन.डी./ 2019 आयकर अधिकारी, वार्ड-23 (3) बनाम आर.ओ.सी. एंड सेफियर बिल्डवेल प्रा.लि. (पैनः AALCS1721L)	1. अमित गोयल डीआईएनः 00087877 2. पुनीत गोयल डीआईएनः 00087911 3. मनोज कुमार डीआईएनः 01333995 4. राजीव शर्मा डीआईएनः 02143246 5. विनोद कुमार कथुरिया डीआईएनः 05234933	12.02.2020
15.	अपील सं. 842/ 252/ एन.डी./ 2019 आयकर अधिकारी, वार्ड-26 (4) बनाम आर.ओ.सी. एंड विस्कॉन इन्फ्रा कॉन्ट्रेक्ट्स प्रा.लि. (पैनः AACCR7150B)	1. विभाश कुमार डीआईएनः 01886068 2. विकास आलुवालिया डीआईएनः 03508721	18.02.2020
16.	अपील सं. 840/ 252/ एन.डी./ 2019 आयकर अधिकारी, वार्ड-26 (4) बनाम आर.ओ.सी. एंड विर्सा वेंचरस इंडिया प्रा.लि. (पैनः AADCV0764E)	1. रंजीत पांडे डीआईएनः 00006956 2. आशुतोष कुमार डीआईएनः 03286449	18.02.2020
17.	अपील सं. 871/ 252/ एन.डी./ 2019 आयकर अधिकारी, वार्ड-17 (2) बनाम आर.ओ.सी. एंड मिल्कीबे अग्रीसिस्टमस इंडिया प्रा.लि. (पैनः AADCM8854R)	1. अनुराग सक्सेना डीआईएनः 00842156 2. राजीव सूद डीआईएनः 06631994 3. नितेश सक्सेना डीआईएनः 07300058	18.02.2020
18.	अपील सं. 868/ 252/ एन.डी./ 2019 आयकर अधिकारी, वार्ड-26 (4) बनाम आर.ओ.सी. एंड वॉइस ऑफ ब्रांडस एडवरटाइजिंग प्रा.लि. (पैनः AADCV0245J)	1. मोहन सिंह कथयात डीआईएनः 02659725	19.02.2020
19.	अपील सं. 834/ 252/ एन.डी./ 2019 आयकर अधिकारी, वार्ड-25 (4) बनाम आर.ओ.सी. एंड ट्री बीटलफारमिंग प्रा.लि. (पैनः AADCT5692D)	1. रघुबीर सिंह डीआईएनः 02731288 2. विपुल कुमार डीआईएनः 01375401	25.02.2020
20.	अपील सं. 644/ 252/ एन.डी./ 2019 आयकर अधिकारी, वार्ड-8 (1) बनाम आर.ओ.सी. एंड ई-फेम एडसेन्स प्रा.लि. (पैनः AACCE8548A)	1. सुनील कुमार डीआईएनः 05104458 2. तपस रॉय डीआईएनः 05104463	25.02.2020
21.	अपील सं. 838/ 252/ एन.डी./ 2019 आयकर अधिकारी, वार्ड-17 (2) बनाम आर.ओ.सी. एंड माईको मेक कंप्यूटर्स प्रा.लि. (पैनः AAACM5050H)	1. जसबीर सिंह ग्रोवर डीआईएनः 02490155 2. जशवंत सिंह डीआईएनः 0284956	25.02.2020
22.	अपील सं. 954/ 252/ एन.डी./ 2018 आयकर अधिकारी, वार्ड-1 (2) बनाम आर.ओ.सी. एंड आधार टेकनोलॉजी प्रा.लि. (पैनः AAECA3018R)	1. अजय कुमार देव डीआईएनः 01087981 2. अवनी कुमार देव डीआईएनः 01088031	06.03.2020
23.	अपील सं. 119/ 252/ एन.डी./ 2019 आयकर अधिकारी, वार्ड-7 (3) बनाम आर.ओ.सी. एंड दिवाकर इन्फोसॉल्यूशन्स प्रा.लि. (पैनः AACCD6341C)	1. रवि वर्मा डीआईएनः 03257417 2. वरुण गर्ग डीआईएनः 03257393	17.03.2020
24.	अपील सं. 1226/ 252/ एन.डी./ 2018 आयकर अधिकारी, वार्ड-19 (2) बनाम आर.ओ.सी. एंड ऑरबिट इंटेरियर्स प्रा.लि. (पैनः AAACO8818P)	1. प्रमोद कुमार डीआईएनः 00970635 2. गौरव कुमार डीआईएनः 01002349	17.03.2020
25.	अपील सं. 623/ 252/ एन.डी./ 2019 आयकर अधिकारी, वार्ड-8 (4) बनाम आर.ओ.सी. एंड एवरनीड हॉल्डिंग एंड एस्टेट प्रा.लि. (पैनः AABCE5073B)	1. हरि ओम डीआईएनः 02605391 2. राज रानी शर्मा डीआईएनः 02605457	18.03.2020
26.	अपील सं. 30/ 252/ एन.डी./ 2019 आयकर अधिकारी, वार्ड-10 (4) बनाम आर.ओ.सी. (इन द मेटर ऑफः मैसर्स गोल्डन जुबली सेल्स प्रा.लि.	3. श्री प्रदीप 3. श्री रितेश जैन	09.01.2020

इस संबंध में, इस नोटिस के माध्यम से, उपर्युक्त कंपनियों के प्रधान अधिकारियों/ निदेशकों को इसके द्वारा सूचित किया जाता है और यह अनुरोध किया जाता है कि वे अपने से संबंधित मामलों में सुनवाई की उपर्युक्त तारीखों पर माननीय राष्ट्रीय कंपनी विधि अधिकरण (NCLT) के समक्ष उपस्थित हों। ध्यान दें कि उपर्युक्त वर्णित तारीखों पर आपके उपस्थित न होने पर आपकी अनुपस्थिति में मामले की सुनवाई होगी और निर्णय लिया जाएगा।

भवदीय
हस्ता./-
(अमर जीवन)
आयकर अधिकारी (न्यायिक)-3, नई दिल्ली

davp 15403/11/0020/1920

जनसत्ता

9 दिसंबर, 2019

लापरवाही की लपटें

दिल्ली की अनाजमंडी में लगी आग से दम घुटने और झुलस कर तिरालीस लोगों की मौत ने एक बार फिर प्रशासन की लापरवाही और असंवेदनशीलता को रेखांकित किया है। उपहार सिनेमा कांड के बाद आग लगने की यह दूसरी सबसे बड़ी घटना है, जिसमें इतने लोगों की मौत हो गई। इसी साल करोलबाग के एक होटल में लगी आग से करीब चौदह लोगों की मौत हो गई थी। इसके अलावा ऐसे छिटपुट हादसे होते रहते हैं, जिनमें लोगों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ता है। अनाजमंडी की जिस इमारत में आग लगी, वहां अवैध रूप से कारखाना चल रहा था, जिसमें प्लास्टिक और कागज से चीजें बनाई जा रही थीं। इसी के एक हिस्से में वहां काम करने वाले मजदूर रहते थे। रविवार की सुबह जब आग लगी, तो वे वहां सो रहे थे। सारे दरवाजे और खिड़कियां बंद थीं, इसलिए ज्यादातर लोगों की दम घुटने से मौत हो गई। कुछ लोग बाहर नहीं निकल पाए और झुलस गए। इसमें कई गंभीर रूप से घायल हैं। आग लगने की वजह बिजली के तारों का गरम होकर जल उठना बताया जा रहा है। हालांकि बिजली के मीटर सही अवस्था में पाए गए हैं, इसलिए इसकी वजह कोई दूसरी भी हो सकती है। अभी इसकी छानबीन चल रही है।

आग लगने की अब तक जो भी बड़ी घटनाएं हुई हैं, चाहे वह अवैध रूप से चलाए जा रहे कारखानों में हो या फिर किसी होटल, बाजार आदि में, सबमें यही देखा गया है कि वहां सुरक्षा संबंधी नियमों की अनदेखी की गई थी। फिर सवाल है कि ऐसी जगहों पर निगरानी रखने वाला तंत्र तब तक क्यों आंखें बंद किए रखता है, जब तक कि कोई बड़ा हादसा नहीं हो जाता। छिपी बात नहीं है कि इस तरह छोटे पैमाने पर चलाए जाने वाले कारखानों में अक्सर आग लगने, भूकंप आदि की स्थितियों में सुरक्षा मानकों के अनुरूप निकास, अग्निशमन यंत्र, बिजली के तारों आदि पर समुचित ध्यान नहीं दिया जाता। इसकी बड़ी वजह है कि संबंधित महकमे इन लापरवाहियों की अनदेखी करते हैं या फिर किसी सांठगांठ या प्रभाव के चलते उनके खिलाफ कड़ाई नहीं करते। विचित्र है कि ऐसे बहुत सारे कारखाने सघन बसे रिहाइशी इलाकों में चलते हैं, जहां एक इमारत की आग बहुत बड़े हादसे का सबब बन सकती है, पर वहां भी प्रशासन को लापरवाह ही देखा जाता है। अनाजमंडी के कारखाने में मारे गए लोग भी मालिकों और प्रशासन की इसी लापरवाही की भेंट चढ़ गए। दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण के मद्देनजर अदालतें अनेक मौकों पर फटकार लगा और सख्त निर्देश दे चुकी हैं कि रिहाइशी इलाकों में चल रहे प्रदूषण फैलाने वाले कारखानों को हटाया जाए। मगर फौरी सक्रियता के बाद हर बार लंबी शिथिलता पसर जाती है। फिर दिल्ली के बहुत सारे इलाके ऐसे हैं, जो अनधिकृत कॉलोनी के रूप में बसे थे और सरकार ने उन्हें अधिकृत घोषित कर दिया। इससे वहां बिजली, पानी, सड़क, सीवर की व्यवस्था तो हो गई, पर उनकी बसावट इस कदर सघन है कि वहां दमकल की गाड़ियों आदि के पहुंचने में भी कठिनाई आती है। वहां बड़े पैमाने पर ऐसे कारखाने चल रहे हैं, जिन्हें यह मान कर चलने दिया जाता है कि वे प्रदूषण नहीं फैलाते। इसी तरह दिल्ली के गांवों में बड़े पैमाने पर ऐसी गतिविधियां चल रही हैं। दोनों सरकारों को ऐसे कारखानों को लेकर कोई व्यावहारिक नीति बनाने की जरूरत है, ताकि मौत की वजह बनने वाले हादसे दुहराए न जा सकें।

बेलगाम अपराध

उत्तर प्रदेश के उन्नाव में बलात्कार की जिस पीड़िता को पिछले हफ्ते जिंदा जला दिया गया था, आखिरकार उसकी मौत हो गई। यह घटना हैदराबाद में एक पशु-चिकित्सक युवती के साथ ठीक इसी तरह की घटना यानी उसके बलात्कार के बाद जिंदा जला दिए जाने के कुछ ही दिन बाद हुई। विडंबना है कि उन्नाव की घटना के आरोपी को पहले गिरफ्तार किया गया था और हाल ही में उसे जमानत पर जेल से छोड़ दिया गया था। जबकि आमतौर पर माना जाता है कि बलात्कार के मामलों में आरोपी को जमानत मिलना बेहद मुश्किल होता है। आरोपों के मुताबिक गुरुवार को सामने आई इस घटना में जमानत पर बाहर आए मुख्य आरोपियों के अलावा चार अन्य लोगों ने पीड़ित लड़की को रास्ते में एक सुनसान जगह पर घेर कर पेट्रोल डाला और फिर आग लगा दी। जब वे भाग गए, तब लड़की किसी तरह एक घर तक पहुंची और वहां उसे मदद मिल सकी। इस मामले में जितने ब्योरे अब तक सामने आ सके हैं, उसके मुताबिक यह त्रासद घटना बहुस्तरीय लापरवाही का नतीजा है कि एक लड़की के खिलाफ पहले बलात्कार जैसा अपराध हुआ और फिर उसे जिंदा जला दिया गया। इस बीच परिवार ने कई बार आरोपियों की ओर से भयावह अंजाम भुगतने की धमकी की बात कही, लेकिन यह समझना मुश्किल है कि प्रशासन को समय पर कोई उचित कदम उठाना जरूरी क्यों नहीं लगा!

दरअसल, कानूनी प्रक्रिया में जो भी प्रावधान किए गए हैं, उसे अगर सुविधा के मुताबिक देखा जाता है तब इंसाफ मिलने में देरी या बाधा स्वाभाविक है। उन्नाव मामले में अगर पुलिस ने पीड़िता की शिकायत को गंभीरता से लिया होता, उसे सुरक्षा मुहैया कराई जाती, तो शायद वह जिंदा होती। लेकिन समय पर जरूरी कदम नहीं उठाने का ही नतीजा है कि जमानत पर छूटे आरोपी ने सबूत मिटाने के मकसद से पीड़िता को जलाने की कोशिश की। गनीमत है कि मरने से पहले पीड़िता ने आरोपियों के नाम बताए और उनकी गिरफ्तारी हो सकी। लेकिन इससे पुलिस इस बात की जवाबदेही से नहीं बच सकती कि आरोपी के जमानत पर छूटने के बाद पीड़िता पर खतरे थे, तो उस संदर्भ में उसने क्या किया! कुछ खबरों में बताया गया कि पीड़िता और आरोपी में पहले से दोस्ती थी। सवाल है कि अगर ऐसा था तो भी किसी को महिला के खिलाफ अपराध करने की छूट कैसे मिल जाती है? यह तर्क न केवल कानून, बल्कि एक सभ्य और मानवीय समाज के सभी मूल्यों के खिलाफ है।

इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि हैदराबाद में बलात्कार और बर्बर हत्या के मामले और उसके बाद समूचे देश में उपजे आक्रोश के बावजूद न तो दूसरे राज्यों की सरकारों और पुलिस के रवैये में कोई फर्क आया और न बलात्कार जैसे जघन्य अपराध करने वालों को डर लगा। अफसोसनाक है कि हैदराबाद की घटना के बाद देश के अलग-अलग इलाकों से कम से कम चार ऐसी ही घटनाएं सामने आईं, जिनमें बलात्कार के बाद महिला को जिंदा जला दिया गया। आखिर क्या वजह है कि देश के अलग-अलग हिस्सों में पसरे अपराधी मानस वाले लोगों के भीतर सजा का खौफ नहीं रह गया है? हैदराबाद में पुलिस ने कथित मुठभेड़ में आरोपियों को मार गिराया। लेकिन जब तक समयबद्ध कार्रवाई के तहत सही आरोपियों को कठघरे में खड़ा करने और उसके लिए सजा तय करने की व्यवस्था नहीं होती, तब तक न्याय सुनिश्चित करना मुश्किल बना रहेगा।

कल्पमेधा

पत्तों पर नृत्य करती हुई ओस की तरह
अपने जीवन को समय के पत्तों
पर नृत्य करने दो।
- रवींद्रनाथ ठाकुर

रोजगार योग्य शिक्षण-प्रशिक्षण जरूरी

जयंतीलाल भंडारी

इस समय देश में तेजी से बढ़ती हुई बेरोजगारी के मद्देनजर जीवन गुणवत्ता, सार्वजनिक शिक्षा पर अधिक व्यय और कौशल विकास से ही रोजगार के अवसर तेजी से बढ़ने की संभावनाएं हैं। चूंकि ऐसी स्थिति अभी नहीं है, इसलिए बेरोजगारी बढ़ रही है। हाल ही में केंद्रीय सांख्यिकीय कार्यालय ने श्रमबल के नवीनतम आंकड़े जारी करते हुए कहा है कि सन 2017-18 के दौरान देश में बेरोजगारी की दर 6.1 फीसद रही है। देश में बेरोजगारी की यह दर पैंतालीस साल में सर्वाधिक है।

इन दिनों रोजगार संबंधी विभिन्न वैश्विक रिपोर्टों में यह तथ्य उभर कर सामने आ रहा है कि 2030 तक युवाओं के लिए जो रोजगार की चमकीली संभावनाएं उभर रही हैं, उनको साकार करने के लिए भारत में रोजगार के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण शिक्षण-प्रशिक्षण की जरूरत है। रिपोर्ट के मुताबिक अगर गुणवत्तापूर्ण शिक्षण-प्रशिक्षण को नई पीढ़ी का मूलमंत्र बनाया गया तो भारत तेजी से विकास करेगा और अगर ऐसा नहीं हुआ तो भारत में रोजगार की समस्या बड़ी मुश्किल का कारण बन जाएगी।

गौरतलब है कि इस समय देश और दुनिया में भारत से संबंधित शैक्षणिक और प्रशिक्षण की विश्व रैंकिंग से संबंधित दो रिपोर्ट को गंभीरता से देखा जा रहा है। बीते 26 नवंबर को प्रकाशित क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी एशिया रैंकिंग-2020 में कहा गया है कि 2019 में भारत के अधिकतर प्रमुख उच्च शिक्षण संस्थाओं की रैंकिंग में गिरावट आई है। देश का कोई भी शिक्षण संस्थान अन्य एशियाई संस्थाओं की तुलना में शीर्ष तीस में जगह नहीं बना सका। आइआइटी मुंबई पिछले वर्ष के मुकाबले एक स्थान फिसल कर चौंतीसवें स्थान पर आ गया। आइआइटी दिल्ली तैंतालीसवें और आइआइटी मद्रास अड़तालीसवें स्थान पर है।

इसके मुताबिक 2030 तक शिक्षा अध्ययन के मामले में दुनिया की सबसे बड़ी विद्यार्थियों की आबादी भारत में होगी। ऐसी नई आबादी को रोजगार योग्य बनाने के लिए भारत को अध्ययन तथा शोध कार्य में निवेश बढ़ाना होगा। इसी तरह भारतीय युवाओं की प्रतिभा, गुणवत्तापूर्ण जीवन और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से संबंधित पिछले दिनों 18 नवंबर को स्विट्जरलैंड के विश्वविख्यात आइएमडी बिजनेस स्कूल के द्वारा प्रकाशित की गई ग्लोबल टैलेंट रैंकिंग 2019 रिपोर्ट के मुताबिक भारत तिरसठ देशों की सूची में पिछले वर्ष के तिरपनवें स्थान से छह पायदान फिसल कर उनसठवें स्थान पर आ गया है।

निस्संदेह प्रतिभा रैंकिंग की इस वैश्विक सूची में प्रतिभाओं के विकास, उन्हें आकर्षित करने और देश में ही जोड़े रखने, उनकी शैक्षणिक गुणवत्ता के लिए किए जा रहे निवेश के आधार पर रैंकिंग दी गई है। इस सूची के प्रकाशन के साथ सूची में शामिल विभिन्न देशों में प्रतिभा की स्थिति के बारे में भी टिप्पणियां की गई हैं। भारत के बारे में कहा गया है कि टैलेंट पूल की गुणवत्ता के मामले में भारत का प्रदर्शन औसत से बेहतर है। लेकिन अपनी शैक्षणिक प्रणाली की गुणवत्ता और सरकारी शिक्षा के क्षेत्र में निवेश की कमी, युवाओं के गुणवत्तापूर्ण जीवन की कमी, प्रतिभाओं को आकर्षित करने और उन्हें बनाए रखने की क्षमता में कमी, स्वास्थ्य व्यवस्था में कमी और श्रमबल में महिलाओं की पर्याप्त भागीदारी में कमी के कारण निवेश और विकास के मामले में भारत सूची में शामिल देशों में बहुत पीछे है।

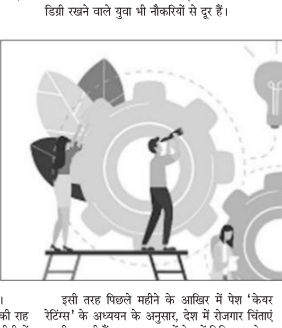

इन रिपोर्टों पर चिंतित होना और आगे बढ़ने की राह निकालना इसलिए जरूरी है, क्योंकि देश की नई पीढ़ी में प्रतिभा को सक्षम बना कर ही रोजगार की उजली संभावनाओं को साकार किया जा सकेगा और देश की तस्वीर को चमकीला बनाया जा सकेगा। भारत की जनसंख्या में करीब पचास प्रतिशत से ज्यादा की उम्र पच्चीस साल से कम और पैंसठ प्रतिशत आबादी की पैंतीस साल से कम है। चूंकि भारत के पास विकसित देशों की तरह रोजगार बढ़ाने के विभिन्न संसाधन और आर्थिक शक्तियां नहीं हैं, इसलिए भारत की युवा आबादी ही जीवन गुणवत्ता के साथ कौशल प्रशिक्षित होकर मानव संसाधन के परिप्रेक्ष्य में दुनिया के लिए उपयोगी और भारत के लिए आर्थिक कमाई का प्रभावी साधन सिद्ध हो सकती है।

जाहिर है, इस समय देश में तेजी से बढ़ती हुई बेरोजगारी के मद्देनजर जीवन गुणवत्ता, सार्वजनिक शिक्षा पर अधिक व्यय और कौशल विकास से ही रोजगार के अवसर तेजी से बढ़ने की संभावनाएं हैं। चूंकि ऐसी स्थिति अभी नहीं है, इसलिए बेरोजगारी बढ़ रही है। हाल ही में केंद्रीय सांख्यिकीय कार्यालय ने श्रमबल के नवीनतम आंकड़े जारी करते हुए कहा है कि सन 2017-18 के दौरान देश में बेरोजगारी की दर 6.1 फीसद रही है। देश में बेरोजगारी की यह दर पैंतालीस साल में सर्वाधिक है। इसमें कोई दो मत नहीं है कि भारतीय अर्थव्यवस्था में श्रम का आधिक्य है, लेकिन कौशल की कमी है। उच्च शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण से सजे-धजे भारतीय युवाओं के लिए देश-विदेश में नौकरियों की कमी नहीं है। लेकिन नौकरियों की योग्यता के अभाव में इस समय ऊंची-ऊंची डिग्री रखने वाले युवा भी नौकरियों से दूर हैं।

इसी तरह पिछले महीने के आखिर में पेश 'केयर रेटिंग्स' के अध्ययन के अनुसार, देश में रोजगार चिंताएं बढ़ती जा रही हैं। इस अध्ययन में देश में विभिन्न उद्योग-कारोबार और सेवा क्षेत्र से संबद्ध 1,938 कंपनियों को शामिल किया गया था। अध्ययन से पता चला कि रोजगार में वृद्धि 2015-16 में 2.5 प्रतिशत थी। 2016-17 में 4.1 प्रतिशत, 2017-18 में 3.9 प्रतिशत और 2018-19 में 2.8 प्रतिशत रही। इस अध्ययन के मुताबिक, देश में रोजगार वृद्धि पिछले दो वर्षों में धीमी हो गई है। यह भी महत्त्वपूर्ण है कि शहरी क्षेत्रों के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्र भी इस समस्या से दो-चार हैं। अठारह से तीस वर्ष के युवाओं की मनरेगा के तहत रोजगार पाने की कतार बढ़ती जा रही है। 2017-18 में करीब अट्ठावन लाख लोग मनरेगा के तहत रोजगार के लिए आए। 2018-19 में इनकी संख्या बढ़कर 70.7 लाख हो गई है।

यह समझना जरूरी है कि इस समय दुनिया के साथ-साथ देश का भी रोजगार परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। ऐसे में रोजगार की जरूरतें भी बदल रही हैं। इस समय उद्योग-कारोबार में रोबोट, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस यानी कृत्रिम बुद्धिमता और थ्री-डी प्रिंटिंग सहित नई-नई तकनीकों का उपयोग बढ़ता जा रहा है। देश और दुनिया में भारत के कौशल प्रशिक्षित युवाओं की मांग बढ़ रही है। लेकिन ख्याति प्राप्त स्टाफिंग फर्म मैनपॉवर ग्रुप के अध्ययन रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में उद्योग-कारोबार के लिए पर्याप्त संख्या में कुशल पेशेवर लोग नहीं मिल रहे हैं।

ऐसे में जरूरी है कि भारत डिग्री के साथ तकनीकी दक्षता और पेशेवर क्षमता से लैस प्रतिभाओं का निर्माण करे। देश में रोजगार के लिए कौशल से लैस प्रतिभाओं का निर्माण इसलिए भी जरूरी है कि रोजगार के मोर्चे पर तेजी से आगे बढ़ रहे रोबोट चुनौती देते हुए दिखाई दे रहे हैं। दरअसल, रोबोट ने मनुष्य को शारीरिक क्षमताओं के मामले में पीछे छोड़ दिया है और अब दिमागी कामों के मामले में भी खासी दखल हो रही है। ऐसे में रोबोट से भी रोजगार प्रतिस्पर्धा के लिए युवाओं के पास कृत्रिम बुद्धिमत्ता जरूरी है।

यह विडंबना ही है कि प्रतिभाओं के विकास में हम आज भी बहुत पीछे हैं। सरकार के द्वारा देश में कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय गठित करके कौशल विकास के काम को गतिशील बनाने की पहल के भी आशाजनक परिणाम नहीं आए हैं। निस्संदेह देश में भारतीय शिक्षण संस्थाओं की गुणवत्ता से संबंधित अध्ययन रिपोर्टों को ध्यान में रखते हुए सरकार को अब कौशल विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा, श्रमबल में महिलाओं की भागीदारी और सार्वजनिक शिक्षा पर आबंटन बढ़ाना होगा। एक ऐसे दौर में जब अर्थव्यवस्था को अधिक दक्ष और योग्य श्रम बल की जरूरत है, तब शिक्षा पर जीडीपी का छह फीसद हिस्सा खर्च किया जाना जरूरी है, जो इस समय करीब 3.8 फीसदी ही है। उम्मीद की जानी चाहिए कि विभिन्न रिपोर्टों के मद्देनजर मंथन करके नई पीढ़ी को देश और दुनिया की रोजगार जरूरतों के मुताबिक जीवन गुणवत्ता, अच्छे और कौशल प्रशिक्षण से सुसज्जित करके प्रतिभाशाली बनाने की डगर पर सरकार कदम आगे बढ़ाएगी, ताकि रोजगार के अवसरों में वृद्धि हो, युवाओं के चेहरे पर मुस्कराहट आए और देश आर्थिक विकास की डगर पर आगे बढ़े।

सिनेमाघर की संस्कृति

सुनील मिश्र

दुनिया मेरे आगे

पिछले कुछ समय से लगातार यह प्रश्न कौंध रहा है जो सांस्कृतिक अस्मिता की दृष्टि से बहुत मायने रखता है। जिस तरह धीरे-धीरे दर्शक का मन सिनेमाघर से उचट रहा है और उसे विकल्प के रूप में 'नेटफ्लिक्स' से लेकर छोटी अवधि की रोचक फिल्मों को देखने का अवसर यूट्यूब आदि के माध्यम से घर बैठे सुलभ होने लगा है, वह सब देख कर लगता है कि फिल्म निमार्ताओं ने सिनेमा के प्रति उदासीन होते दर्शक की नब्ज टटोल ली है। पिछले एक दशक में सिनेमा जिस तरह की प्रयोगधर्मिता से गुजर रहा है या उसमें वह धीरे-धीरे अपनी मुट्ठी से फिसलती रेत का अनुभव कर पा रहा है। जो अकेला दर्शक है या दर्शकों का समूह है, वह अपने आकर्षण को अब पृथक करने चला है।

जीवन की आपाधापी, सामाजिक और राजनीतिक समस्याएं और उससे प्रभावित जीवन, बाजार, सुरक्षा, अपराध और महंगाई जैसे बड़े चिंतनीय विषयों के आगे मनोरंजन का माध्यम सिनेमा अब उतना प्रभाव नहीं रख पा रहा, जिसकी अपेक्षा की जाती थी। जिसकी उत्कृष्टता या श्रेष्ठता का अपना पैमाना होता था, वह सिनेमा हमारे दर्शक को थोड़ी ही देर के लिए सही, यथार्थ से मुक्त करता था, हंसाता या रुलाता था, क्रोध दिलाता था, व्यथित करता था, रोमांटिक होने देता था और फिर हौले से उसे उसकी दुनिया में लौट जाने देता था। इतिहास का सिनेमा या सिनेमा का इतिहास इसी तरह का रहा है। इस पूरी धारा को पिछली सदी के अवसान तक हमारे फिल्मकारों ने बखूबी चलाए रखा। इसमें समझदार और प्रबुद्ध निर्माता-निर्देशकों की महत्त्वपूर्ण भूमिका को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

हमारी स्मृति से यह बात चली नहीं गई है कि सामाजिक और पारिवारिक फिल्में, हास्य, मारधाड़ की एक्शन फिल्में, अधिक हिंसा और प्रतिवाद या प्रतिशोध वाली फिल्मों के निर्देशकों के बाकायदा नाम दर्शकों ने रट रखे थे। इसकी प्रकार वह कलाकार अभिनेता और अभिनेत्रियों के बारे में भी ठीक-ठीक पहचान बता पाता था। उस पूरे बड़े स्वर्णयुगीन कालखण्ड में चरित्र अभिनेताओं, सहायक अभिनेताओं और यहां तक कि एक-दो दृश्य के लिए भी परदे पर आकर चले जाने वाले कलाकार अपने हस्ताक्षर करके चले जाते थे। बीती सदी के अंतिम दशक में ये सब चेहरे धूमिल होना शुरू हो गए थे। सिनेमा दो धाराओं में बंट चला था। यथार्थवादी सिनेमा के फिल्मकारों ने बाजारू सिनेमा और उसके बनाने वालों को थोड़ा चौकन्ना जरूर किया, लेकिन ऐसे फिल्मकारों का भी रचनात्मक आंदोलन पंद्रह-बीस वर्षों में सिमट कर रह गया। महानायकवाद ने सिनेमा संस्कृति को बड़े पैमाने पर प्रभावित किया, जिसने समांतर कलाकारों के भविष्य पर ही प्रश्नचिह्न लगा दिया। बाद का हीरो परदे पर खुद ही सब कुछ हो गया।

नई सदी में तो आगे निकलने, दूसरे से अपने को बेहतर दिखाने की स्पर्धा ऐसी हुई कि वह अहंकार, संकीर्णता और कुंठा की अनेक कहानियों के साथ हिंदी सिनेमा संस्कृति की पोल खोलती रही। अब तो स्पर्धी सितारों के बीच सौहार्द की जो पींगे दिखाई देने लगी हैं, वे कितनी सच्ची हैं, इसका अंदाजा लगा पाना कठिन है, क्योंकि चकाचौंध भरे इस माध्यम से लोकलाज को देखते हुए गले मिलने, एक-दूसरे को सराहने और मुस्कराने का भी अगर समझौता कर लिया जाता हो तो इस बात पर कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिए। आज के सिनेमा का अर्थ पांच-छह प्रौढ़ नायकों के केंद्र में रहने वाले सिनेमा से लगाया जा सकता है।

यह भी हो रहा है कि दर्शक इनके सिनेमा को कई बार अस्वीकार कर रहा है। बाजार के आंकड़े और टिकट खिड़की पर धन संग्रह को बढ़ा-चढ़ा कर प्रचारित करने का गोपनीय खेल अपना ढोल अलग बजाता है। सच दर्शक जानता है, क्योंकि वही खाली पड़े सिनेमाघर में मुट्ठी भर लोगों के बीच सौ-सौ करोड़ की कमाई करने वाली फिल्म देख रहा होता है। मल्टीप्लेक्स, आइनॉक्स और दूसरे ऐसे ही मॉल केंद्रित सिनेमाघरों में फिल्म देखना फिल्म को देखने से ज्यादा अपने आसपास को देखने का अनुभव बन गया है। हॉल में प्रवेश करने से पहले, मध्यांतर का समय यह सब गैलरी की चमक-दमक को देखने, आपस में तौलने और मिलान करने की दृष्टि से ज्यादा प्रभावी होता जा रहा है।

इधर 'नेटफ्लिक्स' या 'अमेजन प्राइम' आदि मानो सिनेमाघरों का स्पर्धी ही बन कर आ गए हैं। दिलचस्प यह है कि वही लोग जो अच्छी-बुरी फिल्म बनाते हुए खुद को अघाया हुआ महसूस कर रहे हैं, 'नेटफ्लिक्स' के लिए काम करने लगे हैं। इस माध्यम का अपना नेटवर्क फिलहाल बहुत प्रबल, संप्रेषणीय और असरदार भी है। यह सब देख कर लगता है कि अपने घर में ही बड़े स्क्रीन पर फिल्म देखने का अभ्यस्त दर्शक धीरे-धीरे सिनेमाघर का रास्ता भूल न जाए। हमारे ही सामने देखते-देखते सिंगल स्क्रीन सिनेमाघर की संस्कृति समाप्त हो गई है। इसका श्रेय मल्टीप्लेक्स और आयनॉक्स जैसे माध्यमों को जाता है। अब इधर जिस तरह से 'नेटफ्लिक्स' या 'अमेजन प्राइम' जैसे नाम फन काढ़ कर सिनेमाघरों के सामने खड़े हो गए हैं। वह कहीं अवसर पाकर, आगे बढ़ कर इसे डस न ले, इस बात की चिंता होने लगी है।

जोखिम में जननी

समाज में माना जाता है कि सृष्टि की रचना स्त्रियों द्वारा ही होती है। एक स्त्री ही पुरुष की जननी होती है और वही पुरुष जब बड़ा हो जाता है तो उसी स्त्री के शरीर को नोचता, जलाता है। लगातार समाज में घट रहे अमानवीय कृत्यों ने स्त्रियों के जीवन को नरक बना दिया है। हम किस समाज का निर्माण कर रहे हैं? जिस समाज में सृष्टि की जननी ही सुरक्षित नहीं है, वह समाज कैसा होगा? दशहरा में स्त्रियों को देवी मान कर पूजा की जाती है और फिर उन्हीं स्त्रियों पर अत्याचार की झड़ी लगा दी जाती है। उसी स्त्री को कभी दहेज के लिए जलाया जाता है तो कभी उसका बलात्कार किया जाता है तो कभी जन्म से पहले ही उसे भ्रूण में ही मार दिया जाता है। महिलाओं को कब तक इस पुरुष के समाज में घुट-घुट कर जीना पड़ेगा? कब तक दहेज के लिए वह जलती रहेगी? कब तक उनका बलात्कार होता रहेगा?

आखिर क्या गलती है स्त्री कि जो उनके साथ इतना जघन्य अपराध हो रहा है। आज स्त्रियां कहीं भी खुद को सुरक्षित महसूस नही कर पा रही हैं। ऐसे कितने मामले आ चुके हैं, जिसमें घर का ही कोई सदस्य या फिर कोई करीबी ही उनके खिलाफ यौन हिंसा करता है। स्त्रियां घर में हों या बाहर, कहीं भी खुद को सुरक्षित महसूस नहीं कर पा रही है। वे कौन लोग हैं हमारे समाज में जो दरिंदा बन कर समाज को कलंकित कर रहे हैं। अब हर इंसान को सोचना होगा कि हम अपनी बेटियों को सुरक्षित और दूसरे की बेटियों को चील की नजर से क्यों देखते हैं? अब वक्त आ गया है कि सरकार कोई बहुत बड़ा और ठोस कदम उठाए, जिससे स्त्रियों पर हो रहे अत्याचार से मुक्ति मिल सके और समाज को चाहिए कि अपने हर बच्चे को नैतिकता का पाठ पढ़ाए, ताकि वह बलात्कार जिसे घिनौने करतूतों के खिलाफ खड़ा हो सके।

● *अनु मिश्रा, सिवान*

रोजगार की फिक्र

गत नवंबर माह में प्रधानमंत्री ब्राजील की राजधानी ब्रासीलिया गए थे। मौका था ब्रिक्स सम्मेलन। इस बैठक की थीम 'नवोन्मेषी भविष्य के लिए आर्थिक वृद्धि' रखा गया था, क्योंकि विश्व के दो बड़े उपभोक्ता देश भारत और चीन की अर्थव्यवस्था में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। भारत की चिंता घरेलू मंदी है तो वहीं चीन अमेरिका के संरक्षणवादी नीति से परेशान है। भारत ने हाल ही में आरसीईपी में शामिल होने से मना कर दिया और कारण दिया कि शर्तों के अनुकूल न होने और राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखते हुए भारत ने आरसीईपी में शामिल नहीं होने का फैसला किया है।

भारत के सभी कोर सेक्टर में मंदी चल रही है। विशेषज्ञों का मानना है इसका प्रमुख कारण बेरोजगारी है, क्योंकि बेरोजगारी के कारण लोगों के पास पैसे ही नहीं है तो वह खर्च कहां करे? इसलिए यह जरूरी है कि भारत सरकार को इसके लिए त्वरित हल निकालना चाहिए।

● *संदीप कुमार ईसीसी, प्रयागराज*

किसी भी मुद्दे या लेख पर अपनी राय हमें भेजें। हमारा पता है : ए-8, सेक्टर-7, नोएडा 201301, जिला : गौतमबुद्धनगर, उत्तर प्रदेश

आप चाहें तो अपनी बात ईमेल के जरिए भी हम तक पहुंचा सकते हैं। आइडी है : chaupal.jansatta@expressindia.com

ऊर्जा का खेल

अधिकतर विद्यालयों में हर वर्ष वार्षिकोत्सव के दौरान खेलकूद स्पर्धा का आयोजन होता है। स्कूलों और कॉलेजों की एक दिवसीय खेलकूद स्पर्धा के कारण खिलाड़ियों प्रदर्शन जड़वत दिखाई देता है तो आखिर उस स्पर्धा में कोई खिलाड़ी चैम्पियन कैसे बन जाए? दौड़, ऊंची कूद, लंबी कूद, तिहरी कूद, चक्का फेंक, भाला फेंक, गोला फेंक, डिस्क थ्रो आदि खेलों को खेला जाता है। जो खिलाड़ी उस समय जीत जाता है, वह विजेता बन जाता है, लेकिन उसका वास्तविक खेल आधार जिला, संभाग, राज्य स्तर पर पूरी तरह से तैयार नहीं हो पाता। खेलों में रुचि रखने वाले खिलाड़ियों के लिए खेल प्रशिक्षकों द्वारा खेलों के साथ स्टेमिना या ऊर्जा बढ़ाने जैसे उपाय किया जाना आवश्यक है। खिलाड़ियों में भी कुछ कर गुजरने जज्बा होगा तभी वे खेलों में आगे बढ़ सकते हैं। इन एथलीटों की तैयार पौध को स्टेमिना, खेल तकनीक अगर प्राप्त होगा तो वे आगे चल कर ओलिंपिक या एशियाई खेलों में अच्छा प्रदर्शन कर अपने गांव, शहर, देश का नाम रोशन करेंगे और साथ ही अन्य देशों की तरह खिलाड़ियों की संख्या में इजाफा भी होगा। पदक संख्या बढ़ने से देश का नाम रोशन होगा।

● *संजय वर्मा 'दृष्टि', मनावर, धार*

स्त्री का भय

इतनी जल्दी तो शायद सरकार द्वारा चलाई गई युक्तिबद्ध नीतियां भी कार्यान्वित होनी आरंभ नहीं होती, जितनी जल्दी-जल्दी देश के लगभग हर कोने से बलात्कार और पीड़िता को मार डालने या जला देने की घटनाएं सामने आ रही हैं। हैदराबाद में हुए निर्मम बलात्कार और हत्याकांड से शायद दूसरे अपराधी मर्दों ने सीख ली कि पहले स्त्री को मिल कर नोचो, फिर उसको जला दो, ताकि कोई सबूत न बचे। औरत चाहे बाल्यावस्था में हो या वृद्धावस्था में, पुरुष को क्या केवल उसमें अपनी वासना शांत करने का उपाय ही दिखता है? अगर ऐसा ही है, तो उसके आसपास की कोई भी स्त्री सुरक्षित नहीं हो सकती।

इसमें दो राय नहीं कि पुलिस, प्रशासन, कानून- सब इतने कड़े हो जाने चाहिए कि ऐसे अपराधियों को बेहद सख्त सजा मिले। 2012 में हुए निर्भया हत्याकांड के बाद लगा जैसे इन हरकतों पर अब रोक लग गई है। लेकिन जल्दी ही यह सोच गलत साबित हुई। हैदराबाद, उन्नाव, कठुवा तो सुर्खियों में आ गई कुछ घटनाएं हैं, देश के हर छोटे-बड़े कोने से न केवल स्त्री का बलात्कार करने, बल्कि उसे जला देने की खबरों के आंकड़ों मे बढ़ोतरी दिखती है। कई बर्बरता को देख कर यही लगता है कि वे अपराधी ऐसा कर कैसे पाते हैं!

यह पुरुषों की आपराधिक मानसिकता नहीं तो क्या है कि अब उस मर्दवादी विचार की चपेट में आए कुछ किशोर भी बलात्कार की घटनाओं में हिस्सा लेने लगे हैं। ऐसे लड़के के पैदा होने पर क्यों खुशी मनाई जाती है, प्रलाप क्यों नहीं किया जाता। समाज, धर्म, नैतिकता का ठेकेदार कहे जाने वाला पुरुष खुद कितना खोखला है, इसका परिचय तो आए दिन मिलता रहता है। कभी-कभी मन सोचने को मजबूर हो जाता है कि क्या सच में हमारा देश विकास कर रहा है! इसका उत्तर बलात्कार मामलों मे आई वृद्धि दे रही है। एक तरफ हुंकार लगाई जाती है कि महिला आज तरक्की कर रही है। बेशक कर भी रही है, पर पुरुष समाज भी कभी उसका शारीरिक तो कभी मानसिक बलात्कार करने से बाज नहीं आता। आखिर क्यों वह स्त्री को हर कदम पर डर कर रहने को मजबूर कर ही देता है? क्यों वह यह एहसास दिलाता है कि जैसे स्त्री शरीर पाकर किसी लड़की ने कोई गलती कर गई हो!

● *अर्चना, रोहिणी पूर्व, दिल्ली*

अग्निकांड पोस्टमार्टम

पुलिस ने बताया कि रविवार को कुछ मजदूरों के शव की पहचान कर ली गई है। जिनकी पहचान हो गई है, उनके शव का पोस्टमार्टम सोमवार को किया जाएगा। उम्मीद है कि सोमवार तक अधिकतर मजदूर के परिवार के सदस्य दिल्ली पहुंच जाएंगे। उसके बाद वे अपने लोगों के शव का पहचान कर लेंगे, जिसके बाद उनका भी पोस्टमार्टम करवाया जाएगा। पुलिस का कहना है कि शव के पोस्टमार्टम के लिए दो से तीन दिन का वक्त लग सकता है।

दिल्ली में आग हादसे

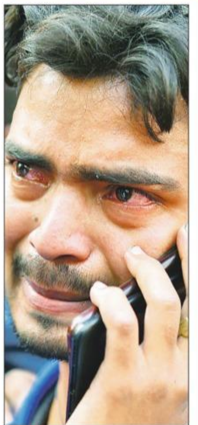

अनाज मंडी अग्निकांड में झुलसे एक मजदूर का रिश्तेदार लोकनायक अस्पताल के इमरजंसी वार्ड के बाहर।

मजदूरों के लिए जानलेवा बनी कार्बन मोनोऑक्साइड गैस

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 8 दिसंबर।

रानी झांसी रोड के अनाज मंडी इलाके में स्थित कारखाने में रविवार सुबह आग लगने के बाद पहुंचे राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल(एनडीआरएफ) के दल ने कहा कि इमारत में जहरीली कार्बन मोनोऑक्साइड गैस भरी थी। इमारत में लगी आग की वजह अधिकांश श्रमिकों की दम घुटने से मौत हो गई। एनडीआरएफ के डिप्टी कमांडर आदित्य प्रताप सिंह ने कहा कि दिल्ली अग्निशमन सेवा ने आग पर काबू करने के बाद राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल ने इमारत में गैस डिटेक्टरों की सहायता से जहरीली गैस का पता लगाया। उन्होंने कहा कि बड़ी मात्रा में कार्बन मोनोऑक्साइड गैस मिली।

उन्होंने कहा कि टीम ने इमारत के अच्छे से जांच की है। इमारत की तीसरी और चौथी मंजिल पूरी तरह से धुएं से भरी हुई थी, जिसमें कार्बन मोनोऑक्साइड की मात्रा अधिक थी। गैस, तेल, कोयला और लकड़ी जैसे ईंधनों के पूरी तरह से नहीं जल पाने पर यह रंगहीन, गंधहीन खतरनाक गैस बनती है। डिप्टी कमांडर ने कहा कि टीम को इमारत की कुछ खिड़कियां सील मिलीं।

कार्बन मोनोऑक्साइड गैस काफी खतरनाक होती है

कारखाने में अधिकतर मजूदरों की मौत दम घुटने से हुई

उन्होंने कहा कि वहां एक ही कमरा था, जिसमें अधिकतर मजदूर सो रहे थे और वहां हवा के आने-जाने के लिए केवल एक स्थान था। अधिकतर मजदूरों को तीसरी मंजिल से लाया गया था। इमारत में रखे सामान के जलने की वजह से अधिक मात्रा में कार्बन मोनोऑक्साइड गैस बन गई।

वहीं, मुख्य अग्निशमन अधिकारी, गौतमबुद्ध नगर एके सिंह ने बताया कि कार्बन मोनोऑक्साइड गैस काफी खतरनाक होती है। अधिक देर तक इसका सेवन करने से यह जानलेवा साबित हो सकती है।

उन्होंने बताया कि आग लगने के अधिकतर मामलों में यह देखा गया है कि गत्ता जलने या फिर रैकसिन या अन्य ज्वलनशील पदार्थ जलने के बाद कार्बन मोनोऑक्साइड का उत्सर्जन अधिक होता है।

गहरी नींद में सो रहा शख्स इस गैस का सेवन करते रहता है। इस कारण उसका शरीर निष्क्रिय हो जाता है। कुछ समय बाद एक स्थिति भी आती है, जब वह अपने बिस्तर या जगह से उठ नहीं पाता। बाद में उसके शरीर के अन्य अंग भी काम करना बंद कर देते हैं। गैस खून में घुल जाती है और शख्स अपनी चेतना खो देता है। जब तक बचाव दल पहुंचते हैं, तब तक काफी देर हो चुकी होती है।

काम समाप्त होने के बाद कारखाने में सो जाते थे मजदूर

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 8 दिसंबर।

रानी झांसी रोड पर कारखाने में काम करने वाले अधिकतर मजदूर रात को काम समाप्त होने के बाद वहीं सो जाते थे। मजदूरों ने बताया कि सुबह नौ बजे से रात के दस बजे तक काम चलता था। कारखाने में देर रात भी काम होता था। कारखाने के अंदर बैग सिलाई, टोपी बनाने, पिट्ठू बैग बनाने, स्टीकर लगाने के अलावा जैकेट बनाने का काम होता था। कुछ मजदूर काम करने के बाद बाहर होटल से खाना खाते थे। पर कुछ ऐसे भी मजदूर थे, जो वहीं बनाकर खाना खाते थे। मोहम्मद मुस्तफा ने बताया कि वह रात को खाना बना-खाकर सो गया था, लेकिन सुबह जब तड़के नींद खुली तो मंजर भयावह था।

एक महीने पहले ही गांव से लौटा राजू मजदूर

बिहार के रहने वाले मजदूरों की संख्या अधिक

मजदूर राजू के भाई मोहम्मद दुलारे ने बताया कि वह एक महीने पहले ही काम करने के लिए दिल्ली आया था। राजू भी उसके साथ आया था। वह भी उसी कारखाने में काम करता था और परिवार के साथ बुराड़ी में रहता था। शरिवार रात करीब साढ़े आठ बजे वह काम समाप्त कर बुराड़ी चला गया था। इसी बीच सुबह करीब छह बजे उसके पास गांव से फोन आया कि राजू ने बताया कि वह आग से झुलस गया है। उसके बाद फोन कट गया। कुछ समय बाद परिजनों ने उसके नंबर पर फोन किया तो किसी अन्य ने उठाया, लेकिन पता नहीं चला कि राजू की हालत कैसी है? परिजनों को यह भी पता नहीं था कि राजू अब जीवित है या फिर इस हादसे का शिकार हो गया है।

वहीं, मोहम्मद खालिद ने बताया कि वह बिहार का है। उसके गांव के परवेज (30), उसका छोटा भाई आदिल (13), गुलरेज (20) और अखलाख (24) कारखाने में काम करते थे। इस घटना के बाद किसी का कुछ पता नहीं है। परवेज अपने भाई आदिल को साथ रख कर पढ़ाता था। आदिल पास के ही ईदगाह में तालिम हासिल कर रहा था। पर इस घटना के बाद किसी का कुछ पता नहीं चल रहा था। परिवार के सदस्य जानकारी लेने के लिए एलएनजेपी अस्पताल पहुंचे थे, लेकिन उन्हें कोई सही जानकारी देने वाला नहीं था। वहीं, पुलिस का कहना है कि हादसे में जान गंवाने वाले अधिकतर मजूदर बिहार के बेगूसराय, मुजफ्फरपुर, मधुबनी, समस्तीपुर, सीतामढ़ी, दरभंगा के अलावा अररिया के थे। कुछ मजूदर उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद के थे।

अब तक की बड़ी घटनाएं

रानी झांसी रोड पर अवैध कारखाने में लगी आग से 43 मजदूरों की मौत से एक बार फिर दिल्ली दहल गई। हालांकि यह कोई पहली घटना नहीं है, जब आग ने दिल्ली में तबाही मचाई हो और असमय कई लोग मौत के मुंह में समा गए हों। राजधानी में साल 1997 में उपहार सिनेमा हॉल में 59 दर्शक आग में जिंदा जल गए थे। दिल्ली में अब तक की आग की बड़ी घटनाएं-

1. उपहार अग्निकांड
दक्षिण दिल्ली के ग्रीन पार्क स्थित उपहार सिनेमा में बॉर्डर फिल्म देखने के दौरान लगी भीषण आग में 59 दर्शकों की जान चली गई थी। यह घटना 13 जून, 1997 को घटी थी। घटना में 100 से अधिक लोग झुलस गए थे। सिनेमाघर के ट्रांसफॉर्मर रूम में शो के दौरान आग लग गई थी, जो तेजी से हॉल के अन्य हिस्सों में फैल गई थी.

2. करोलबाग होटल
करोलबाग में गुरुद्वारा रोड स्थित होटल अर्पित पैलेस में 12 फरवरी 2019 को आग लग गई थी। इसमें 17 लोगों की मौत हो गई थी और कई लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया था। शुरुआती जांच में सामने आया था कि आग लगने की वजह शार्ट सर्किट थी।

3. बवाना औद्योगिक क्षेत्र
बाहरी दिल्ली के बवाना औद्योगिक क्षेत्र में 21 जनवरी 2018 को सेक्टर-5 के एक पटाखा कारखाना भीषण आग लग गई थी। इस घटना में 17 मजदूरों की मौत हो गई थी और दो लोग घायल हो गए थे। मरे लोगों में नौ महिलाएं और एक नाबालिग लड़की भी शामिल थी।

4. दिलशाद कॉलोनी
दिल्ली के सीमापुरी इलाके में दिलशाद कॉलोनी में 7 जुलाई 2017 को आग लगने की घटना में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई थी। इस घटना में दो लोग गंभीर रूप से झुलस गए थे। आग शॉर्ट सर्किट से लगी थी।

5. नंदनगरी
20 नवंबर 2011 को नंदनगरी ई-2 ब्लाक में गगन सिनेमा के पास एक सामुदायिक भवन में अखिल भारतीय किन्नर समाज सर्वधर्म सम्मेलन के दौरान पंडाल में आग लगने से 14 किन्नरों की मौत हो गई थी, जबकि करीब 40 किन्नर झुलस गए थे।

6. जाकिर नगर
दक्षिणी पूर्वी दिल्ली में जाकिर नगर की एक इमारत में आग लगने से छह लोगों की मौत हो गई थी। इस हादसे में 11 लोग गंभीर रूप से झुलस गए थे। घटना इसी साल 6 अगस्त 2019 को घटी थी।

सीढ़ी के सहारे खिड़की काटकर लोगों को बचाया

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 8 दिसंबर।

रानी झांसी रोड पर घटनास्थल से कुछ दूरी पर रहने वाले मोहम्मद फरोज और आलम ने बताया कि ने बताया कि सुबह करीब पौने 5 बजे वह नमाज पढ़ने के लिए उठे। वह नमाज पढ़ने के लिए अपने घर से निकले ही थे कि उन्हें शोर और चिल्लाने की आवाज सुनाई दी। वे दोनों भागकर मौके पर पहुंचे तो देखा कि इमारत से धुआं निकल रहा था। दोनों ने तुरंत ही अपने कुछ साथियों को बुलाया, ये लोग भी नमाज पढ़ने जा रहे थे। आग के कारण ऊपर जाने का रास्ता नहीं मिला। वे लोग पड़ोस के घरों की छत पर चढ़े। उसके बाद उन्होंने दूसरे मकान से सीढ़ी मंगवाई और कटर मशीन से खिड़की काट कर दो मजदूरों को बाहर निकाला।

वहीं, इमारत के ठीम समाने वाले कारखाना में काम करने वाले मोहम्मद तौकीर ने बताया कि सुबह करीब 5 बजकर 15 मिनट पर वह मशीन पर काम कर रहा था। तभी तेजी से चिल्लाने की आवाज सुनाई दी। मशीन बंद कर बाहर निकाला तो देखा इमारत से धुंआ निकल रहा था। उसने भी शोर मचाकर आसपास के लोगों को मदद के लिए बुलाया। तुरंत ही भीड़ जमा हो गई। चारों तरफ अफरा-तफरी में लोग खुद को बचाने के लिए भाग रहे थे। उसने बताया कि अधिकतर लोग पानी डाल कर आग पर काबू पाने की कोशिश कर रहे थे। इसी बीच दमकल कर्मी भी पहुंच गए थे।

चाचा आग लग गई है, मुझे बचा लो

कारखाना में काम करने वाले मुशर्रफ ने अपने चाचा को सुबह करीब 5 बजे फोन किया था। उसने अपने चाचा से कहा कि चाचा यहां आग लग गई है। सब जगह पर धुंआ ही भरा हुआ है। वह फोन पर रोते-रोते बस एक बात बोल रहा था कि चाचा मुझे बचा लो। चाचा ने उसे कूदने के लिए कहा तो उसने कहा कि चाचा मैं बहुत ऊपर हूं और नीचे काफी बिजली के तार हैं। मुझे डर लग रहा है, मुझे बचा लो। उसके बाद उसका फोन बंद हो गया। इसके बाद वह अस्पताल गए, जहां उन्होंने मुशर्रफ की शिनाख्त की। वह करीब चार साल से यह पर काम कर रहा था। मुशर्रफ परिवार में इकलौता था। जिसपर परिवार को पालने का जिम्मा था।

ससुर और साले का कुछ पता नहीं

खानपुर निवासी ताज अहमद ने बताया कि कारखाना में ससुर जसिमुद्दिन और पत्नी का भाई फैजल भी काम करते थे। उसे सुबह छह बजे बिहार के रहने वाले शहनवाज से फोन पर हादसे की सूचना दी। सूचना मिलते ही वह तुरंत घटनास्थल पर पहुंचा। उन्होंने लोगों से अपने ससुर और साले के बारे में पूछा, लेकिन उन्हें उनके बारे में कोई जानकारी नहीं मिली। आगे उन्होंने बताया कि हर रविवार को उनके ससुर जसिमुद्दीन घर आते थे। दो दिन पहले ही जसिमुद्दीन की उनकी बेटी से बात हुई थी और उन्होंने कहा था कि मैं घर आऊंगा। उन्होंने बोला था कि 15 दिसंबर काम खत्म हो जाएगा उसके बाद ठेकेदार जुबैर से हिसाब कर वह आ जाएगा।

मौके से

दिल्ली की अनाज मंडी में रविवार सुबह लगी आग की घटना के बाद मौके पर जुटी भीड़ और बचाव-राहत के लिए मौजूद एजंसियों की गाड़ियां। एक युवक अपने लापता परिजनों का फोटो मोबाइल पर दिखाते हुए। (दाएं) *(सभी तस्वीरें : अरुष चोपड़ा)*

'नींद खुली तो चारों ओर धुआं ही धुआं था'

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 8 दिसंबर।

आग से झुलसे मजदूरों को लोक नायक जय प्रकाश (एलएनजेपी) अस्पताल में भर्ती कराया गया। इनमें से एक मजदूर मोहम्मद मुस्ताफा ने बताया कि वह रात करीब दो से ढाई बजे के बीच खाना बनाकर और खाकर सो गया था। इसी बीच तड़के 4:10 बजे उसकी नींद खुली तो उसने चिल्ला कर मदद मांगी। उसने बताया कि दूसरी मंजिल पर सभी ओर केवल धुआं ही धुआं था। कुछ भी दिख नहीं रहा था और वह आग की चपेट में आ गया। उसे जब होश आया तो उसने आपने आप को अस्पताल में पाया।

नजदूर मोहम्मद मुस्तफा ने बताया कि दूसरी मंजिल पर सभी ओर केवल धुआं ही धुआं था। कुछ भी दिख नहीं रहा था और वह आग की चपेट में आ गया। कुछ देर बाद जब होश आया तो उसने आपने आप को अस्पताल में पाया।

इसी प्रकार एक अन्य मजदूर साकिर ने गर्भवती पत्नी को फोन कर बताया कि कारखाने में भीषण आग लग गई है। बच पाना संभव नहीं है। हर कोई बचने के लिए इधर-उधर भाग रहा है, लेकिन कारखाने में धुआं इतना अधिक है कि बचने का कोई रास्ता नहीं दिख रहा है। उसके बाद उसकी आवाज आनी बंद हो गई। उसके भाई जाकिर हुसैन ने बताया कि वह एलएनजेपी अस्पताल आए हैं। उनके भाई जीवित हैं या नहीं इस बारे में कोई कुछ भी बताने को तैयार नहीं है। घटना के बाद से उनका नंबर भी बंद रहा है। जाकिर का कहना है कि उनका पूरा परिवार डर रहा है कि कहीं साकिर के साथ भी कोई अनहोनी तो नहीं हो गई। जाकिर का आरोप था कि वह अस्पताल के अंदर जाकर पता लगाना चाह रहा है कि उनका भाई भी घायल तो नहीं है। पर अस्पताल प्रशासन उसका कोई सहयोग नहीं कर रहा।

गिनती के अस्पतालों में ही जलने के मामले से निपटने के इंतजाम | **चीरफाड़** | निजी अस्पताल 30 फीसद से अधिक जले मरीजों को नहीं लेते

अग्निकांड से निपटने में दिल्ली के अस्पताल भी बेहाल

प्रतिभा शुक्ल
नई दिल्ली, 8 दिसंबर।

उपहार कांड सहित कितने बम धमाके जैसी आपदा झेल चुकी दिल्ली में जले लोगों के इलाज के इंतजाम अभी भी ऊंट के मुंह में जीरे के समान है जबकि यह देश की राजधानी है। इतना ही नहीं पूरे उत्तर भारत में जले या किसी विस्फोटक घटना के पीड़ितों के इलाज का और कहीं भी कोई इंतजाम नहीं, खासकर सरकारी अस्पतालों में। यहां तक कि अभी तक देश के शीर्ष संस्थान एम्स में बर्न (दग्ध) विभाग नहीं शुरू हो पाया है। जबकि निजी अस्पताल 30 फीसद से अधिक जले मरीजों को कानूनी मामला होने की वजह से लेते ही नहीं। जबकि जलने के मामले में ज्यादातर पीड़ित गरीब ही होते हैं।

अनाज मंडी की घटना से देश की राजधानी में स्वास्थ्य इंतजामों की एक बार फिर कलई खुली। यहां के गिनती के अस्पतालों में ही जले लोगों के इलाज के इंतजाम हैं। जिन अस्पतालों में बर्न विभाग है उनमें मुख्य रूप से सफदरजंग, एलएनजेपी, आरएमएल व जीटीबी अस्पताल हैं। जहां करीब 500 से 600 बिस्तरों की जरूरत हैं वहां महज 150 से 200 बिस्तर ही अभी तक हैं।

सफदरजंग अस्पताल

सफदरजंग अस्पताल में करीब 70 से 80 बिस्तरों का इंतजाम है जहां दो आइसीयू हैं। यह न केवल दिल्ली का बल्कि एशिया स्तर की गुणवत्ता वाला अस्पताल तो है लेकिन यह पूरे उत्तर भारत का अकेला अस्पताल है जहां बिहार, उत्तर प्रदेश, हरियाणा झारखंड ,राजस्थान,उत्तरांचल व उत्तरी मध्य प्रदेश तक से घायल आते हैं। यहां औसतन पांच से छह नए घायल रोज आते हैं। एक वरिष्ठ चिकित्सक ने बताया कि कम संसाधन होने की वजह से जिस मरीज को अस्पताल में हम पांच-छह दिन में ही छुट्टी दे देते हैं। फिर ओपीडी में बुला कर उसे आगे का इलाज देते हैं। सफदरजंग के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ वीके तिवारी का कहना है कि सफदरजंग के दूसरे वार्डों में जहां एक बिस्तर पर दो से तीन मरीजों का इलाज किया जाता है वहीं बर्न विभाग की मजबूरी है कि एक बिस्तर पर एक ही मरीज को रख सकते हैं।

एम्स

एम्स में अभी तक बर्न विभाग शुरू ही नहीं हो पाया है। हालांकि यहां के ट्रोमा सेंटर में 100 बिस्तरों का बर्न एंड प्लास्टिक सर्जरी विभाग बन रहा है जहां करीब 60 बिस्तर जले मरीजों के लिए होंगे बाकी प्लास्टिक सर्जरी के लिए होंगे। उम्मीद है कि अगले साल मार्च में यह विभाग चालू हो पाएगा। जिसमें तमाम आधुनिक सुविधाएं होंगी।

लोकनायक जयप्रकाश नारायण

दूसरे सबसे बड़े इंतजाम वाले इस अस्पताल में कुल करीब 100 बिस्तर है जिनमें से बर्न के लिए 60 बिस्तर हैं। इस अस्पताल में भी दिल्ली के अलावा दूसरे राज्यों के घायलों का बोझ है। हर महीने यहां 150 घायल आते हैं। इस अस्पताल में देश भर से उत्कृष्ट सेवा देने वाले डॉ आर बी आहूजा ने बताया कि वे 20 -30 साल तक लगातार कोशिश करते रहे कि अस्पताल में त्वचा बैंक खुल जाए क्योंकि जले मरीज के इलाज में सबसे बड़ी चुनौती त्वचा का मिलना है। लेकिन अस्पताल में त्वचा बैंक नहीं शुरू हो पाया। उन्होने बताया कि नकली त्वचा बहुत महंगी होती है। जो गरीब मरीज वहन नहीं कर पाते। हार कर उन्होंने यह अस्पताल छोड़ दिया एक निजी अस्पताल चले गए। यहां से डॉ आशीष राय सहित कई डॉक्टर छोड़ गए।

राममनोहर लोहिया अस्पताल

राम मनोहर लोहिया अस्पताल में पहले केवल बर्न यूनिट भर थी बाद में सफदरजंग के चिकित्सक को यहां लाकर विभाग शुरू किया गया लेकिन अभी तक भी इस अस्पताल में 28 बिस्तरों का वार्ड बन पाया है। बर्न के केवल 20 बिस्तर। यहां विभागाध्यक्ष सहित सात संकाय हैं। यहां के एक चिकित्सक ने बताया कि रोजाना के लिहाज से तो फिर भी हम संभाल लेते हैं लेकिन किसी आपदा की सूरत में इतने बिस्तर खाली पाना बड़ी चुनौती है। गुरु तेग बहादुर अस्पताल में 22 बिस्तरों व दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल छह बिस्तरों का इंतजाम है। जीटीबी अस्पताल में भी पूरे पश्चिमी उत्तर प्रदेश का बोझ तो है ही अन्य राज्यों के भी घायल लाए जाते है। इसके अलावा मध्य प्रदेश के इंदौर में जले मरीजों के इलाज का इंतजाम है।

www.readwhere.com

नहाते हुई महिला का अश्लील वीडियो बनाने पर हुआ था गिरफ्तार

पीड़िता की गला रेत कर हत्या की

कोरबा, 8 दिसंबर (भाषा)।

छत्तीसगढ़ में आरोपी द्वारा हंसिये से किए गए हमले में घायल हुई 35 वर्ष की महिला ने दम तोड़ दिया है। आरोपी महिला का पीछा करता था और उसने उसका अश्लील वीडियो भी बनाया था जिसको लेकर उसे पहले गिरफ्तार भी किया गया था। आरोपी इंद्रपाल तोंडे (40) जमानत पर था। उसी गत छह दिसंबर को उसने कोरबा में बुधवारी बजरंग चौक के पास काम पर जा रही महिला का गला रेत दिया था।

कोरबा पुलिस अधीक्षक जितेंद्र सिंह मीणा ने कहा, 'महिला को शनिवार शाम को कोरबा स्थित अस्पताल से बिलासपुर स्थित छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान में स्थानांतरित किया गया था लेकिन शनिवार और रविवार की दरमियानी रात को उसकी मौत हो गई।' उन्होंने कहा कि हमले के बाद तोंडे को गिरफ्तार करके न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था। महिला मुंगेली जिले की निवासी थी और पति से अलग हो गई थी। वह काम करती थी। पुलिस के अनुसार तोंडे ने महिला से प्रेम का इजहार किया था लेकिन महिला ने उसका प्रस्ताव ठुकरा दिया था। महिला के घर बदलने के बावजूद तोंडे पीड़िता को परेशान करता था। इस साल अक्तूबर में आरोपी ने कथित तौर पर महिला का गुप्त तरीके से नहाते हुए वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाल दिया था। मीणा ने कहा, 'महिला ने शिकायत दर्ज कराई थी और तोंडे को गिरफ्तार कर लिया गया था लेकिन कुछ दिन पहले उसे जमानत मिल गई थी। शुक्रवार (छह दिसंबर) को उसने महिला पर हंसिये से हमला किया। पास से गुजरने वाले कुछ लोगों ने महिला को बचाने की कोशिश की और तोंडे को पुलिस के हवाले करने से पहले पीटा था।'

माधव ने किया नागरिकता संशोधन विधेयक का बचाव

नई दिल्ली, 8 दिसंबर (भाषा)।

भाजपा महासचिव राम माधव ने नागरिकता संशोधन विधेयक (कैब) का बचाव करते हुए कहा कि पड़ोसी देशों में सताए गए अल्पसंख्यकों को नागरिकता देना भारत का कर्तव्य है क्योंकि वे धर्म के आधार पर देश का बंटवारा करने के फैसले के 'पीड़ित' हैं।

गौरतलब है कि लोकसभा में सोमवार को पेश किए जाने वाले नागरिकता संशोधन विधेयक (कैब) में कहा गया है कि पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से धार्मिक आधार पर सताए जाने के कारण आए गैर मुस्लिम शरणार्थियों के साथ अवैध प्रवासियों की तरह व्यवहार नहीं किया जा सकता और उन्हें विधेयक के तहत भारतीय नागरिकता दी जाएगी।

राजनीतिक दलों की ओर से की जा रही आलोचना का जवाब देते हुए माधव ने कहा कि इसी तरह का कानून आव्रजक (असम से निर्वासन) अधिनियम 1950 में पंडित नेहरू की तत्कालीन सरकार ने बनाया था। माधव ने कहा, 'मैं नागरिकता संशोधन विधेयक के आलोचकों को याद दिला दूं, नेहरू सरकार ने अवैध प्रवासियों को खासतौर पर पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) से आए लोगों को निर्वासित करने के लिए 1950 में इसी तरह का कानून बनाया था और उसमें स्पष्ट रूप से कहा गया था कि पूर्वी पाकिस्तान से आने वाले अल्पसंख्यक इसके दायरे में नहीं आएंगे।'

> • राजनीतिक दलों की ओर से की जा रही आलोचना का जवाब देते हुए माधव ने कहा कि इसी तरह का कानून आव्रजक (असम से निर्वासन) अधिनियम 1950 में पंडित नेहरू की तत्कालीन सरकार ने बनाया था।

माधव ने रेखांकित किया कि भारत ने उत्पीड़न के शिकार अल्पसंख्यकों के लिए हमेशा अपने दरवाजे खुले रखे। उन्होंने कहा, 'पड़ोसी देशों के सताए गए अल्संख्यक जिन्हें विधेयक में नागरिकता देने का प्रस्ताव है, वे देश को धार्मिक आधार पर बांटने के ऐतिहासिक फैसले के शिकार हैं और यह भारत का कर्तव्य है कि वह इन अल्पसंख्यकों को नागरिकता का अधिकार दे।' पूर्वोत्तर के राज्यों में पार्टी के रणनीतिकार माधव ने कहा कि सरकार और गृहमंत्री अमित शाह ने क्षेत्र के लोगों की आशंकाओं को दूर करने के लिए विभिन्न हितधारकों से गहन चर्चा की है।

उन्होंने कहा कि विधेयक के मद्देनजर जनसांख्यिकी, भाषा और संस्कृति में बदलाव सहित राज्यों की सभी आशंकाओं का सरकार निराकरण करेगी। सांसदों को वितरित नागरिकता (संशोधन) विधेयक - 2019 की प्रति के मुताबिक यह कानून परमिट क्षेत्र (आइएलपी) और जनजातीय क्षेत्रों में लागू नहीं होगा जहां पर संविधान की छठी अनुसूची के तहत शासन होता है। इसलिए यह कानून असम, मेघालय और त्रिपुरा के आदिवासी इलाकों और अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मिजोरम के आईएलपी इलाकों में लागू नहीं होगा।

विधेयक पारित हुआ तो जिन्ना के विचारों की जीत : थरूर

नई दिल्ली, 8 दिसंबर (भाषा)।

संसद में नागरिकता (संशोधन) विधेयक का पारित होना निश्चित तौर पर महात्मा गांधी के विचारों पर मोहम्मद अली जिन्ना के विचारों की जीत होगी। यह बात रविवार को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने कही।

थरूर ने कहा कि धर्म के आधार पर नागरिकता देने से भारत 'पाकिस्तान का हिंदुत्व संस्करण' भर बनकर रह जाएगा। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा सरकार 'एक समुदाय' को निशाना बना रही है और दूसरे धर्मों की तुलना में उस समुदाय के लोगों की उन्हीं स्थितियों में उत्पीड़न पर उन्हें शरण नहीं दे रही है। थरूर ने साक्षात्कार में कहा कि अगर विधेयक को संसद के दोनों सदनों द्वारा पारित किया भी जाता है तो उन्हें विश्वास है कि उच्चतम न्यायालय का कोई भी पीठ भारत के संविधान की मूल भावना का 'घोर उल्लंघन' नहीं होने देगा।

उन्होंने कहा, 'यह सरकार का शर्मनाक काम है जिसने पिछले वर्ष राष्ट्रीय शरणार्थी नीति बनाने पर चर्चा करने से इंकार कर दिया, जिसे मैंने निजी सदस्य विधेयक के तौर पर प्रस्तावित किया था और तत्कालीन गृह मंत्री, गृह राज्यमंत्री और गृह सचिव के साथ निजी तौर पर साझा किया था।' उन्होंने आरोप लगाया कि अचानक उन्होंने शरणार्थियों को नागरिकता देने के लिए आगे बढ़कर काम किया है, जबकि वास्तव में वे मूलभूत कदम भी नहीं उठाना चाहते जो अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत शरणार्थी दर्जा तय करने में सुधार या शरणार्थियों से अच्छा व्यवहार सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है। थरूर ने कहा, 'इससे स्पष्ट होता है कि यह महज कुटिल राजनीतिक चाल है ताकि भारत में एक समुदाय को निशाना बनाया जा सके। इससे हम पाकिस्तान का हिंदुत्व संस्करण भर रह जाएंगे।'

पीड़िता की बहन को नौकरी, भाई को हथियार लाइसेंस

पेज 1 का बाकी

परिवार के अन्य सदस्यों को 24 घंटे सुरक्षा मुहैया कराई जाएगी। पीड़िता के भाई की मांग के मुताबिक आत्मरक्षा के लिए उन्हें हथियार लाइसेंस दिया जाएगा।' पीड़िता की बहन ने सरकारी नौकरी दिए जाने की मांग की थी। सरकार ने उनकी मांग मान ली है। गांव में तनाव को देखते हुए अंतिम संस्कार के दौरान भारी तादाद में पुलिस और पीएसी को तैनात किया गया था। कानून व्यवस्था के मद्देनजर सीतापुर, हरदोई और लखनऊ से पुलिस फोर्स को उन्नाव बुलाया गया। इसके अलावा दो प्लाटून पीएसी को भी मौके पर तैनात किया गया। प्रदेश सरकार ने मामले की फास्ट ट्रैक कोर्ट में सुनवाई का फैसला किया है। रेप पीड़िता की बहन ने इससे पहले मीडिया से कहा, 'जब तक योगीजी यहां नहीं आते हैं मैं अपनी बहन का दाह संस्कार नहीं करूंगी। मैं योगीजी से व्यक्तिगत रूप से बात करना चाहती हूं। मैं चाहती हूं कि आरोपी फांसी के फंदे पर लटकाएं जाएं।' प्रशासन के समझाने पर परिवार मान गया और पीड़िता का अंतिम संस्कार कर दिया गया।

लोकसभा में आज पेश होगा नागरिकता संशोधन विधयेक

पेज 1 का बाकी

दस दिसंबर को 11 घंटे के बंद का आह्वान किया है। नागरिकता (संशोधन) विधेयक, 2019 के मुताबिक पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान में धार्मिक उत्पीड़न के कारण 31 दिसंबर 2014 तक भारत आए हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई समुदाय के लोगों को अवैध शरणार्थी नहीं माना जाएगा, बल्कि उन्हें भारतीय नागरिकता दी जाएगी। यह विधेयक 2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों में भाजपा का चुनावी वादा था। भाजपा नीत राजग सरकार ने अपने पूर्ववर्ती कार्यकाल में इस विधेयक को लोकसभा में पेश किया था और वहां पारित करा लिया था। लेकिन पूर्वोत्तर राज्यों में प्रदर्शन की आशंका से उसने इसे राज्यसभा में पेश नहीं किया। पिछली लोकसभा के भंग होने के बाद विधेयक की मियाद भी खत्म हो गयी। इसीलिए अब इसे नए सिरे से पेश किया जा रहा है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने हाल ही में कहा कि उनकी पार्टी इस विधेयक का पुरजोर विरोध करेगी। कांग्रेस की अगुआई में हाल ही में हुई करीब एक दर्जन विपक्षी दलों की बैठक में तय किया गया कि संसद के दोनों सदनों में इस विधेयक का जोरदार विरोध किया जाएगा। कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी नेताओं का यह कहना है कि यह विधेयक संविधान और भारत की मूल भावना के खिलाफ है।

माना जा रहा है कि लोकसभा में सत्तारुढ़ दल को प्रचंड बहुमत को देखते हुए इस विधेयक के पारित होने में किसी बाधा की कोई गुंजाइश नहीं है जबकि राज्यसभा में भी कई मुद्दों पर भाजपा को अपने सहयोगी दलों के अलावा बीजू जनता दल, टीआरएस, वाईएसआर कांग्रेस आदि दलों का समर्थन मिला है।

> • कांग्रेस पार्टी इस देश में किसी के साथ किसी भी तरह के भेदभाव के खिलाफ है। लिहाजा, जो भी किसी भरतीय के साथ भेदभाव करता है, हम उसके खिलाफ हैं। यही हमारा मानना है। हमारा मानना है कि भारत सभी समुदायों, धर्मों और संस्कृतियों के लिए है। कई विपक्षी दल नागरिकता (संशोधन) विधेयक का विरोध कर रहे हैं। उनका मानना है कि यह विधेयक साम्प्रदायिक और विभाजनकारी है।
>
> **राहुल गांधी, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष**
>
> • यह विधेयक आइडिया ऑफ इंडिया की मूल भावना को नुकसान पहुंचाता है। यदि आप नागरिकता देना चाहते हैं तो सभी को दीजिए।
>
> **डेरेक ओ ब्रायन, राष्ट्रीय प्रवक्ता तृणमूल कांग्रेस**

कैब के खिलाफ कल बुलाए गए बंद को आपसू का समर्थन

ईटानगर, 8 दिसंबर (भाषा)।

ऑल अरुणाचल प्रदेश छात्र संघ (आपसू) ने नागरिकता (संशोधन) विधेयक-2019 के खिलाफ मंगलवार को एनइएसओ की ओर से पूर्वोत्तर राज्यों में बुलाए गए बंद का समर्थन किया है।

आपसू ने रविवार को राज्य के लोगों से अपील की कि वे इस प्रदर्शन का समर्थन करें। पूर्वोत्तर राज्यों के सभी छात्र निकाय पूर्वोत्तर छात्र संगठन (एनइएसओ) के घटक हैं। एनईएसओ ने मंगलवार को सुबह पांच बजे से लेकर शाम चार बजे तक बंद का आह्वान किया है। हालांकि, हॉर्नबिल उत्सव के मद्देनजर नगालैंड को बंद से बाहर रखा गया है।

आपसू के उपाध्यक्ष मिजे टाकू ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'एनईएसओ के घटक आपसू ने राज्य की सभी इकाइयों को निर्देश दिया है कि वे आवश्यक मानव बल की व्यवस्था कर बंद की सफलता सुनिश्चित करें। हम लोगों से भी अपील करते हैं कि वे स्वेच्छा से हमारा सहयोग करें और बंद का समर्थन करें।' विधेयक को केंद्र द्वारा क्षेत्र के लोगों को बांटने की कोशिश करार देते हुए टाकू ने कहा कि पहले दिन से आपसू का कैब पर रुख साफ है। अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड और मिजोरम जहां पर इनर लाइन परमिट (आइएलपी) प्रणाली अस्तित्व में है और असम, मेघालय और त्रिपुरा के आदिवासी इलाके जहां पर संविधान की छठी अनुसूचित के तहत शासन होता है, कैब लागू नहीं होगा।

संकरी गलियां और तारों के मकड़जाल से हुआ बड़ा हादसा

पेज 1 का बाकी

लगने के समय ज्यादातर लोग सो रहे थे। चारों तरफ मची अफरा-तफरी में फंसे लोग चार मंजिला इमारत की उन सीढ़ियों की तरफ भागे जहां आने और जाने का सिर्फ एक ही रास्ता था। रास्ते पर भीड़ बढ़ती गई और लोग वहीं फंस कर रह गए। देखते देखते जहरीले धुएं ने लोगों का दम घोंट दिया और जो इमारत में फंसे जो कुछ लोग बच गए वे अस्पताल में जिंदगी और मौत की जंग लड़ रहे हैं।

मौका ए वारदात स्थल पर बचाव कार्य में जुटे एनडीआरएफ और दिल्ली अग्निशमन विभाग के कर्मचारियों के साथ स्थानीय लोगों गुलशन खान और गगन सिंह का कहना था कि पुरानी दिल्ली के इस सघन इलाके की सबसे बड़ी खामी यहां के खंभों पर लटकते हुए तार हैं। लगातार खतरनाक बने इन तारों से आने वाले समय में भी शार्ट सर्किट की वजह से आग लगने से इंकार नहीं किया जा सकता। राजधानी दिल्ली की खूबसूरती में बदरंग बने इस दिशा में अब तक कोई मुकम्मल कार्रवाई नहीं होना भी हादसे का कारण है। इलाके के इन दोनों व्यक्तियों का यह भी तर्क था कि जब रिहाईसी इलाके में छोटी फैक्टरियां पर पाबंद है और सुप्रीम कोर्ट की निगरानी समिति इसकी देखरेख कर सीलिंग और तोड़फोड़ कर रही है तब ऐसे सख्ती के बाबजूद मौत की यह फैक्टरी बिना सरकारी अधिकारियों की मिलीभगत से कैसे चल सकती है। जांच के बाद दोषी अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। जबकि दिल्ली अग्निशमन विभाग के प्रमुख अतुल गर्ग ने बताया कि बिल्डिंग में आग से निपटने के सुरक्षा इंतजाम नहीं थे और न ही आग बुझाने के उपकरण लगाए गए थे। बिना विभाग के एनओसी के इतनी बड़ी फैक्टरी कैसे चलाई जा रही थी यह जांच का विषय है।

देश की राजधानी दिल्ली में रविवार का दिन बड़ा मनहूस साबित हुआ। सूर्य की किरणें भी नहीं निकली थीं कि भीषण आग की लपटों में 43 जिंदगियां खाक हो गईं। रानी झांसी रोड के बांके विहारी खाटू श्याम मित्र मंडल के गुंबद नुमा इस प्रवेश द्वार पर दमकल की गाड़ियां आग बुझाने तो पहुंचीं लेकिन रास्ता काफी संकरा होने से गाड़ियां अंदर नहीं जा सकी। एक छोटी गाड़ी को अंदर भेजा गया और अन्य बड़ी गाड़ियों को 500 मीटर पहले ही खड़ी कर बचाव अभियान शुरु किया गया तो देखा गया कि दरवाजा बाहर से बंद था और अंदर से लोग बचाओ-बचाओ की गुहार लगा रहे थे। बचाव दल दरवाजा तोड़कर लोगों को बाहर निकालना शुरू किया तो कई लोग बेहोशी की हालत में इधर उधर पड़े मिले। दरवाजे में बाहर से ताला लगे होने को भी इतनी अधिक संख्या में मौत की वजह माना जा रहा है।राजधानी की खूबसूरती पर बदनुमा दाग लगाने वाले रिहायशी इलाके में चलाए जा रहे अवैध फैक्टरी का दंश रविवार सुबह लोगों को फिर देखने को मिला। पूरा इलाका ऐसे अवैध और छोटी यूनिट से भरा हुआ है। केंद्र सरकार के अनधिकृत कालोनियों के नियमितीकरण की अधिसूचना के बाद शनिवार को ही उत्तरी दिल्ली नगर निगम की विशेष बैठक बुलाकर 121 घरेलू उद्योगों को दी जाने वाली लाइसेंस के लिए आनलाइन सेवा के शुरुआत की घोषणा के दूसरे दिन छोटी फैक्टरी से ही इतना बड़ा हादसा सामने आया।

कारखाने में आग, 43 की मौत

पेज 1 का बाकी

गिरफ्तार किया है। इस अग्निकांड में मारे गए मृतकों के परिजनों को दिल्ली सरकार 10-10 लाख, केंद्र सरकार दो-दो लाख, बिहार सरकार दो-दो लाख और दिल्ली भाजपा की तरफ से पांच-पांच लाख रुपए मुआवजे की घोषणा की गई है। इस तरह कुल 19 लाख रुपए मुआवजा दिया जाएगा। इसके साथ ही गंभीर रूप से घायलों को दिल्ली सरकार एक-एक लाख रुपए, प्रधानमंत्री राहत कोष से 50-50 हजार और भाजपा 25-25 हजार रुपए की आर्थिक मदद देगी। घटनास्थल पर पहुंचे बिहार सरकार के मंत्री संजय झा ने बताया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी इस अग्निकांड में मारे गए बिहार के लोगों को दो-दो लाख मुआवजा देने का एलान किया है। घटना के प्रति शोक जताते हुए उन्होंने कहा कि बिहार के जितने लोग इस हादसे में मारे गए हैं, उनके नजदीकी परिजनों को आर्थिक मदद की जाएगी और उनके शवों को घर पहुंचाने का इंतजाम किया जाएगा।

घटनास्थल पर दिल्ली अग्निशमन की 36 गाड़ियां और अन्य बचाव दल के साथ ही एनडीआरएफ की टीमें भी बिल्डिंग में फंसे लोगों को बाहर निकालने के काम में दोपहर तक लगी रहीं। हादसे में दिल्ली पुलिस और दिल्ली अग्निशमन विभाग के भी दो-दो कर्मचारी झुलस गए और उनका इलाज अस्पताल में चल रहा है।

दिल्ली अग्निशमन विभाग के प्रमुख अतुल गर्ग ने बताया कि रविवार सुबह 5.22 बजे आग लगने की सूचना मिली। मौके पर पहुंचे बचाव दल के सदस्यों ने आग बुझाते हुए 63 लोगों को बाहर निकालकर तुरंत अस्पताल पहुंचाया। इनमें 43 लोगों को मृत घोषित कर दिया गया जबकि गंभीर रूप से झुलसे 20 लोगों का इलाज चल रहा है। बाद में घटनास्थल से और लोगों को भी अस्पताल पहुंचाया गया, जिनमें कुछ की हालत गंभीर बनी हुई है। अग्निशमन विभाग के मुताबिक इन इकाइयों के पास दमकल विभाग का अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) नहीं था। इलाके के संकरे होने के कारण बचाव काम को अंजाम देने में अग्निशमन दल को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। आग लगने के समय कई मजदूर गहरी नींद में थे। बिल्डिंग में हवा आने-जाने की उचित व्यवस्था नहीं थी इसलिए कई लोगों की जान दम घुटने से चली गई।

घटनास्थल पर मौजूद स्थानीय लोगों ने बताया कि दस साल पहले रहीम खान नामक व्यक्ति ने छह सौ गज की यह जमीन यहां खरीदी थी। बाद में उन्होंने अपने तीन बेटों शाने इलाही, रेहान और इमरान को दो-दो सौ गज जमीन बांट दी। बाड़ा हिंदू राव इलाके में अपने परिवार के साथ रह रहे इन तीनों भाईयों ने यहां भूतल के साथ चार से छह मंजिल की बिल्डिंग बनाई और छोटे-छोटे कमरे में कपड़े, गत्ते और प्लास्टिक बैग, पिचकारी बनाने की फैक्टरियां डाल दीं।

शनिवार रात जिस बिल्डिंग में आग लगी, वह हिस्सा रेहान का है जिसकी दूसरी मंजिल पर शार्ट सर्किट से आग लगना माना जा रहा है। आग ने आसपास की इमारतों को भी अपनी चपेट में ले लिया। पुलिस ने शुरुआती पड़ताल के बाद फैक्टरी मालिक रेहान के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। इसके अलावा रेहान के पिता रहीम को भी पुलिस के हिरासत में लेकर पूछताछ शुरु कर दी है। पड़ोस में रहने वाले सिराज ने बताया कि आग लगने के बाद सिर्फ धुंआ दिखाई दे रहा था और इसकी चपेट में आने से ही ज्यादातर लोगों की मौत हुई। बिल्डिंग के हर छोटे-छोटे कमरे में पांच से दस मजदूर रहते थे और यहीं उनका खाना और रहना होता था। स्थानीय लोगों ने बताया कि हादसे वाली बिल्डिंग और उसके पास की बिल्डिंग में चार सौ से पांच सौ लोग रहते हैं।

घटना के बाद घायलों को देखने के लिए केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी, अनुराग ठाकुर, भाजपा सांसद मनोज तिवारी और विजय गोयल, मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सतेंद्र जैन लोक नायक जयप्रकाश नारायण अस्पताल पहुंचे। जबकि बिहार सरकार के जल संसाधन मंत्री संजय झा और निगम में विपक्ष के नेता रहे पार्षद राकेश कुमार सहित कई नेता घटनास्थल स्थल पर पहुंचे और घटना के लिए एक दूसरे सरकार की कामकाज के तरीके को दोषी बताया। उत्तरी दिल्ली के मेयर अवतार सिंह ने कहा कि उन्होंने नगर निगम आयुक्त से एक टीम का गठन करने, घटनास्थल का दौरा करने और आग लगने के कारण का पता लगाने का निर्देश दिया है। इससे पहले दिल्ली के राजस्व मंत्री कैलाश गहलोत ने जिला मजिस्ट्रेट (मध्य) को जांच करने और सात दिन के अंदर रिपोर्ट देने का निर्देश दिया है।

स्थानीय लोगों ने यह भी बताया कि जहां पर आग लगी वहां पर तीन मंजिला बिल्डिंग में चल रही एक ही कंपनी में सौ से ज्यादा लोग काम कर रहे थे। कंपनी में अलग-अलग फ्लोर पर तीन कंपनियां संचालित हो रही थीं। बताया जा रहा है कि यहां काफी लोग कंपनी में रात में रहते भी थे। ज्यादातर लोग घटना के समय सो रहे थे। पड़ोस में रह रहे जितेंद्र कुमार सिंह और मोहम्मद तमन्ने ने बताया कि इलाके का नाम अनाज मंडी है लेकिन यहां कोई अनाज नहीं बेचता। यहां सैलून का सामान बेचा जाता है। छोटे बच्चों से काम करवाया जाता है पिछले सप्ताह ही इस इलाके से 75 बच्चों को छुड़वाया गया था। जबकि पड़ोसी सिराज ने बताया कि नगर निगम और दिल्ली सरकार के अधिकारियों से मिलीभगत कर यह फैक्टरी अवैध रुप से चलाई जा रही थी।

हैदराबाद मामला : एनएचआरसी की टीम ने दर्ज किए आरोपियों के परिजनों के बयान

पेज 1 का बाकी

से शहर लाया गया था और आयोग की टीम ने उनके बयान दर्ज किए।उन्होंने कहा कि टीम से बात करने के बाद संवाददाताओं को पीड़िता के पिता ने बताया कि उन्होंने (आयोग की टीम ने) हमारी समस्याओं के बारे में और घटना कैसे हुई, इस बारे में पूछा...। उन्होंने बताया कि परिवार को टीवी चैनलों से मुठभेड़ की खबर मिली। इससे पहले पीड़िता की कॉलोनी के कुछ लोगों ने आयोग का विरोध भी किया। आरोपियों के परिजन ने पुलिस कार्रवाई पर रविवार को फिर रोष जाहिर किया। एक आरोपी की बहन ने कहा कि पुलिस ने ऐसा दबाव में आकर किया। पुलिस के अधिकारी ने बताया कि एनएचआरसी टीम की जांच जारी है। शुक्रवार तड़के हुई मुठभेड़ को लेकर पुलिस की कार्रवाई के बारे में बहस छिड़ने के एक दिन बाद आयोग ने तथ्य का पता लगाने के लिए एक टीम को भेजा था।

अपनों की एक झलक पाने के लिए व्याकुल दिखे परिजन

पेज 1 का बाकी

गया है, जिसके माध्यम से अपनों के बारे में सही जानकारी मिल सके।

बिहार के सीतामढ़ी की नूरजहां के पिता एलनूल नदाम को भी एलएनजेपी अस्पताल में झुलसी हुई स्थिति में लाया गया था। पर अपने पिता की एक झलक पाने के लिए व्याकुल दिखी। रो-रो कर उसका बुरा हाल था। परिवार के अन्य सदस्य उसका ढांढस बांध रहे थे। काफी मशक्कत के बाद सुरक्षाकर्मियों ने उसे अस्पताल के अंदर जाने के लिए दिया, लेकिन अस्पताल के वार्ड में कोई ऐसी व्यवस्था नहीं थी कि जिससे वह अपने पिता तक पहुंच सके। उसने बताया कि अंदर जाने के बाद डॉक्टर और नर्स ने उसे सही जानकारी नहीं दी। यही कारण है कि कुछ समय बाद वह बिना पिता को देखे ही वार्ड से बाहर निकल आई। इस आग की चपेट में आने से उसका एक रिश्तेदार मोहम्मद अब्बास भी झुलस गया था।

दिल्ली आग : राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, सोनिया-राहुल ने जताया दुख

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 8 दिसंबर।

दिल्ली के अनाज मंडी इलाके में एक कारखाने में लगी आग से 43 लोगों की दर्दनाक मौत पर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सहित तमाम गणमान्य लोगों ने अपना दुख प्रकट किया है और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

राष्ट्रपति कोविंद ने अपने एक ट्वीट में कहा कि दिल्ली की अनाज मंडी में आग लगने की दुखद खबर सुनकर बहुत पीड़ा हुई है। मेरी गहन संवेदना प्रभावित परिवारों के साथ है। मैं घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। स्थानीय प्रशासन लोगों को बचाने की भरसक कोशिश कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट किया कि दिल्ली के रानी झांसी रोड पर अनाज मंडी क्षेत्र में आग लगने की घटना बेहद भयानक है। मृतकों के परिवारों के साथ मेरी संवेदनाएं हैं। मैं घायलों के जल्द सेहतमंद होने की कामना करता हूं। घटनास्थल पर अधिकारी हर संभव मदद मुहैया करा रहे हैं।

गृह मंत्री अमित शाह ने एक ट्वीट किया कि दिल्ली में आग लगने की घटना में अनमोल जीवनों की क्षति हुई है। अपने प्रियजन को खोने वाले परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं। मैं झुलसे लोगों के तेजी से ठीक होने की कामना करता हूं। संबंधित अधिकारियों को तत्काल हर संभव सहायता मुहैया कराने का निर्देश दिया गया है।

कांग्रेस पार्टी की ओर से जारी बयान के अनुसार कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने भयावह घटना में मारे गए लोगों के परिवार और उनके प्रियजन के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने अधिकतम लोगों का जीवन को बचाय जाने और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की उम्मीद जाहिर की। उन्होंने केन्द्र और राज्य सरकारों से पीड़ितों और मृतकों के परिवार को हर संभव मदद मुहैया कराने की अपील भी की।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने इस घटना के बारे में ट्वीट किया कि दिल्ली के अनाज मंडी में भीषण आग लगने से कई लोगों की मौत और अनेक लोगों के घायल होने की खबर से आहत हूं। मृतकों के परिवारों के प्रति मैं अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट किया कि बेहद दुखद। बचाव अभियान जारी है और दमकलकर्मी हर संभव प्रयास कर रहे हैं। आग में झुलसे लोगों को अस्पताल ले जाया जा रहा है।

भारत आर्थिक सुस्ती के चंगुल में : रघुराम राजन

पेज 1 का बाकी

गलती कहां हुई है, हमें सबसे पहले मौजूदा सरकार के केंद्रीकृत स्वरूप से शुरुआत करने की आवश्यकता है। निर्णय प्रक्रिया ही नहीं, बल्कि इस सरकार में नए विचार और योजनाएं जो भी सामने आ रही हैं, वे सब प्रधानमंत्री के इर्दगिर्द रहने वाले लोगों और प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) से जुड़े लोगों तक ही सीमित हैं।'

राजन ने लिखा है, 'यह स्थिति पार्टी के राजनीतिक और सामाजिक एजंडे के हिसाब से तो ठीक काम कर सकती है। क्योंकि इस स्तर पर सभी चीजें स्पष्ट तरीके से तय हैं और इन क्षेत्रों में इन लोगों के पास विशेषज्ञता भी है। लेकिन आर्थिक सुधारों के मामले में यह इतने बेहतर तरीके से काम नहीं कर सकती है। क्योंकि इस मामले में शीर्ष स्तर पर कोई सुसंगत स्पष्ट एजंडा पहले से तय नहीं है, इसके साथ ही राज्य स्तर के मुकाबले राष्ट्रीय स्तर पर अर्थव्यवस्था किस तरह से काम करती है, इसके बारे में भी जानकारी का अभाव है।'

उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारें बेशक अव्यवस्थित गठबंधन थीं, लेकिन उन्होंने आर्थिक उदारीकरण के क्षेत्र में लगातार काम किया। राजन ने कहा, 'सत्ता का अत्यधिक केंद्रीकरण, मजबूत और सशक्त मंत्रियों का अभाव और एक सरल एवं स्पष्ट दिशा वाली दृष्टि की कमी से यह सुनिश्चित हुआ है कि कोई भी सुधार तब ही रफ्तार पकड़ता है जबकि पीएमओ उस पर ध्यान देता है, लेकिन जब पीएमओ का ध्यान दूसरे अहम मुद्दों की तरफ रहता है तो ये मुद्दे पीछे रह जाते हैं।'

उन्होंने लिखा है कि मोदी सरकार न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन के नारे के साथ सत्ता में आई थी। इस नारे का गलत मतलब लिया जाता है। इसका मतलब यह है कि सरकार चीजों को अधिक दक्षता से करेगी न कि लोगों और निजी क्षेत्र को अधिक करने की आजादी होगी। सरकार आटोमेशन की दिशा में बेहतर अभियान चला रही है। लाभार्थियों को सीधे उनके खाते में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। कई क्षेत्रों में सरकार की भूमिका बढ़ी है, सिकुड़ी नहीं है।' राजन ने कहा कि आर्थिक सुस्ती को दूर करने की शुरुआत के लिए यह जरूरी है कि मोदी सरकार सबसे पहले समस्या को स्वीकार करे।

उन्होंने कहा कि भारत आर्थिक मंदी के घेरे में है। 'शुरुआती बिंदु यह है कि समस्या कितनी बड़ी है उसे समझा जाए, प्रत्येक आंतरिक या बाहरी आलोचक को राजनीतिक मंशा से प्रेरित नहीं बताया जाना चाहिए। यह मानना कि समस्या अस्थायी है और बुरी खबरों को दबाने और सुविधाजनक सर्वे के जरिए इसका हल किया जा सकेगा, यह सब बंद करना होगा।' राजन ने कहा है कि गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों यानी एनबीएफसी की संपत्तियों की गुणवत्ता की समीक्षा की जानी चाहिए। कॉरपोरेट और परिवारों को दिया गया कर्ज बढ़ रहा हैं। वित्तीय क्षेत्र के कई हिस्से गंभीर दबाव में हैं। बेरोजगारी के मामले में उन्होंने कहा कि युवाओं के बीच यह बढ़ रही है। इससे युवाओं के बीच असंतोष भी बढ़ रहा है। 'घरेलू उद्योगजगत नया निवेश नहीं कर रहा है और यह स्थिति इस बात का पुख्ता संकेत देती है कहीं कुछ बहुत गलत हो रहा है।'

महिलाओं को सुरक्षित महसूस कराने में पुलिस की भूमिका अहम : मोदी

पेज 1 का बाकी

ने अपने कर्तव्य का निर्वहन करने के दौरान पुलिस के सामने आने वाली चुनौतियों व दबाव को भी स्वीकार किया।

बयान में कहा गया, 'हालांकि, उन्होंने कहा कि जब भी वे संशय में हों उन्हें उन आदर्शों और उन भावों को याद करना चाहिए जिसके साथ वे सिविल सेवा की परीक्षाओं में शामिल हुए थे और राष्ट्र हित में काम करते हैं और इस दौरान उन्हें समाज के अति कमजोर और अत्यंत गरीब वर्गों के कल्याण को ध्यान में रखना चाहिए।' मोदी ने पूर्वोत्तर राज्यों के विकास में उनकी विशेष दिलचस्पी जाहिर की जो सरकार की पूर्वोन्मुखी नीति के लिए महत्त्वपूर्ण है और इन राज्यों के डीजीपी से विकास कार्यक्रमों के लिए हितकर माहौल बनाने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने की अपील की।

नई दिल्ली

www.readwhere.com

खबर कोना

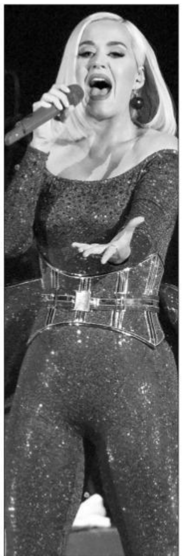

रोसमोंट (अमेरिका) में एक कार्यक्रम के दौरान पॉप गायिका कैटी पेरी।

गणतंत्र दिवस पर अमेरिका में आकर्षण का केंद्र होंगे आनंद कुमार

वाशिंगटन, 8 दिसंबर (भाषा)।

गरीब बच्चों को 'सुपर 30' कोचिंग के जरिए इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा की तैयारी कराने वाले लोकप्रिय गणित शिक्षक आनंद कुमार को अगले साल गणतंत्र दिवस के अवसर पर अप्रवासी भारतीय लोगों के एक संगठन ने न्यूयार्क में आमंत्रित किया है। फेडरेशन ऑफ इंडियन एसोसिएशन (एफआइए) 2020 में बड़े पैमाने पर गणतंत्र दिवस का आयोजन कर रहा है क्योंकि अप्रवासी भारतीयों के इस पुराने संगठन के 50 साल भी पूरे हो रहे हैं। एफआइए के अध्यक्ष आलोक कुमार ने शनिवार को एक बयान में कहा, एफएआइ 2020 में 50 साल का हो रहा है और हमने काफी विचार के बाद आनंद कुमार के नाम पर सहमति बनाई है क्योंकि उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में बड़ा काम किया है और उनका काम पूरी दुनिया में चर्चा का विषय है जिस पर प्रत्येक भारतीय को गर्व है।

शरजाह में छत से गिरकर भारतीय लड़की की मौत

दुबई, 8 दिसंबर (भाषा)।

संयुक्त अरब अमीरात के शरजाह में एक भवन के दसवें तल से गिरकर 15 वर्षीय भारतीय लड़की की मौत हो गई। मीडिया में यह खबर आई है। पुलिस ने शनिवार को कहा कि शारजाह के इंडियन स्कूल में पढ़ने वाली यह लड़की शुक्रवार को इमारत से गिरकर घायल हो गई थी तथा उसे अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। गल्फ न्यूज के अनुसार एक अधिकारी ने कहा कि पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि कहीं यह आत्महत्या का मामला तो नहीं है। खबर के अनुसार शरजाह पुलिस जांच कर रही है कि किस वजह से यह घटना घटी। अभियोजकों ने लड़की के शव का अपराध विज्ञान प्रयोगशाला में परीक्षण कराने का आदेश दिया है। पुलिस ने लड़की के माता-पिता को पूछताछ के लिए तलब किया है। 'इंडियन एसोसिएशन इन शरजाह' के अध्यक्ष ईपी जॉनसन ने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। मैं परिवार के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करता हूं।

श्रीलंका में भारी बारिश से हजारों लोग विस्थापित

कोलंबो, 8 दिसंबर (भाषा)।

तमिल बहुल उत्तरी और पूर्वी श्रीलंका में हुई भारी बारिश के बाद आई बाढ़ के कारण करीब 10,000 लोग विस्थापित हुए हैं जबकि हजारों लोग प्रभावित हुए हैं। दैनिक कोलंबो पेज में रविवार को प्रकाशित खबर के मुताबिक पिछले कई हफ्तों से श्रीलंका में बारिश हो रही है और उत्तरी और पूर्वी प्रांत में हालात गंभीर है। आपदा प्रबंधन केंद्र की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक पूर्वी प्रांत में बाढ़ से 79,000 लोगा प्रभावित हुए हैं और 798 परिवारों के 2,507 लोगों को विस्थापित होना पड़ा है। अखबार के मुताबिक उत्तरी प्रांत के पांच जिलों में भी बाढ़ से 64,448 लोग प्रभावित हुए हैं और 2,611 परिवारों के 8,478 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है। सभी विस्थापित को 56 राहत शिविरों में रखा गया है। सरकार ने राहत शिविरों में रह रहे लोगों को तैयार भोजन और दोस्तों एवं रिश्तेदारों के यहां आश्रय लिए लोगों को राशन मुहैया कराने के लिए 17 लाख श्रीलंकाई रुपए जारी किए हैं। उत्तरी प्रांत के जिला सचिवालय ने आपदा प्रबंधन केंद्र से 1.62 करोड़ श्रीलंकाई रुपए की मांग की है। इस बीच, श्रीलंका के मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में भारी बारिश की संभावना जताई है और लोगों को सतर्क रहने को कहा है।

कश्मीर मामले पर अमेरिकी संसद में भारतीय मूल की सांसद ने प्रस्ताव रखा

वाशिंगटन, 8 दिसंबर (भाषा)।

भारतीय अमेरिकी सांसद प्रमिला जयपाल ने अमेरिकी संसद में जम्मू-कश्मीर पर एक प्रस्ताव पेश करते हुए भारत से वहां लगाए गए संचार प्रतिबंधों को जल्द से जल्द हटाने और सभी निवासियों की धार्मिक स्वतंत्रता संरक्षित रखे जाने की अपील की।

जयपाल द्वारा कई सप्ताह के प्रयासों के बाद प्रतिनिधिसभा में पेश किए गए इस प्रस्ताव को कंसास के रिपब्लिकन सांसद स्टीव वाटकिंस के रूप में केवल एक सदस्य का समर्थन प्राप्त है। यह केवल एक प्रस्ताव है, जिस पर दूसरे सदन में वोट नहीं किया जा सकता और यह कानून नहीं बनेगा। प्रस्ताव में भारत से पूरे जम्मू-कश्मीर में संचार सेवाओं पर लगे प्रतिबंधों को हटाने और इंटरनेट सेवाओं को बहाल करने की अपील की गई है।

भारत सरकार के पांच अगस्त को जम्मू-कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को हटाने और उसे केंद्र शासित प्रदेश घोषित करने के बाद से ही वहां कई प्रकार के प्रतिबंध लगे हुए हैं। इस प्रस्ताव को पेश किए जाने से पूर्व अमेरिका भर से भारतीय मूल के अमेरिकियों ने विभिन्न मंचों से इसका विरोध किया था।

समझा जाता है कि उनके कार्यालय को इस प्रस्ताव को पेश नहीं करने के लिए भारतीय अमेरिकियों के 25 हजार से अधिक ईमेल प्राप्त हुए। भारतीय अमेरिकियों ने कश्मीर पर प्रस्ताव पेश करने के उनके कदम के खिलाफ उनके कार्यालय के बाहर शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन भी किया।

प्रमिला जयपाल भारतीय अमेरिकी सांसद ने संचार प्रतिबंधों को जल्द हटाने और धार्मिक स्वतंत्रता संरक्षित रखे जाने की अपील की

प्रमिला जयपाल ने ट्वीट किया, कल, मैंने स्टीव वाटकिंस के साथ मिलकर सदन में एक प्रस्ताव पेश किया और भारत सरकार से जम्मू-कश्मीर में संचार प्रतिबंधों को जल्द से जल्द हटाने और सभी निवासियों की धार्मिक स्वतंत्रता संरक्षित रखे जाने की अपील की। उन्होंने कहा, मैंने अमेरिका-भारत के विशेष संबंध को मजबूत करने की लड़ाई लड़ी है, जिस वजह से मैं बेहद चिंतित हूं। लोगों को बिना किसी आरोप के हिरासत में लेना, संचार को सीमित करना और तटस्थ तीसरे पक्ष को इस क्षेत्र में जाने से रोकना हमारे करीबी, महत्वपूर्ण द्विपक्षीय संबंधों के लिए हानिकारक है। प्रस्ताव में भारत से अपील की गई है कि मनमाने ढंग से हिरासत में लिए गए लोगों की जल्द से जल्द रिहाई की जाए और उन पर राजनीतिक गतिविधियों एवं भाषणों पर किसी प्रकार की रोक लगाने वाले बांड पर हस्ताक्षर करने की शर्त लगाने से बचा जाए।

प्रस्ताव में दावा किया गया है कि इस बात के 'फोटोग्राफिक' सबूत हैं कि हिरासत में लिए गए लोगों को उनकी रिहाई की शर्त के रूप में राजनीतिक गतिविधियों में भाग लेने से मना करने और बयान जारी करने के लिए निश्चित बांड पर हस्ताक्षर करने होंगे।

भारत ने हालांकि इन आरोपों को हमेशा खारिज किया है। भारत का कहना है कि जम्मू-कश्मीर से विशेष राज्य का दर्जा वापस लेने का निर्णय संप्रभु है और वह अपने आंतरिक मामले में किसी का हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं करेगा।

भारतीयों को आकर्षित करने के लिए मंदिर पहुंचे जॉनसन

प्रधानमंत्री ने नए भारत के निर्माण में प्रधानमंत्री मोदी के साथ साझेदारी का संकल्प जताया
लंदन के उत्तर पश्चिम इलाके नेसडेन में प्रसिद्ध स्वामीनारायण मंदिर जाकर अपना पहला आधिकारिक अभियान शुरू किया।

लंदन, 8 दिसंबर (भाषा)।

ब्रिटेन में गुरुवार को होने वो आम चुनावों से पहले प्रवासी भारतीयों को आकर्षित करने के लिए ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन अपनी महिला मित्र कैरी सायमंड्स के साथ यहां एक प्रसिद्ध हिंदू मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचे और नया भारत बनाने के प्रधानमंत्री मोदी के मिशन में उनके साथ मिलकर काम करने का संकल्प व्यक्त किया।

चटक गुलाबी रंग की सिल्क की साड़ी में 31 वर्षीय संरक्षणवादी सायमंड्स ने शनिवार को 55 वर्षीय जॉनसन के साथ लंदन के उत्तर पश्चिम इलाके नेसडेन में प्रसिद्ध स्वामीनारायण मंदिर जाकर अपना पहला आधिकारिक अभियान शुरू किया। प्रधानमंत्री जॉनसन ने कहा, मैं जानता हूं कि प्रधानमंत्री मोदी नए भारत का निर्माण कर रहे हैं। ब्रिटिश सरकार में हम इस प्रयास में उनका समर्थन करेंगे। जॉनसन की सत्तारूढ़ कंजरवेटिव पार्टी ओपिनियन पोल में विपक्षी लेबर पार्टी से आगे चल रही है।

कश्मीर के मुद्दे पर लेबर पार्टी के कथित भारत विरोधी रूख की ओर परोक्ष रूप से इशारा करते हुए जॉनसन ने कहा, इस देश में किसी भी प्रकार के नस्लवाल या भारत विरोधी भावना के लिए कोई जगह नहीं हो सकती है। तिलक लगाए और गले में माला पहले ब्रिटिश

प्रधानमंत्री ने कहा, ब्रिटिश भारतीयों ने पहले भी कंजरवेटिव को जीतने में मदद करने में भूमिका निभायी है। जब मैंने नरेंद्र (मोदी) भाई से यह कहा तो वह हंसने लगे और बोले कि भारतीय सदैव जीतने वाले के साथ रहते हैं।

इजरायली स्कूली छात्रों के उपग्रह का श्रीहरिकोटा से किया जाएगा प्रक्षेपण

यरुशलम, 8 दिसंबर (भाषा)।

इजरायली स्कूल के तीन छात्र अपने द्वारा बनाए गए उपग्रह 'डुशिफा 3' का इसरो के श्रीहरिकोटा प्रक्षेपण केंद्र से प्रक्षेपण के लिए अगले सप्ताह भारत आएंगे करेंगे। इस उपग्रह को पीएसएलवी सी-48 रॉकेट से प्रक्षेपित किया जाएगा। दक्षिणी इजरायल के शआर हानेगेव हाई स्कूल के 17—18 साल की आयु के छात्र एलोन एब्रामोविक, मेताव एसुलिन और श्म्यूल अवीवी लेवी सोमवार शाम भारत के लिए रवाना होंगे और 11 दिसंबर को उपग्रह का प्रक्षेपण किया जाएगा। 'डुशिफा 3' छात्रों द्वारा निर्मित तीसरा उपग्रह है।

हर्जलिया साइंस सेंटर और शार हनेगेव हाई स्कूल के छात्रों द्वारा संयुक्त रूप से बनाया गया, उपग्रह देश भर के बच्चों को पृथ्वी से अवगत कराने के लिए तैयार किया गया है।

परियोजना में मदद देने वाले और आईसीए फाउंडेशन के प्रमुख जीव मिलर ने बताया, यह एक फोटे सैटेलाइट है, जिसका उपयोग अंतरिक्ष से पृथ्वी के पारिस्थितिकी शोध के लिए किया जाता है। उपग्रह का वजन 2.3 किलोग्राम है। छात्रों ने इसे बनाने के लिए लगभग ढाई साल काम किया। उपग्रह से कृषकों को अच्छी मदद मिलेगी।

हांगकांग में सड़क पर उतरे लाखों लोग

हांगकांग, 8 दिसंबर (एएफपी)।

हांगकांग में लोकतंत्र के समर्थन में हो रहे प्रदर्शन के छह महीने पूरे होने के अवसर पर रविवार को लाखों लोगों ने विशाल रैली निकालकर आंदोलन के प्रति समर्थन व्यक्त किया। इस मौके पर उन्होंने चीन समर्थक नेताओं को चेतावनी दी कि इस राजनीतिक संकट को हल करने के लिए उनके पास आखिरी मौका है।

आयोजकों के मुताबिक करीब आठ लाख लोगों ने हांगकांग के वित्तीय केंद्र की सड़कों पर घंटो प्रदर्शन किया और रैली निकाली, जो दिखाता है कि करीब छह महीने की अशांति के बावजूद माहौल तनावपूर्ण है एवं सरकार के खिलाफ गुस्से का माहौल है।

पुलिस जो हमेशा प्रदर्शनों में जुटने वाली भीड़ को कम कर बताती है ने भी स्थानीय मीडिया से कहा कि करीब एक लाख 83 हजार लोगों ने प्रदर्शन में हिस्सा लिया। यह संख्या गत महीनों में सबसे अधिक है। दुर्लभ घटना के तहत पुलिस प्रशासन ने रैली की अनुमति दी थी। यह रैली स्थानीय चुनाव में चीन समर्थक पार्टियों को मिली करारी हार के दो हफ्ते बाद हुई, जो पहले दावा कर रही थी कि बहुमत आंदोलन के खिलाफ है। रात को सड़कों पर जुटी भीड़ ने

आंदोलन के छह महीने पूरे होने पर मोबाइल फोन की रोशनी में विशाल रैली निकालते लोग।

मोबाइल का टॉर्च जलाकर प्रदर्शन किया। काले कपड़े पहनकर प्रदर्शन में शामिल हुए लोगों ने मुख्य कार्यकारी कैरी लैम और बीजिंग के खिलाफ गुस्सा और निराशा प्रकट किया जो चुनाव में हार के बावजूद रियायत देने से इनकार कर दिया है। प्रदर्शन में शामिल 50 वर्षीय वोंग उपनाम के व्यक्ति ने कहा, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि हम अपनी भावनाएं किस रूप में रखते हैं, चाहे शांतिपूर्ण मार्च हो या सभ्य तरीके से किया गया चुनाव, सरकार नहीं सुनेगी। वह केवल चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के आदेशों का अनुपालन करेगी। कैंटोनीस पॉपस्टार डेनिस हो

'दिवाली-पावर ऑफ वन' पुरस्कार से चार राजनयिक सम्मानित

संयुक्त राष्ट्र, 8 दिसंबर (भाषा)।

संयुक्त राष्ट्र में नियुक्त चार प्रख्यात राजनयिकों को सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण दुनिया बनाने की दिशा में उनके कार्यों और विशेष रूप से अमेरिका में किए गए उनके कार्यों को लेकर 'दिवाली-पावर ऑफ वन' पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

इस पुरस्कार को कूटनीति के ऑस्कर के रूप में जाना जाता है। इसे 2017 में दिवाली फाउंडेशन यूएसए, इंक ने शुरू किया था। इन राजनयिकों में कजाखस्तान के पूर्व विदेश मंत्री एवं संयुक्त राष्ट्र में स्थायी प्रतिनिधि कैरात अब्दराखमानोव, साइप्रस के पूर्व स्थायी प्रतिनिधि निकोलस एमिलीयू, स्लोवाकिया के स्थायी प्रतिनिधि फ्रांतीसेक रूजिका और यूक्रेन के स्थायी प्रतिनिधि वी एलचेंको शामिल हैं। इन्हें शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में एक समारोह के दौरान इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

यह पुरस्कार उन पूर्व स्थायी प्रतिनिधियों या संरा में उच्च स्तर के राजनयिकों को प्रदान किया गया जो सभी लोगों के लिए कहीं अधिक उपयुक्त, शांतिपूर्ण और सुरक्षित विश्व बनाने में निःस्वार्थ सेवा करते हुए जल्द ही इस वैश्विक संस्था में अपना कार्यकाल पूरा करेंगे।

दिवाली फाउंडेशन यूएसए की प्रमुख रंजू बत्रा ने कहा कि इस साल के पुरस्कार प्राप्त करने वालों में सभी विश्व स्तर के असाधारण राजनयिक हैं। संयुक्त राष्ट्र में नियुक्त भारत के स्थायी प्रतिनिधि सैयद अकबरूद्दीन ने कार्यक्रम में अपनी टिप्पणी में कहा, हम सालाना उन लोगों को सम्मानित करते हैं जिन्होंने संयुक्त राष्ट्र के उन मूल्यों को कायम रखा है जिसके लिए यह वैश्विक संस्था जानी जाती है। उन्होंने इस बात का जिक्र किया कि संयुक्त राष्ट्र में दिवाली के अवसर पर अवकाश रहता है और उस दिन कोई आधिकारिक बैठक नहीं होती है। उन्होंने कहा, व्यक्तिगत स्तर पर दिवाली खुद के आत्मावलोकन का समय है।

मोदी ने किया वैज्ञानिकों का कम लागत वाली तकनीक के विकास का आह्वान

नई दिल्ली, 8 दिसंबर (भाषा)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को वैज्ञानिकों का आह्वान किया कि वे कम लागत वाली प्रौद्योगिकियों का विकास करें जो भारत की विशिष्ट जरूरतों को पूरा करने के साथ ही देश के तेज विकास में मदद करें।

प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक, मोदी ने पुणे में भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (आइआइएसइआर) में वैज्ञानिकों के साथ बातचीत के दौरान यह बात कही। आइआइएसईआर के वैज्ञानिकों ने न्यू मैटेरिल्यस और स्वच्छ ऊर्जा के लिए उपकरणों से लेकर कृषि जैव प्रौद्योगिकी और प्राकृतिक संसाधनों का मानचित्रण करने संबंधी विभिन्न विषयों पर प्रधानमंत्री के समक्ष प्रस्तुति दी। इन प्रस्तुतियों में आणविक जीव विज्ञान, रोगाणुरोधी प्रतिरोध, जलवायु अध्ययन और गणितीय वित्त अनुसंधान के क्षेत्र से संबंधित नवीन प्रौद्योगिकियों को प्रदर्शित किया गया।

पाक प्रभावी, नतीजा केंद्रित क्षेत्रीय सहयोग में विश्वास रखता है : इमरान

इस्लामाबाद, 8 दिसंबर (भाषा)।

प्रधानमंत्री इमरान खान ने रविवार को कहा कि पाकिस्तान का मानना है कि प्रभावी और नतीजा केंद्रित क्षेत्रीय सहयोग सिर्फ दक्षिण एशिया क्षेत्रीय सहयोग संगठन (दक्षेस) के घोषणा-पत्र में निहित संप्रभु समानता और परस्पर सम्मान के मुख्य सिद्धांत के पालन से ही हासिल किया जा सकता है।

35वें दक्षेस घोषणा-पत्र दिवस पर अपने संदेश में प्रधानमंत्री ने कहा कि आठ दिसंबर वह दिन है जब नेताओं ने नजरिए और दूरदृष्टि के साथ दक्षेस घोषणा-पत्र को अपनाया गया था और दक्षिण एशिया की प्रगति व समृद्धि के लिए मिलकर काम करने का संकल्प व्यक्त किया था। उन्होंने कहा, यह दिन हमें याद दिलाता है कि हमारे लोगों ने हमें बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है और उन्हें अपने नेताओं से उम्मीद है कि वो गरीबी, अशिक्षा, बीमारी, अधूरे विकास की समस्याओं को दूर करेंगे। खान ने कहा कि पाकिस्तान व्यक्तिगत, राष्ट्रीय और क्षेत्रीय विकास में क्षेत्रीय सहयोग की शक्ति और क्षमता में पूर्ण विश्वास रखता है।

पाकिस्तानी विदेश विभाग द्वारा जारी बयान में खान को उद्धृत करते हुए कहा गया, पाकिस्तान मानता है कि प्रभावी और नतीजा केंद्रित क्षेत्रीय सहयोग दक्षेस घोषणा-पत्र में निहित संप्रभु समानता और परस्पर सम्मान के मुख्य सिद्धांत के पालन से हासिल किया जा सकता है। ढाका में आठ दिसंबर 1985 को दक्षेस के पहले शिखर सम्मेलन के दौरान दक्षिण एशिया के सात राष्ट्रों- मालदीव, भारत, भूटान, पाकिस्तान, नेपाल, बांग्लादेश और श्रीलंका-ने दक्षेस की स्थापना को लेकर एक घोषणा-पत्र पर दस्तखत किए थे। अफगानिस्तान 2007 में दक्षेस का आठवां सदस्य राष्ट्र बना।

जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण विभाग ने दी जानकारी | **कार्यान्वयन** | नदियों को आपस में जोड़ने का विचार 161 साल पहले आया था

देश में नदी जोड़ो परियोजना सिरे नहीं चढ़ी

नई दिल्ली, 8 दिसंबर (भाषा)।

देश में नदियों को आपस में जोड़ने की कोई भी परियोजना अभी कार्यान्वयन के स्तर पर नहीं पहुंची है और परियोजना के लिए अभी तक केवल सांकेतिक बजटीय प्रावधान किए गए हैं। जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण विभाग ने संसद की एक समिति को यह जानकरी दी। इसी के मद्देनजर समिति ने विभाग से नदियों को परस्पर जोड़ने की परियोजनाओं के कार्यान्वयन से जुड़े विषयों पर राज्यों के बीच सहमति बनाने के लिये ठोस एवं समयबद्ध प्रयास करने को कहा है।

लोकसभा में पिछले दिनों पेश जल संसाधन संबंधी स्थायी समिति की रिपोर्ट में कहा गया है- 'जब कभी भी परियोजना को कार्यान्वित किया जाएगा तब बजट में उसके लिए उपयुक्त निधि का प्रावधान किया जाएगा।' रिपोर्ट के अनुसार, हिमालयी घटक के तहत 14 नदी जोड़ो परियोजना की व्यवहार्यता पूर्व रिपोर्ट (पीएफआर), दो नदी जोड़ो परियोजना की व्यवहार्यता रिपोर्ट (भारतीय हिस्से में) और सात परियोजना की प्रारूप व्यवहार्यता रिपोर्ट पूरी हो चुकी है । प्रायद्वीपीय घटक के तहत 16 नदी जोड़ो परियोजना की व्यवहार्यता पूर्व रिपोर्ट (पीएफआर) और 6 नदी जोड़ो परियोजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार हो चुकी है। विभाग ने समिति को बताया, 'कोई भी नदी जोड़ो परियोजना कार्यान्वयन के स्तर पर नहीं पहुंची है । हालांकि जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग केनबेतवा, दमन गंगा पिंजाल, पार तापी नर्मदा और गोदावरी कावेरी नदी जोड़ो परियोजना के कार्यान्वयन के लिए पक्षकार राज्यों के बीच सहमति बनाने का प्रयास कर रहा है। इन नदी जोड़ो परियोजना की डीपीआर पहले ही तैयार हो चुकी है।' रिपोर्ट में कहा गया है, 'नदियों को आपस में जोड़ने पर अमल करने में मुख्य बाधा या अड़चन, प्रस्तावों में प्रस्तावित जल बंटवारे, विद्युत की आवश्यकता आदि के संबंध में राज्यों में सहमति बनाना शामिल है।' रिपोर्ट के अनुसार, समिति ने कहा है कि नदियों को परस्पर जोड़ने की परियोजनाओं के कार्यान्वयन से जुड़े विषयों पर राज्यों के बीच सहमति बनाने के लिये ठोस एवं समयबद्ध प्रयास किए जाएं ताकि यह परियोजना और विलंब के बिना कार्यान्वित की जा सके। जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने हाल ही में कहा था कि नदी जोड़ो परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए देश के सभी राज्यों को आपसी सहयोग करने की जरूरत है। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार देश की 31 नदियों को आपस में जोड़ने के लिए विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर रही है। उनका मानना है कि सभी राज्यों ने सहयोग किया तो अगले 5 साल में नदी जोड़ो परियोजना में प्रभावी प्रगति आएगी। संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान किसानों एवं फसलों के बारे में नियम 193 के तहत चर्चा के दौरान अनेक दलों के सदस्यों ने नदी जोड़ो परियोजना को आगे बढ़ाने की वकालत की थी। गौरतलब है कि नदियों को आपस में जोड़ने का विचार 161 साल पुराना है।

रिपोर्ट के अनुसार हिमालयी घटक के तहत 14 नदी जोड़ो परियोजना की व्यवहार्यता पूर्व रिपोर्ट (पीएफआर), दो नदी जोड़ो परियोजना की व्यवहार्यता रिपोर्ट (भारतीय हिस्से में) और सात परियोजना की प्रारूप व्यवहार्यता रिपोर्ट पूरी हो चुकी है ।

373 परियोजनाओं की लागत 3.89 लाख करोड़ बढ़ी

बुनियादी ढांचा क्षेत्र: 1,634 परियोजनाओं में से 552 परियोजनाएं देरी से

नई दिल्ली, 8 दिसंबर (भाषा)।

बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 150 करोड़ रुपए या इससे अधिक की लागत वाली 373 परियोजनाओं की लागत तय समय से देरी तथा अन्य कारणों से 3.89 लाख करोड़ रुपए बढ़ गई है।

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय 150 करोड़ रुपए या इससे अधिक लागत की परियोजनाओं की निगरानी करता है। मंत्रालय ने एक रिपोर्ट में लागत बढ़ने की जानकारी दी है। मंत्रालय ने कहा कि इस तरह की 1,634 परियोजनाओं में से 552 परियोजनाएं देरी में चल रही हैं, जबकि 373 परियोजनाओं की लागत बढ़ी है।

मंत्रालय ने अगस्त 2019 के लिए जारी हालिया रिपोर्ट में कहा, 'इन 1,634 परियोजनाओं के क्रियान्वयन की मूल लागत 19,40,699.03 करोड़ रुपए थी, जिसके बढ़कर 23,29,746.02 करोड़ रुपए पर पहुंच जाने का अनुमान है। इससे पता चलता है कि इनकी लागत मूल लागत की तुलना में 20.05 फीसद यानी 3,89,046.99 करोड़ रुपए बढ़ी है।' रिपोर्ट के अनुसार, अगस्त तक इन परियोजनाओं पर 9,75,180.06 करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं, जो कुल अनुमानित लागत का 41.85 फीसद है।

हालांकि मंत्रालय का कहना है कि यदि परियोजनाओं के पूरा होने की हालिया समयसीमा के हिसाब से देखें तो देरी से चल रही परियोजनाओं की संख्या कम होकर 489 पर आ जाएंगी। मंत्रालय ने कहा कि देरी से चल रही 552 परियोजनाओं में 181 परियोजनाएं एक महीने से 12 महीने की, 128 परियोजनाएं 13 से 24 महीने की, 127 परियोजनाएं 25 से 60 महीने की तथा 116 परियोजनाएं 61 महीने या अधिक की देरी में चल रही हैं। इन परियोजनाओं की देरी का औसत 38.89 महीने है।

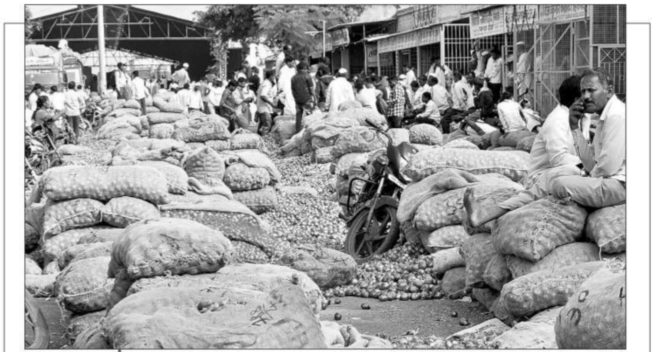

प्याज सोलापुर में प्याज की थोक मंडी में रविवार को अपनी फसल बिकने का इंतजार करता बोरी पर बैठा किसान।

भारतीय कंपनियों ने विदेशी बाजारों से अक्तूबर में 3.41 अरब डॉलर जुटाए

नई दिल्ली, 8 दिसंबर (भाषा)।

भारतीय कंपनियों द्वारा विदेशी बाजारों से कर्ज के तौर पर जुटाई गई रकम अक्तूबर 2019 में दोगुनी होकर 3.41 अरब डॉलर पर पहुंच गई। एक साल पहले इसी महीने घरेलू कंपनियों ने 1.41 अरब डॉलर का विदेशी कर्ज जुटाया था।

रिजर्व बैंक (आरबीआइ) के आंकड़ों के अनुसार, अक्तूबर में घरेलू कंपनियों द्वारा जुटाई गई रकम में से 2.87 अरब डॉलर बाह्य वाणिज्यिक ऋण (ईसीबी) स्वतः मंजूरी मार्ग से जुटाया गया। वहीं, 53.8 करोड़ डॉलर का कर्ज ईसीबी के मंजूरी मार्ग से एकत्र किया गया है।

भारती टेलीकॉम ने 4,900 करोड़ रुपए के एफडीआइ निवेश की अनुमति मांगी

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 8 दिसंबर।

भारती टेलीकॉम ने सिंगापुर की सिंगटेल और अन्य विदेशी कंपनियों से 4,900 करोड़ रुपए के निवेश के लिए सरकार से अनुमति मांगी है। इस कदम से देश की सबसे पुरानी निजी क्षेत्र की यह दूरसंचार सेवा प्रदाता कंपनी एक विदेशी इकाई बन जाएगी। भारती टेलीकॉम, भारती एअरटेल की प्रवर्तक कंपनी है।

मामले से जुड़े एक अधिकारिक सूत्र ने बताया कि इस पूंजी निवेश से भारती टेलीकॉम में विदेशी हिस्सेदारी बढ़कर 50 फीसद से अधिक हो

एअरटेल बनेगी विदेशी कंपनी

जाएगी, जिससे यह एक विदेशी स्वामित्व वाली इकाई बन जाएगी। वर्तमान में सुनील भारती मित्तल और उनके परिवार की भारती टेलीकॉम में करीब 52 फीसद हिस्सेदारी है। भारती टेलीकॉम की भारती एअरटेल में करीब 41 फीसद हिस्सेदारी है।

अधिकारियों के मुताबिक, भारती टेलीकॉम ने कंपनी में 4,900 करोड़ रुपए के निवेश के लिए आवेदन किया है। इसमें सिंगटेल और कुछ अन्य विदेशी निवेशकों की ओर से होने वाला निवेश शामिल है। इसके साथ ही भारती टेलीकॉम विदेशी इकाई बन जाएगी, क्योंकि इसकी बहुलांश हिस्सेदारी विदेशी निवेशकों के पास होगी। दूरसंचार विभाग के इसी महीने इस निवेश को मंजूरी देने की उम्मीद है।

दूरसंचार विभाग ने इससे पहले इस साल की शुरुआत में भारती एअरटेल के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आवेदन को खारिज कर दिया था, क्योंकि कंपनी ने विदेशी निवेश के बारे में स्पष्ट नहीं किया था। सूत्रों ने कहा कि वर्तमान में भारती एअरटेल में कुल विदेशी हिस्सेदारी 43 फीसद है। प्रवर्तक इकाई भारती टेलीकॉम के विदेशी इकाई बन जाने के साथ ही कंपनी (भारती एअरटेल) में विदेशी हिस्सेदारी बढ़कर 84 फीसद के पार हो जाएगी।

ग्राहकों को आउटगोइंग के लिए भुगतान नहीं करना होगा : जियो

नई दिल्ली, 8 दिसंबर (भाषा)।

दूरसंचार कंपनी रिलायंस जियो ने दावा किया है कि वह अन्य नेटवर्कों की तुलना में अपने ग्राहकों को पांच गुना अधिक मुफ्त 'आउटगोइंग कॉल्स' की पेशकश कर रही है। ऐसे में उसके औसत ग्राहक को कॉल के लिए भुगतान करने की जरूरत नहीं होगी।

जियो ने दावा किया कि उसके नए प्लान में अन्य प्रतिद्वंद्वियों की तुलना में 25 फीसद मूल्य की पेशकश की जा रही है। भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया ने छह दिसंबर से अपने नेटवर्क से बाहर आउटगोइंग कॉल की सीमा को समाप्त कर दिया है। इसी पर जियो की यह प्रतिक्रिया आई है। उसी दिन जियो ने ऐसे मोबाइल कॉल और डेटा प्लान पेश किए हैं जो पूर्व के प्लान से 40 फीसद तक ऊंचे हैं।

रिलायंस जियो ने बयान में कहा, 'जियो के 'आल इन वन प्लान' में ग्राहकों को अन्य नेटवर्क पर उद्योग के औसत के हिसाब से पांच गुना अधिक मिलेगा। ऐसे में जियो के ग्राहकों को कॉल के लिए कुछ भुगतान करने की जरूरत नहीं होगी।' बयान में कहा गया है कि जियो के प्लान में अन्य ऑपरेटरों के तुलनात्मक प्लान की तुलना में 25 फीसद ऊंचा मूल्य मिलेगा। कंपनी सभी प्लान पर (28 दिन के चक्र में) 1,000 मिनट की निःशुल्क कॉल की सुविधा उपलब्ध करा रही है।

SBI

नेटवर्किंग एंड कम्युनिकेशन डिपार्टमेंट, स्टेट बैंक ग्लोबल आईटी सेंटर, मेन बिल्डिंग, सेक्टर 11, सीबीडी बेलापुर, नवी मुंबई - 400614.

प्रस्ताव हेतु अनुरोध

भारतीय स्टेट बैंक ने भारतीय स्टेट बैंक में इमर्सिव वीडियो कॉन्फरेंसिंग सुविधा के प्रापण, संस्थापन, कमिशनिंग, रखरखाव और वॉरंटी के लिए 'प्रस्ताव हेतु निवेदन' जारी किया है. कृपया बैंक की वेबसाइट **https://bank.sbi** पर **"प्रोक्योरमेंट न्यूज"** देखें.

स्थान: नवी मुंबई
दिनांक: 09/12/2019

हस्ताक्षर/-
उप महाप्रबंधक
(नेटवर्किंग एंड कम्युनिकेशन डिपार्टमेंट)

अनुसूची-II
प्रपत्र बी
सार्वजनिक उद्घोषणा
[दिवाला तथा दिवालिया (परिसमापन प्रक्रिया) विनियमन, 2016 के विनियमन 12 के अंतर्गत]
मै. मार्केटिंग टाइम्स ऑटोमोबिल्स प्राईवेट लिमिटेड के स्टेकधारकों के ध्यानार्थ

1.	कॉर्पोरेट ऋणधारक का नाम	मै. मार्केटिंग टाइम्स ऑटोमोबिल्स प्राईवेट लिमिटेड
2.	कॉर्पोरेट ऋणधारक के निगमन की तिथि	31.12.2003
3.	वह प्राधिकरण जिसके अंतर्गत कॉर्पोरेट ऋणधारक निगमित/पंजीकृत है	कम्पनी रजिस्ट्रार- दिल्ली
4.	कॉर्पोरेट पहचान संख्या/कॉर्पोरेट ऋणधारक का लिमिटेड लाएबिलिटी पहचान संख्या	U50101DL2003PTC123777
5.	कॉर्पोरेट ऋणधारक के पंजीकृत कार्यालय तथा प्रधान कार्यालय (यदि कोई हो) का पता	पंजीकृत कार्यालय का पता: 16-ए, उदय पार्क, 230-ई, मस्जिद मोठ, नई दिल्ली-110049
6.	इन्सॉल्वेन्सी प्रस्ताव प्रक्रिया समापन की तिथि	15 अप्रैल, 2019
7.	कॉर्पोरेट ऋणधारक का परिसमापन शुरू होने की तिथि	5.12.2019
8.	परिसमापक के रूप में कार्यरत इन्सॉल्वेन्सी प्रॉफेशनल का नाम तथा पंजीकरण संख्या	नाम: सुब्रमनियन नटराजन, पंजी.सं.: IBBI/IPA-002/IP-P00698/2018-19/12317
9.	बोर्ड में पंजीकृत परिसमापक का पता तथा ईमेल:	पता: फ्लैट नं. 56, पॉकेट ए-4, कोणार्क अपार्टमेन्ट, कालकाजी एक्सटेंशन, नई दिल्ली-110009, ईमेल: subrairp@gmail.com
10.	परिसमापक के साथ पत्राचार के लिये प्रयुक्त होने वाला पता तथा ईमेल	पता: फ्लैट नं. 56, पॉकेट ए-4, कोणार्क अपार्टमेन्ट, कालकाजी एक्सटेंशन, नई दिल्ली-110009, ईमेल: subramaniannatrajanip@gmail.com
11.	दावे जमा करने की अंतिम तिथि	4 जनवरी, 2020

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि राष्ट्रीय कम्पनी विधि अधिकरण, प्रधान पीठ, नई दिल्ली ने 5 दिसम्बर, 2019 को मै. मार्केटिंग टाइम्स ऑटोमोबिल्स प्राईवेट लिमिटेड का परिसमापन शुरू करने का आदेश दिया है।
एतद्द्वारा मै. मार्केटिंग टाइम्स ऑटोमोबिल्स प्राईवेट लिमिटेड के स्टेकधारकों को निर्देश दिया जाता है कि आइटम नं. 10 में वर्णित पते पर परिसमापक के पास 4 जनवरी, 2020 को या उससे पूर्व अपने दावे का प्रमाण जमा करें।
फाइनांसियल क्रेडीटर्स केवल इलेक्ट्रॉनिक पद्धति से ही अपने दावे का प्रमाण जमा कर सकते हैं। अन्य सभी क्रेडीटर्स प्रमाण के साथ व्यक्तिगत या डाक द्वारा या इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से प्रमाण के साथ अपने दावे जमा कर सकते हैं।
दावे का गलत अथवा भ्रामक प्रमाण जमा करने पर दंडित किया जा सकता है।

तिथि: 7.12.2019
स्थान: नई दिल्ली

सुब्रमनियन नटराजन
मै. मार्केटिंग टाइम्स ऑटोमोबिल्स प्राईवेट लिमिटेड के परिसमापक
IBBI/IPA-002/IP-P00698/2018-19/12317

प्रपत्र ए
सार्वजनिक उद्घोषणा
[भारत दिवाला तथा दिवालिया मंडल (कॉर्पोरेट व्यक्तियों के लिए दिवाला प्रस्ताव प्रक्रिया) विनियमन, 2016 के विनियमन 6 के अंतर्गत]
एसपीजी ग्लोबल डिस्ट्रीब्यूशन प्राईवेट लिमिटेड के क्रेडीटरों के ध्यानार्थ

संबंधित विवरण		
1.	कॉर्पोरेट ऋणधारक का नाम	एसपीजी ग्लोबल डिस्ट्रीब्यूशन प्राईवेट लिमिटेड
2.	कॉर्पोरेट ऋणधारक के निगमन की तिथि	22.09.2011
3.	वह प्राधिकरण जिसके अंतर्गत कॉर्पोरेट ऋणधारक निगमित/पंजीकृत है	कम्पनी रजिस्ट्रार-दिल्ली
4.	कॉर्पोरेट पहचान संख्या/कॉर्पोरेट ऋणधारक का लिमिटेड लाएबिलिटी पहचान संख्या	U52100HR2011PTC043937
5.	कॉर्पोरेट ऋणधारक के पंजीकृत कार्यालय तथा प्रधान कार्यालय (यदि कोई हो) का पता	बी-363, 364 एवं 365, नेहरू ग्राउण्ड, एनआईटी फरीदाबाद, हरि. 121001
6.	कॉर्पोरेट ऋणधारक के संदर्भ में दिवाला आरंभ होने की तिथि	6.12.2019
7.	दिवाला प्रस्ताव प्रक्रिया के समापन की अनुमानित तिथि	4.6.2020
8.	अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफिश्नल का नाम, पंजीकरण संख्या, जो अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफिश्नल के रूप में कार्यरत है	दिव्यांशु मिश्रा IBBI/IPA-002/IP-N00782/2019-20/12479
9.	बोर्ड में यथा पंजीकृत अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफिश्नल का पता एवं ईमेल:	एफ-601, सज्जन विहार, सेक्टर 43, गुड़गाँव 122002 ईमेल आईडी: divyanshurp@gmail.com
10.	अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफिश्नल के साथ पत्राचार के लिये प्रयुक्त होने वाला पता तथा ईमेल	एफ-601, सज्जन विहार, सेक्टर 43, गुड़गाँव 122002 irp.spgglobaldist@gmail.com
11.	दावे जमा करने की अंतिम तिथि	20.12.2019
12.	क्रेडीटर का वर्ग यदि कोई हो, धारा 21 की उप धारा (6ए) के उपबंध (बी) के अंतर्गत, अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफिश्नल द्वारा सुनिश्चित किया गया	आईआरपी को उपलब्ध जानकारी के अनुसार लागू नहीं
13.	किसी वर्ग में क्रेडीटर्स के प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में कार्य करने के लिये पहचान किये गये इन्सॉल्वेन्सी प्रॉफिश्नल का नाम (प्रत्येक वर्ग से तीन नाम)	लागू नहीं
14.	(क) संबंधित प्रपत्र तथा (ख)प्राधिकृत प्रतिनिधियों का विवरण उपलब्ध है	वेब लिंक: www.ibbi.org भौतिक पता: लागू नहीं।

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि राष्ट्रीय कम्पनी विधि अधिकरण, चंडीगढ़ पीठ, चंडीगढ़ ने 6 दिसम्बर, 2019 को **एसपीजी ग्लोबल डिस्ट्रीब्यूशन प्राईवेट लिमिटेड** के संदर्भ में कॉर्पोरेट इन्सॉल्वेन्सी प्रस्ताव प्रक्रिया शुरू करने का आदेश दिया है। एतद्द्वारा **एसपीजी ग्लोबल डिस्ट्रीब्यूशन प्राईवेट लिमिटेड** के क्रेडीटरों को निर्देश दिया जाता है कि प्रविष्टि सं. 10 में वर्णित पते पर अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफेशनल के पास 20 दिसम्बर, 2019 को या उससे पूर्व प्रमाण के साथ अपने दावे जमा करें।
फाइनांसियल क्रेडीटर्स केवल इलेक्ट्रॉनिक पद्धति से ही प्रमाण के साथ अपने दावे जमा कर सकते हैं। अन्य सभी क्रेडीटर्स व्यक्तिगत, डाक द्वारा अथवा इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से प्रमाण के साथ अपने दावे जमा कर सकते हैं।
प्रविष्टि सं. 12 के समक्ष यथा सूचीबद्ध किसी वर्ग से संबंधित वित्तीय क्रेडीटर प्रपत्र सीए में वर्ग के प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में कार्य करने के लिए (वर्ग निर्दिष्ट करें) प्रविष्टि सं. 13 के समक्ष सूचीबद्ध तीन इन्सॉल्वेन्सी प्रॉफेशनलों में से प्राधिकृत प्रतिनिधि की अपनी पसंद को दर्शाएं।
दावे का गलत अथवा भ्रामक प्रमाण जमा करने पर दंडित किया जा सकता है।

स्थान: गुड़गाँव
तिथि: 7.12.2019

हस्ता./- दिव्यांशु मिश्रा
अंतरिम प्रस्ताव प्रॉफिश्नल
एसपीजी ग्लोबल डिस्ट्रीब्यूशन प्राईवेट लिमिटेड सीआईआरपी के अंतर्गत
IBBI/IPA-002/IP-N00782/2019-2020/12479

वित्त मंत्रालय की बजट टीम में दो महत्त्वपूर्ण अधिकारियों की कमी

नई दिल्ली, 8 दिसंबर (भाषा)।

ऐसे समय जब मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल के दूसरे आम बजट की तैयारी का काम जोर पकड़ चुका है, वित्त मंत्रालय की बजट टीम में दो महत्वपूर्ण अधिकारियों की कमी बनी हुई है। इनमें एक पूर्णकालिक व्यय सचिव का पद खाली है, जबकि संयुक्त सचिव (बजट) का पद भी पिछले तीन माह से खाली पड़ा है। आम बजट एक फरवरी, 2020 को पेश किया जाना है। इस बजट को लेकर काफी उम्मीदें हैं। इंतजार हो रहा है कि इसमें ऐसे संरचनात्मक सुधारों का दूसरा दौर शुरू होगा जिससे अर्थव्यवस्था को उबारा जा सके।

SBI

नेटवर्किंग एंड कम्युनिकेशन विभाग, स्टेट बैंक ग्लोबल आईटी सेंटर, मेन बिल्डिंग, सेक्टर 11, सीबीडी बेलापुर, नवी मुंबई - 400614.

शुद्धिपत्र

स्टेट बैंक समूह के लिए नेटवर्क परफॉर्मेंस मॉनिटरिंग और डायग्नोस्टिक टूल के लिए आरएफआई दिनांक 20.11.2019 के संदर्भ में बैंक ने दिनांक 06.12.2019 को **शुद्धिपत्र** जारी किया है. विवरणों के लिए कृपया बैंक की वेबसाइट, **https://bank.sbi** पर **'प्रोक्योरमेंट न्यूज'** देखें.

स्थान: नवी मुंबई
दिनांक: 09/12/2019

हस्ताक्षर
उप महाप्रबंधक
(नेटवर्किंग एंड कम्युनिकेशन विभाग)

बी एण्ड आर B AND R

ब्रिज एंड रूफ कॉ. (इंडिया) लि.
(भारत सरकार का उपक्रम)
CIN No. U27310WB1920GOI003601
3x660 MW, एसटीपीपी, एनटीपीसी उत्तर कर्वपुरा तांडवा, जिला-चतरा, झारखंड-825321

निविदा आमंत्रण सूचना (एनआईटी) निविदा सं. बी व आर/एचओ/ईआई/71051/एनकेपी-सीएपी/एलसीएम-02

कार्य "सीएचपी, 3x660 एम डब्ल्यू, एसटीपीपी, एनटीपीसी उत्तर कर्णपुरा, झारखंड के लिये स्टोर मैनेजमेंट के साथ बोल्टिड स्ट्रक्चर्स के इरैक्शन का शेष कार्य" के लिए निर्धारित पात्रता मानदंड पूरा करने वाले प्रतिष्ठित, संसाधन संपन्न तथा अनुभवी पार्टियों से दो भाग बोली प्रणाली में एकल प्रतिशत दर बोली/प्रस्ताव आमंत्रित किए जाते हैं। निविदा दस्तावेज, परिशोधन/शुद्धिपत्र, यदि कोई होगा कंपनी वेबसाईट: **www.bridgeroof.co.in** पर डाला जाएगा। प्रस्ताव प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि: 16.12.2019 को या उससे पूर्व।

बिक्री सूचना
अल्केमिस्ट हॉस्पिटल्स (गुड़गांव) प्रा. लि. (परिशोधन में)
पंजी कार्यालय: मकान नं. 18, सैक्टर 21, पंचकूला-134117- हरियाणा

इ-नीलामी

दिवालिया और शोधन अक्षमता कोड, 2016 के अंतर्गत परिसम्पत्तियों की बिक्री इ-नीलामी की तिथि व समय: सोमवार, 30.12.2019 को पूर्वाह्न 11.00 बजे से अपराह्न 3.00 बजे तक (प्रत्येक 5 मिनट के असीमित विस्तार के साथ)

माननीय नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल, चंडीगढ़ बेंच के आदेश दिनांक 23 अगस्त, 2019 के द्वारा नियुक्त परिसमापक द्वारा परिसमापन एस्टेट के भाग के तौर पर अल्केमिस्ट हॉस्पिटल्स (गुड़गांव) प्रा. लि. (परिसमापन में) द्वारा स्वामित्व की परिसम्पत्तियों की बिक्री **"जैसी है जहां है", "जैसी है जो कुछ है", "यहां जो कुछ मौजूद है"** और **"बिना रिकोर्स आधार"** पर। बिक्री अधोहस्ताक्षरी द्वारा वेबपोर्टल (**https://ncltauction.auctiontiger.net**) पर प्रदान किए गए इ-नीलामी मंच के माध्यम से की जाएगी।

क्र. सं.	परिसम्पत्ति	लॉट	आरक्षित मूल्य	इएमडी राशि
1.	वाहन- कार एवं एम्बुलेंस	लॉट 1	4.78 लाख रु.	0.48 लाख रु.
2.	रसोई, फर्नीचर एवं फिक्चर और कम्प्यूटर इक्विपमेंट से शामिल संयंत्र व मशीनरी	लॉट 2	4.57 लाख रु.	0.46 लाख रु.

कृपया नोट करें:
1) बोली वृद्धि राशि 5,000/- रु. होगी; 2) जीएसटी यथा लागू
इ-नीलामी की निबंधन एवं शर्तें नीचे दिए अनुसार है:

1. इस बिक्री सूचना को वेबसाइट: **http://embeeip.com** पर उपलब्ध परिसंपत्तियों का विवरण, ऑनलाइन इ-नीलामी बोली प्रपत्र, घोषणा और वचन फॉर्म, इ-नीलामी बिक्री की सामान्य और तकनीकी निबंधन एवं शर्तों से युक्त पूर्ण इ-नीलामी प्रक्रिया जानकारी दस्तावेज के साथ पढ़ा जाएगा।
2. बोलीदाता की पंजीकरण प्रक्रिया 09.12.2019 से 27.12.2019 तक शुरू की जाएगी और 30.12.2019 को बोलीकरण के लिए पात्र बोलीदाता को 28.12.2019 को सूचित किया जाएगा।
3. इच्छुक बोलीदाता को 27.12.2019 को या उससे पूर्व **"परिसमापन में अल्केमिस्ट हॉस्पिटल्स (गुड़गांव) प्रा. लि. खाता नं. 50200018264850, एचडीएफसी बैंक लि. सैक्टर 16, पंचकूला, IFSC: HDFC0001395 के खाते में एनइएफटी/आरटीजीएस के माध्यम से धरोहर राशि (इएमडी) जमा करना अपेक्षित है।**
4. इच्छुक बोलीदाता को इ-नीलामी प्रक्रिया जानकारी में वर्णित दस्तावेजों के साथ निम्नलिखित दस्तावेज i) एनइएफटी/आरटीजीएस चालान की प्रति; ii) पेन कार्ड; iii) पहचान का प्रमाण (केवाईसी); iv) पते का प्रमाण; v) जीएसटी प्रमाण पत्र; की प्रतियां 27.12.2019 को या उससे पूर्व परिसमापक के दिए पते पर प्रदान करना अपेक्षित है जिसके बिना बोली रद्द करने के लायक है।

सुधीर कुमार जैन
अल्केमिस्ट हॉस्पिटल्स (गुड़गांव) प्रा. लि. के विषय में परिसमापक
पंजी. सं.: IBBI/IPA-003/IP-N000131/2017-18/11457
पंजी. पता: एससीओ 2935-36, प्रथम तल, सैक्टर 22-सी, चंडीगढ़-160022 मो. 9888200222, skjaineibl@gmail.com

दिनांक: 09.12.2019
स्थान: चंडीगढ़

सेबी ने संदिग्धों को पकड़ने के लिए खंगाली वैवाहिक वेबसाइट

नई दिल्ली, 8 दिसंबर (भाषा)।

बड़े सौदों से पहले शेयरों के भाव गिरा-चढ़ाकर लाभ कमाने के मामले में बाजार नियामक सेबी ने संदिग्ध लोगों का पता लगाने के लिए वैवाहिक प्रोफाइल खंगालने शुरू किए हैं ताकि परिवार के साथ उनके संबंधों को उजागर किया जा सके।

सेबी ने शेयरों के दाम में हेरफेर करने वालों को पकड़ने के लिए यह कदम उठाया है। बाजार नियामक ने भेदिया कारोबार से जुड़े मामले में संदिग्ध लोगों के फेसबुक खातों की जांच-पड़ताल भी की है।

फिडेलिटी समूह की इकाइयों के कुछ फंडों के भाव को चढ़ाने के मामले में सेबी ने वैवाहिक वेबसाइट पर ट्रेडर वैभव ढड्ढा के प्रोफाइल की जांच की ताकि परिवार के सदस्यों के साथ उसका संबंध स्थापित किया जा सके। सेबी ने पांच दिसंबर के अंतरिम आदेश में कहा कि वेबसाइट में वैभव को अल्का धड्डा का पुत्र बताया गया है।

इसके अलावा, उसके पासपोर्ट में भी माता के नाम में अल्का का जिक्र है। सेबी ने बड़े सौदे से पहले शेयरों की खरीदी या बिक्री करके भाव को चढ़ाकर या उतारकर लाभ कमाने के मामले में वैभव के साथ-साथ उसकी मां अल्का और बहन आरुषि को पूंजी बाजार में कारोबार करने से रोक दिया है।

नियामक ने परिवार के सदस्यों को संयुक्त रूप से राष्ट्रीयकृत बैंक में एस्क्रो खाता खोलने और कथित गैरकानूनी गतिविधियां के जरिए अर्जित 1.86 करोड़ रुपए को 15 दिन के भीतर जमा करने का निर्देश दिया है।

क्षेत्रिय निदेशक, उत्तरी क्षेत्र, के समक्ष
कम्पनी मामलो का मंत्रालय, बी-2 विंग, द्वितीय तल, पर्यावरण भवन, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली-110003
कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 13 की उपधारा (4) और कंपनी (निगमन) नियम, 2014 के नियम 30 के उपनियम (5) के खंड (क) के मामले में
और
फिडेस्टो प्रोजेक्ट्स प्राईवेट लिमिटेड
जिसका पंजीकृत कार्यालय : ए-91, ग्राउंड फ्लोर, आनंद विहार, नियर कड़कड़डूमा मैट्रो स्टेशन, दिल्ली -110092 में स्थित है, के मामले में
.....याचिकाकर्ता
आम जनता को यह सूचना दी जाती है कि यह कंपनी केन्द्रीय सरकार के समक्ष कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 13 के अधीन आवेदन फाइल करने का प्रस्ताव करती है जिसमें कंपनी का पंजीकृत कार्यालय **"राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली" से "महाराष्ट्र राज्य"** में स्थानांतरित करने के लिए तारीख **सोमवार 02 दिसम्बर, 2019** को आयोजित असाधारण सामान्य बैठक में पारित संकल्प के संदर्भ में कंपनी के संगम ज्ञापन में संशोधन की पुष्टि की मांग की गई है।
कंपनी के पंजीकृत कार्यालय के प्रस्तावित स्थानांतरण से यदि किसी व्यक्ति का हित प्रभावित होता है तो वह व्यक्ति या तो निवेशक आपत्ति प्रारुप फाइल कर **एमसीए-21 पोर्टल** (www.mca.gov.in) में आपत्ति दर्ज कर सकता **है** या एक शपथ पत्र जिसमें उनके हित का प्रकार और उसके विरोध का कारण उल्लिखित हो के साथ अपनी आपत्ति प्रादेशिक निदेशक को इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 14 दिनो के भीतर बी-2 विंग, द्वितीय तल, पर्यावरण भवन, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली-110003 पते पर पंजीकृत डाक दुवारा भेज सकता है या सुपुर्द कर सकते है और इसकी प्रति आवेदक कंपनी को उनके निम्नलिखित पंजीकृत कार्यालय के पते पर भी भेजेगा:
आवेदक की ओर से और उसके लिए
कृते फिडेस्टो प्रोजेक्ट्स प्राईवेट लिमिटेड
हस्ता/-
विपुल कुमार गर्ग
(निदेशक)
डीआईएन : 06774652
तिथि : 07.12.2019
स्थान : दिल्ली

प्ररूप संख्या आईएनसी-26
(कंपनी (निगमन) नियम, 2014 के नियम 30 के अनुसरण में)
केन्द्रीय सरकार के समक्ष
उत्तरी क्षेत्र (क्षेत्र निदेशक) नई दिल्ली
कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 13(4) और कंपनी (निगमन) नियम, 2014 के नियम 30 के उपनियम (5)(छ के खंड (क)छ के मामले में
और
क्लिक्सलॉजिक्स टेक्नोलॉजीस प्राइवेट लिमिटेड
जिसकी रजिस्ट्रीकृत कार्यालय हाउस सं 45, केएच. नं. 262/258/217/4, 3 फ्लोर, स्ट्रीट सं. पृथ्वी राज रोड, बीएलके-डी, आदर्श नगर, दिल्ली नॉर्थ वेस्ट, दिल्ली 110033
......याचिकाकर्ता
आम जनता को यह नोटिस दी जाती है कि यह कंपनी केन्द्रीय सरकार के समक्ष कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 13 के अधीन आवेदन फाइल का प्रस्ताव करती है जिसमें कंपनी का रजिस्ट्रीकृत कार्यालय **"राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली" से उत्तर प्रदेश राज्य** मे स्थानांतरित करने के लिए **तारीख 04.11.2019** को आयोजित असाधारण अधिवेशन मे पारित विशेष संकल्प के संदर्भ में कंपनी के संगम ज्ञापन मे संशोधन की पुष्टि की मांग की गई है।
कंपनी के रजिस्ट्रीकृत कार्यालय के प्रस्तावित स्थानांतरण से यदि किसी व्यक्ति का हित प्रभावित होता है तो वह व्यक्ति या तो निवेशक शिकायत प्ररूप फाइल कर एमसीए-21 पोर्टल (www.mca.gov.in) में शिकायत दर्ज कर सकता है या एक शपथ पत्र जिसमें उनके हित का प्रकार और उसके विरोध का कारण उल्लिखित हो के साथ अपनी आपत्ति प्रादेशिक निदेशक को इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 14 दिनों के भीतर बी-2 विंग द्वितीय तल, पर्यावरण भवन सी जी ओ कॉम्प्लेक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली-110003 पते पंजीकृत डाक द्वारा भेज सकता है या सुपुर्द कर सकते है और इसकी प्रति आवेदक कंपनी को उनके ऊपर लिखित रजिस्कृत कार्यालय पते पर भेजें।
आवेदक के लिए और आवेदक की ओर से
क्लिक्सलॉजिक्स टेक्नोलॉजीस प्राइवेट लिमिटेड
हस्ता/-
(श्री बृज मोहन)
निदेशक
डीआईएन : 00582244
दिनांक : 09.12.2019
स्थान : नई दिल्ली

केन फिन होम्स लि.
एससीओ- 34 एवं 35, 1ला तल, केनरा बैंक के ऊपर, सेक्टर-10ए, गुड़गांव,
फोन: 0124-2370035, 2370760, CIN No.: L85110KA1987TLC008699

मांग सूचना

"वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्त्तन अधिनियम, 2002 (2002 के सं. 54)" की धारा 13 (2) के अंतर्गत आप नं. 1 से 10 ने अपने स्वामित्व की निम्न परिसम्पत्तियों की गिरवी की प्रतिभूति पर हमारी शाखा से आवास ऋण प्राप्त किया है। सूची के अनुसार अनुबंधित दर पर ब्याज तथा अन्य चार्जेज के साथ अधोलिखित राशि केन फिन होम्स लि. का आप पर बकाया है।

क्रम सं.	ऋणधारक/ गारन्टर/ मार्टगैजर का नाम एवं पता	मांग सूचना तिथि	इस तिथि का 13 (2) सूचना के अनुसार मांग की गई राशि	अचल सम्पत्तियों का विवरण
1.	श्रीमती शकुन्तला देवी (ऋणधारक) पत्नी अत्तर सिंह, श्री अत्तर सिंह (सह-ऋणधारक) पुत्र- जय सिंह, फ्लैट नं. 203, 2रा तल, रीअर साईड, प्लॉट नं. 57, स्वरूप गार्डन, राजेन्द्र पार्क, गुरुग्राम 122001 श्री अभिशेक कुमार सिंह (गारन्टर) पुत्र- अनिल कुमार सिंह, एच.नं. 25/2690, अशोक विहार फेज-2, सम्राट गार्डन के निकट, गुरुग्राम-122001	1.12.2019	रु. 19,87,300.00	फ्लैट नं. 203, 2रा तल, रीअर साईड भाग, प्लॉट नं. 57, खसरा नं. 138, अनुशातन वाटिका स्वरूप गार्डन, राजेन्द्र पार्क, गुरुग्राम-122001 तथा चौहद्दी इस प्रकार है: उत्तर: अन्य सम्पत्ति, दक्षिण: पैसेज एवं फ्लैट नं. 201/202, पूर्व: सीढ़ी, पश्चिम: अन्य सम्पत्ति।

सरफैसी अधिनियम, 2002 की धारा 13 (2) के अंतर्गत आप को पंजीकृत मांग सूचना भेजी गई। लेकिन, दोनों सूचनाएं अन्सर्व्ड वापस प्राप्त की गई, अतएव, समाचार पत्र में यह प्रकाशन है। चूंकि, आप स्वीकृति की शर्तों का अनुपालन करने में विफल रहे, एनएचबी के दिशानिर्देशों के अनुसार इस खाता को गैर- प्रचालन परिसम्पत्ति के रूप में वर्गीकृत कर दिया गया। एतद्द्वारा आपको निर्देश दिया जाता है कि इस सूचना की तिथि से 60 दिनों के भीतर 30.11.2019 से उस पर अनुबंधित दर पर ब्याज के साथ उपरोक्त राशि का भुगतान करें अन्यथा, अधोहस्ताक्षरी उपरोक्त प्रतिभूति को प्रवर्त्तित करने के लिए सरफैसी अधिनियम के अंतर्गत कार्रवाई शुरू करने के लिए बाध्य होंगे।

तिथि: 9.12.2019
स्थान: गुरुग्राम

हस्ता./-
प्राधिकृत अधिकारी
केन फिन होम्स लि.

चोटी की 10 में पांच कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 56,877 करोड़ रुपए बढ़ा

नई दिल्ली, 8 दिसंबर (भाषा)।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से पांच कंपनियों का बाजार पूंजीकरण पिछले सप्ताह 56,877.12 करोड़ रुपए बढ़ गया। इस दौरान टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) सबसे अधिक लाभ में रही।

रिलायंस इंडस्ट्रीज, आइसीआइसीआइ बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक और इंफोसिस के भी बाजार पूंजीकरण में तेजी आई। हालांकि, एचडीएफसी बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचडीएफसी, आइटीसी और भारतीय स्टेट बैंक को बाजार पूंजीकरण में नुकसान उठाना पड़ा। आलोच्य सप्ताह के दौरान टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 26,360.5 करोड़ रुपए बढ़कर 7,96,612.51 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। कोटक महिंद्रा बैंक का बाजार पूंजीकरण 11,443.51 करोड़ रुपए बढ़कर 3,19,864.26 करोड़ रुपए, आइसीआइसीआइ बैंक का बाजार पूंजीकरण 8,329.51 करोड़ रुपए की वृद्धि के साथ 3,39,341.06 करोड़ रुपए, इंफोसिस का बाजार पूंजीकरण 8,176.24 करोड़ रुपए चढ़कर 3,04,543.53 करोड़ रुपए और रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 2,567.36 करोड़ रुपए अधिक होकर 9,85,707.52 करोड़ रुपए पर पहुंच गया।इस दौरान एसबीआइ के बाजार पूंजीकरण में सर्वाधिक 19,678.8 करोड़ रुपए की गिरावट आई और यह 2,85,409.08 करोड़ रुपए पर आ गया। इसके अलावा एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 15,359 करोड़ रुपए गिरकर 6,82,367.73 करोड़ रुपए, एचडीएफसी का बाजार पूंजीकरण 5,521.67 करोड़ रुपए कम होकर 3,91,269.72 करोड़ रुपए, आइटीसी का बाजार पूंजीकरण 3,748.24 करोड़ रुपए लुढ़ककर 2,98,998.76 करोड़ रुपए रह गया।

एकबारगी इस्तेमाल वाले प्लास्टिक के चौथाई बाजार पर कागज उद्योग का होगा कब्जा

नई दिल्ली, 8 दिसंबर (भाषा)।

एकबारगी इस्तेमाल वाले प्लास्टिक के पर्यावरण दुष्प्रभावों पर बहस के बीच कागज इसके एक स्थिर विकल्प के रूप में उभर रहा है। एक नए अध्ययन में कहा गया है कि 2025 तक 80,000 करोड़ रुपए के एकल इस्तेमाल प्लास्टिक के 25 फीसद बाजार पर कागज उद्योग का कब्जा होगा।

हाइवे इंडिया द्वारा पिछले सप्ताह आयोजित दुनिया की सबसे बड़ी कागज प्रदर्शनी पेपरेक्स- 2019 में जारी अध्ययन के अनुसार 2017-18 में भारत में हर रोज 26,000 टन प्लास्टिक कचरा पैदा होता था। इसमें से सिर्फ 60 फीसद ही रिसाइकिल किया जाता है और शेष सड़कों, कूड़ाघरों में ऐसे ही फेंक दिया जाता है।

रिपोर्ट के अनुसार, देश का एकल इस्तेमाल प्लास्टिक उद्योग 80,000 करोड़ रुपए का है और यह और बढ़ रहा है। देश में प्लास्टिक की खपत में पैकेजिंग का हिस्सा एक तिहाई का है। छोटे से समय में 70 फीसद प्लास्टिक की पैकेजिंग कचरे में तब्दील हो जाती है। रिपोर्ट कहती है जिस प्लास्टिक कचरे को जुटाया नहीं जाता है, उनसे जमीन और पानी के जीवों को खतरा होता है। इसमें कहा गया है कि एकल इस्तेमाल वाले प्लास्टिक बैग और प्लास्टिक के कंटेनरों को समाप्त होने में एक हजार साल तक का समय लग जाता है। हाइवे इंडिया लंदन के हाइवे समूह पीएलसी की शतप्रतिशत अनुषंगी है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि दूसरी ओर कागज पर्यावरणनुकूल और जैविक रूप से अनुकूल होता है। इसमें कहा गया है कि यह मिथक है कि कागज उद्योग उत्पादन के लिए पेड़ों को काटता है और इसमें पानी और बिजली की भारी खपत होती है। रिपोर्ट कहती है कि कागज उद्योग जितने पेड़ काटता है उससे अधिक लगाता है। उद्योग का प्रमुख कच्चा माल 100 फीसद नवीकरणीय लकड़ी और कृषि अपशिष्ट है। अध्ययन में कहा गया है कि करीब एक तिहाई नया कागज पुनर्चक्रित कागज से आता है। इतना ही अन्य कचरे मसलन लकड़ी के बुरादे आदि से आता है।

www.readwhere.com

ओड़ीशा के खुर्दा में रविवार को पाइका विद्रोह के 200 साल पूरे होने पर आयोजित समारोह में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद।

घोषणा पत्रों में सियासी दलों ने की वादों की बरसात

सरकारी नौकरी, कृषि कर्ज माफी, बेरोजगारी भत्ता जैसे लोकलुभावन वादे किए

रांची, 8 दिसंबर (भाषा)।

झारखंड में पांच चरणों में हो रहे विधानसभा चुनाव के लिए विभिन्न पार्टियों के चुनाव घोषणापत्रों में युवाओं को सरकारी नौकरियां, बेरोजगार युवाओं को भत्ता और किसानों की कर्ज माफी सहित कई लोकलुभावन वादे किए गए हैं।

राज्य में सत्तारूढ़ भाजपा ने अपने चुनाव घोषणापत्र में पूरे राज्य में घुसपैठ खत्म करने के लिए राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) लागू करने की घोषणा की है। भगवा पार्टी ने अपने संकल्पपत्र में वादा किया है कि फिर से सत्ता में आने पर वह झारखंड को 2024 तक पूर्वी भारत का 'लॉजिस्टिक हब' बना देगी और प्रत्येक गरीब परिवार के एक सदस्य को नौकरी देगी, जबकि विपक्षी कांग्रेस ने हर परिवार के कम से कम एक सदस्य को नौकरी देने का वादा किया है।

भाजपा ने प्रथम चरण के चुनाव से ठीक पहले 27 नवंबर को 63 पृष्ठों का अपना घोषणापत्र जारी किया था, जिसमें उसने वादा किया है कि उसकी 'सर्वव्यापी और सर्वस्पर्शी' सरकार प्रत्येक बीपीएल परिवार को रोजगार/स्वरोजगार उपलब्ध कराएगी।

वहीं, कांग्रेस ने अपने 40 पृष्ठों के घोषणापत्र में छत्तीसगढ़ की तर्ज पर किसानों के दो लाख रुपए तक के सभी कृषि कर्ज तुरंत माफ करने का वादा किया है। साथ ही, पार्टी ने सरकार बनने के छह माह के भीतर सभी सरकारी रिक्तियों को भरने और प्रत्येक परिवार से एक व्यक्ति को नौकरी देने की बात कही है।

कांग्रेस ने यह भी कहा है कि जब तक नौकरी का यह वादा पूरा नहीं कर पाएगी, तब तक वह परिवार के एक सदस्य को बेरोजगारी भत्ता देगी। पार्टी ने किसानों को 2,500 रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) देने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को 'मनरेगा' के तहत अधिक से अधिक दिनों का रोजगार देने की घोषणा की है।

कांग्रेस और राजद के साथ गठबंधन कर विधानसभा चुनाव लड़ रहे झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन ने कांग्रेस की 'न्याय योजना' की तर्ज पर गरीबों को प्रति परिवार 72 हजार रुपए सालाना देने की घोषणा की। गौरतलब है कि इस साल हुए लोकसभा चुनावों के दौरान कांग्रेस 'न्याय योजना' लेकर आई थी।

झारखंड विधानसभा चुनाव

झारखंड चुनाव में इसे (न्याय योजना को) नहीं दोहराने के बारे में पूछे जाने पर कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता मनीष तिवारी ने कहा कि यह मुद्दा पार्टी (कांग्रेस) ने अपने घोषणा पत्र में क्यों नहीं शामिल किया, इसकी उन्हें जानकारी नहीं है।

झामुमो ने अपने 'निश्चय पत्र' में निजी क्षेत्र में राज्य के 75 फीसद लोगों को रोजगार सुनिश्चित कराने और सरकारी नौकरियों में झारखंड के पिछड़े समुदाय को 27 फीसद, आदिवासियों को 28 फीसद एवं दलितों को 12 फीसद आरक्षण देने का वादा किया है। पार्टी ने रिक्त पड़े सभी सरकारी पदों को दो वर्ष के भीतर भरने और स्नात बेरोजगारों को 5,000 रुपये तथा स्नातकोत्तर बेरोजगारों को 7,000 रुपए प्रति माह बेरोजगारी भत्ता देने का भी वादा किया है।

दिलचस्प है कि 'कांग्रेस-झामुमो-राजद' गठबंधन में शामिल राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने अपना घोषणापत्र किसी को उपलब्ध ही नहीं कराया है। मुख्यमंत्री रघुवर दास नीत भाजपा सरकार में पांच साल तक उसकी सहयोगी पार्टी रही ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन (आज्सू) 53 सीटों पर अपने बूते चुनाव लड़ रही है। पार्टी ने अपने घोषणा पत्र में 'गांव की सरकार' की बात कही है और स्थानीय लोगों को रोजगार में प्राथमिकता देने का वादा किया है।

वहीं, राज्य विधानसभा की सभी 81 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ रही पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी की झारखंड विकास मोर्चा (झाविमो) पार्टी ने स्थानीय लोगों को सरकारी नौकरियों में प्राथमिकता देने के लिए स्थानीयता की नीति को युक्तिसंगत बनाने की बात कही है। झाविमो ने 'हम आएंगे कर दिखाएंगे' के संकल्प के साथ अपना चुनावी घोषणा पत्र जारी किया है, जिसमें राज्य में कानून एवं व्यवस्था दुरुस्त करने को सर्वोच्च प्राथमिकता में रखा गया है। पार्टी ने मनरेगा मजदूरों को 171 रुपए के बजाय 300 रुपए मजदूरी देने का वादा किया है।

राजग के घटक दल एवं राज्य विधानसभा चुनाव अपने बूते लड़ रहे जनता दल-यूनाइटेड (जदयू) ने दूसरे चरण के चुनाव से पहले अपना घोषणा पत्र जारी किया और उसमें रोजगार देने की पार्टी की नीति की चर्चा की है, लेकिन इसके लिए कोई निश्चित लक्ष्य नहीं निर्धारित किया गया है।कम्युनिस्ट पार्टियों ने गरीबों और किसानों के हितों की बातें करते हुए पिछले पांच वर्षों के जन मुद्दों को एक संकल्प पत्र के माध्यम से लोगों के सामने रखा है लेकिन अब तक कोई घोषणा पत्र जारी नहीं किया है।

झारखंड विधानसभा चुनाव पांच चरणों में हो रहा है। राज्य में 30 नवंबर को पहले चरण और सात दिसंबर को दूसरे चरण के लिए मतदान हुआ। वहीं, 12 दिसंबर को तीसरे चरण, 16 दिसंबर को चौथे और 20 दिसंबर को पांचवें एवं आखिरी चरण का मतदान होगा। मतगणना एक साथ 23 दिसंबर को होगी।

पाइका विद्रोह स्मारक आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगा : राष्ट्रपति

भुवनेश्वर, 8 दिसंबर (भाषा)।

ब्रिटिश शासन के खिलाफ पाइका विद्रोह के 200 साल पूरे होने के मौके पर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने रविवार को यहां इससे जुड़े स्मारक की आधारशिला रखी। उन्होंने कहा कि ओड़ीशा के खुर्दा जिले में यह स्मारक आने वाली पीढ़ियों के लिये प्रेरणास्रोत होगा। उन्होंने कहा कि बरुनेई की पहाड़ियों की तलहटी में यह परियोजना 10 एकड़ जमीन पर तैयार होगी।

कोविंद ने कहा, 'इस स्मारक को ओड़ीशा के शौर्य के प्रतीक के तौर पर देखा जाएगा और आने वाली पीढ़ियों के लिए यह प्रेरणा का स्रोत होगा।' ओड़ीशा के गजपति शासकों के तहत आने वाले किसानों की सेना पाइका ने बक्शी जगबंधु विद्याधर के नेतृत्व में 1817 में ब्रिटिशों के खिलाफ विद्रोह किया था।

ओड़ीशा को शांतिप्रिय लोगों की भूमि बताते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि खेती में जुटे रहने वाले पाइका ने उस वक्त औपनिवेशिक शासकों के खिलाफ विद्रोह का बिगुल फूंक दिया जब उन्होंने उनकी जमीन हड़पने की कोशिश की। उन्होंने कहा, 'क्रांतिकारी जयी राजगुरु के अंग्रेजों के कपट के खिलाफ लड़ते हुए वीरगति प्राप्त करने के बाद, अंग्रेजों ने सोचा होगा कि पाइकों के विद्रोह को उन्होंने कुचल दिया। परंतु बक्शी जगबंधु बिद्याधर ने अपने साहसी नेतृत्व से पाइका विद्रोह को ज्वाला का रूप दिया।' कोविंद ने कहा कि इसमें विद्रोह में किसानों, श्रमिकों और कलाकारों ने भी हिस्सा लिया। इस मौके पर ओड़ीशा के राज्यपाल गणेशी लाल, आंध्र प्रदेश के राज्यपाल बिस्व हरिचंदन, ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक, केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, प्रह्लाद सिंह पटेल और प्रताप चंद्र सारंगी भी मौजूद थे।

● पाइका विद्रोह के 200 साल पूरे होने के मौके पर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने इससे जुड़े स्मारक की आधारशिला रखी।

महिलाओं के खिलाफ अत्याचारों का हल नए कानून बनाने में नहीं : वेंकैया नायडू

राजनीतिक इच्छाशक्ति और प्रशासनिक कौशल जरूरी

पुणे, 8 दिसंबर (भाषा)।

उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने रविवार को कहा कि महिलाओं के खिलाफ अत्याचार पर अंकुश लगाने के लिए नए कानून लाना ही समाधान नहीं है बल्कि 'राजनीतिक इच्छा शक्ति ' और 'प्रशासनिक कौशल' इस सामाजिक बुराई के खात्मे के लिए जरूरी है।

उन्नाव और हैदराबाद की हाल की घटनाओं का जिक्र करते हुए नायडू ने कहा, 'भारतीय संस्कृति में हम महिला को मां और बहन के रूप में लेते हैं। लेकिन कुछ हिस्सों में हाल के दिनों में जो कुछ हुआ है, वाकई शर्मनाक है और हमारे लिए चुनौती है। हमें यह सुनिश्चित करने के लिए संकल्प लेना चाहिए कि इस प्रकार के भेदभाव और अत्याचार तत्काल रुके।' उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में 23 वर्षीय एक महिला को गुरुवार सुबह उस समय उसके दो बलात्कारियों समेत पांच व्यक्तियों ने कथित रूप से आग लगा दी थी जब वह अदालत की सुनवाई के सिलसिले में रायबरेली जा रही थी। बुरी तरह जल गई इस महिला ने शुक्रवार रात को दम तोड़ दिया था।

यह घटना हैदराबाद में एक पशुचिकित्सक के साथ सामूहिक बलात्कार और उसकी हत्या कर दिए जाने के कुछ दिन बाद हुई। हैदराबाद की घटना से देशभर में जनाक्रोश पैदा हो गया था। यहां सिम्बायोसिस इंटरनेशनल यूनिर्विसटी के 16वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा, 'हम निर्भया पर कानून लाए। क्या हुआ? क्या समस्या का हल हो गया? मैं कोई विधेयक या नया कानून लाए जाने के विरूद्ध नहीं हूं लेकिन जो मैं सदैव महसूस करता हूं वह यह है कि इस सामाजिक बुराई को खत्म करने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति एवं प्रशासनिक कौशल जरूरी है। मानसिकता में बदलाव समय की मांग की है और हमें अपने जड़ों और संस्कृति की ओर लौटना चाहिए।'

उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाओं को धर्म या राजनीति के चश्मे से देखऐ से कहीं ऐसा न हो जाए कि मूल वजह दब जाए। उन्होंने कहा, 'इससे भारत की बदनामी हो रही है। कुछ लोग दावा कर रहे हैं कि भारत इसकी-उसकी राजधानी बन रही है। लेकिन हमें अपने देश को नीचा नहीं दिखाना चाहिए और अत्याचार के ऐसे मामलों पर राजनीति नहीं करनी चाहिए।

नायडू ने विश्व रैंकिंग में भारतीय विश्वविद्यालयों के न होने पर जताया अफसोस

पुणे, 8 दिसंबर (भाषा)।

उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने रविवार को कहा कि कोई भी भारतीय विश्वविद्यालय इस साल की टाइम विश्व रैंकिंग में शीर्ष 300 संस्थानों में नहीं आया है और उन्होंने देश में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने यहां सिंबायोसिस इंटरनेशनल यूनिर्विसटी के 16वें दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए रणनीति बनाने की जरूरत है कि भारतीय विश्वविद्यालय पहले दुनिया के शीर्ष 100 संस्थानों में जगह बना सकें और फिर शीर्ष 50 संस्थानों में पहुंचें। उन्होंने कहा, 'हमें भारत को फिर विश्व गुरु बनाना है। उसके लिए हमें भारतीय विश्वविद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारना होगा। यह दुख की बात है कि कोई भी भारतीय विश्वविद्यालय इस साल की टाइम वर्ल्ड रैंकिंग में शीर्ष 300 संस्थानों में नहीं आया । हमें उसके लिए जिम्मेदार कारकों के बारे में सोचना होगा।'

उपराष्ट्रपति ने कहा कि केंद्रीय और राज्य विश्वविद्यालयों में अध्यापकों के रिक्त पदों को तुरंत भरने की जरूरत है और दावा किया कि केंद्र सरकार ने हाल ही में इस संबंध में सक्रिय कदम उठाए हैं।

भारतीय उपग्रहों को मलबे से सुरक्षित रखने के लिए 33 करोड़ रुपए का प्रस्ताव

नई दिल्ली, 8 दिसंबर (भाषा)।

सरकार ने अंतरिक्ष में भारतीय उपग्रहों को मलबे और अन्य खतरों से सुरक्षित रखने वाली इसरो की 'नेटवर्क फार स्पेस आब्जेक्ट्स ट्रैकिंग एंड एनालिसिस' या 'प्रोजेक्ट नेत्र' के लिए 33.30 करोड़ रुपए का प्रस्ताव किया है। अनुदान की पूरक मांगों के दस्तावेज से यह जानकारी मिली है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वर्ष 2019-20 के अनुदान की पूरक मांगों के पहले बैच में 'नेटवर्क फार स्पेस आब्जेक्ट्स ट्रैकिंग एंड एनालिसिस' परियोजना के वास्ते 33.30 करोड़ रुपए मंजूर करने के लिए संसद की मंजूरी मांगी थी। लोकसभा ने पिछले सप्ताह इसे मंजूरी दे दी।

सितंबर 2019 में भारत ने अंतरिक्ष में अपने उपग्रहों एवं अन्य संपत्तियों की मलबे एवं अन्य वस्तुओं से सुरक्षा के लिए प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली संबंधी 'प्रोजेक्ट नेत्र' की घोषणा की थी। इस पर 400 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत आने की संभावना है। वैज्ञानिकों का कहना है कि मानव के 50 वर्षों के अंतरिक्ष इतिहास में पृथ्वी की कक्षा के चारों तरफ घूमने वाली कचरे की एक पट्टी बन गई है, जिसके कई तरह के खतरे हैं। ऐसे में अंतरिक्ष में देशों के लिए अपनी संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करना जरूरी है।

वर्तमान में भूस्थैतिक कक्षा में 15 भारतीय संचार उपग्रह सक्रिय हैं। इसके अलावा निम्न भू-कक्षा (2,000 किलोमीटर के दायरे) में 13 रिमोट सेंसिंग उपग्रह तथा पृथ्वी की मध्य कक्षा में आठ नेविगेशन उपग्रह स्थापित हैं। इसके अलावा भी कई छोटे उपग्रह अंतरिक्ष में मौजूद हैं। सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के पूर्व वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. एमवाईएस प्रसाद ने कहा कि भारत एक जिम्मेदार अंतरिक्ष शक्ति है और इस तरह की निगरानी क्षमता अंतरिक्ष संपत्ति की सुरक्षा के लिए जरूरी है।

उन्होंने कहा कि 'नेटवर्क फार स्पेस आब्जेक्ट्स ट्रैकिंग एंड एनालिसिस' परियोजना से भारत को अंतरिक्ष में मलबे एवं अन्य खतरों का आकलन करने की अमेरिका और रूस के समान क्षमता हासिल हो जाएगी। एक रिपोर्ट के अनुसार, अंतरिक्ष में लगभग 17,000 मानव निर्मित वस्तुओं की निगरानी की जाती हैं, जिनमें से सात फीसद वस्तुएं सक्रिय हैं। एक समयावधि के बाद ये वस्तुएं निष्क्रिय हो जाती हैं और अंतरिक्ष में घूर्णन करने के दौरान एक-दूसरे से टकराती रहती हैं। प्रत्येक वर्ष अंतरिक्ष में वस्तुओं के टकराने की अनेकों घटनाएं होती हैं। इसके फलस्वरूप मलबे के छोटे-छोटे टुकड़े अत्यंत तीव्र गति से घूर्णन करते रहते हैं। अंतरिक्ष में उपस्थित निष्क्रिय उपग्रहों और अन्य मलबा पृथ्वी की कक्षा में कई वर्षों तक विद्यमान रहता हैं और ये मलबा किसी भी सक्रिय उपग्रह को क्षति पहुंचा सकता है।

● वर्तमान में भूस्थैतिक कक्षा में 15 भारतीय संचार उपग्रह सक्रिय हैं।

● निम्न भू-कक्षा में 13 रिमोट सेंसिंग उपग्रह तथा पृथ्वी की मध्य कक्षा में आठ नेविगेशन उपग्रह स्थापित हैं।

ओरियन्टल बैंक ऑफ कॉमर्स
(भारत सरकार का उपक्रम)
ओ.बी.सी
लार्ज कॉरपोरेट शाखा, प्रथम तल, हर्षा भवन, ई-ब्लॉक, क्नॉट प्लेस, नई दिल्ली-110001, फोन: 011-49191101,49191134,49191135,49191139, फैक्स: (011) 23417236

ई-नीलामी बिक्री सूचना

चल/अचल सम्पत्तियों की बिक्री हेतु ई-नीलामी की सार्वजनिक सूचना ईएमडी (धरोहर जमा राशि) तथा दस्तावेजों की प्रस्तुति की अंतिम तिथि व समय : 23-12-2019 को सांय 5.00 बजे तक

वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन एंव प्रतिभूति हित प्रवर्तन (सरफेसी) अधिनियम 2002 (2002 की सं. 54) के अधीन बैंक के पास बंधक पड़ी चल/अचल सम्पत्ति की बिक्री, जैसाकि ओरियन्टल बैंक ऑफ कॉमर्स, के प्राधिकृत अधिकारी ने बैंक की बकाया राशि की वसुली हेतु "जो है जहाँ है", "जैसी है जो कुछ भी है" एवं "दायित्व रहित आधार पर" उसको बेचने के अधिकार के साथ हमारी शाखाओं के पास निम्नलिखित ऋण खाते में वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूतिहित के प्रवर्तन (सरफेसी) अधिनियम, 2002 की धारा 13(2) के अधीन जारी की गयी सूचना के अनुपालन में निम्नलिखित सम्पत्ति का कब्जा ले लिया है। इसकी बिक्री वेब साईट: www.bankeauctionwizard.com में प्रदान किये गये ई-नीलामी लिंक के माध्यम से अधोहस्ताक्षरी द्वारा की जाएगी।

चल/अचल सम्पत्तियों का विवरण

कर्जदार का नाम	सम्पत्ति का विवरण एवं स्वामी का नाम	आरक्षित मूल्य / धरोहर राशि / बोली में वृद्धि हेतु राशि	ई-नीलामी की तारीख/समय	सम्पत्ति की निरीक्षण की तिथि एवं समय	मांग सूचना की तिथि / बकाया राशि (जमानती कर्ज)	ई एम डी प्रेषण खाते का विवरण
मैसर्स एमसन्स् इंटरनेशनल लिमिटेड, पंजीकृत कार्यालय: 2637, प्रथम तल, नया बाजार, दिल्ली-110006, और: 17, ज़मरूदपुर कम्युनिटी सैन्टर कैलाश कॉलोनी, नई दिल्ली-110048, निदेशक/गारंटर: (1) श्री अनिल मोंगा (2) श्री राजेश मोंगा (3) श्री शिवाज़ मोंगा (4) श्री संजीव मोंगा (5) श्री रोशनलाल मोंगा	सम्पत्ति नं. एस-473, द्वितीय तल का फ्लैट, ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली में स्थित, क्षेत्रफल 208 वर्ग गज, यह सम्पत्ति मैसर्स एमसन्स् इंटरनेशनल लिमिटेड के नाम पर है।	₹ 154.00 लाख ₹ 15.40 लाख ₹ 1.00 लाख	26-12-2019 समय 60 मिनट दोपहर 12.00 बजे से अर्पाह्न 01.00 बजे तक (5 मिनट की अवधि के असीमित विस्तार के साथ)	11-12-2019 दोपहर 12.00 से अर्पा. 4.00 बजे के बीच	ओबीसी की बकाया राशि रु. 4,37,89,72,073/- दिनांक 18.12.2015 तक, इलाहाबाद बैंक की बकाया राशि रु 1,48,10,86,664.14 दिनांक 14.01.2016 तक, बैंक ऑफ बड़ौदा की बकाया राशि रु. 1,65,63,29,825.32 दिनांक 15.05.2016 तक, इण्डियन ओवरसीस बैंक की बकाया राशि रु. 2,74,53,05,197 कुल राशि: 1026,16,93,759.46 साथ में भविष्य का ब्याज एवं अन्य प्रभार सहित	00071182000017 E-Auction under SARFAESI A/C Emmsons International Ltd IFSC Code ORBC0100007
सोनियर इंडस्ट्रीज लिमिटेड, 20 नॉर्थ वेस्ट एवेन्यू, पंजाबी बाग, दिल्ली-110026 सोनियर इंडस्ट्रीज लिमिटेड, 28 KMs, रोहतक माइल स्टोन, रोहाड बॉय पास, गाँव रोहाड़, जिला झज्जर, हरियाणा - 124507 श्री जितेंद्र केजरीवाल (निदेशक/बंधककर्ता/गारंटर) मकान नं. 20-सी/ 73, पंजाबी बाग, पश्चिम, नई दिल्ली-110026 श्री जितेंद्र केजरीवाल (निदेशक / बंधककर्ता/गारंटर) 20 नॉर्थ वेस्ट एवेन्यू, पंजाबी बाग, दिल्ली - 110026	1. सम्पत्ति नं. 2937, वार्ड नं. XV गली नं. 3, (सम्पूर्ण भूतल) चूना मण्डी, मुलतानी डाण्डा, पहाड़गंज, नई दिल्ली में स्थित, यह सम्पत्ति श्री जितेन्द्र केजरीवाल के नाम पर है। (भौतिक कब्जा) 2. सम्पत्ति नं. 20 एनडब्ल्यूए, प्रथम तल, (बिना छत / टैरेस अधिकार के) क्षेत्रफल 299.13 वर्ग गज, आदर्श भवन को-ऑपरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसाएटी लि. ले आउट प्लान के अंतर्गत, जिसे अब पंजाबी बाग एक्सटेंशन, नई दिल्ली कहते है यह सम्पत्ति श्री जितेन्द्र केजरीवाल के नाम पर है। (भौतिक कब्जा)	1. ₹ 1.91 करोड ₹ 19.10 लाख ₹ 1.00 लाख 2. ₹ 4.15 करोड ₹ 41.50 लाख ₹ 2.00 लाख	26-12-2019 समय 60 मिनट दोपहर 12.00 बजे से अर्पाह्न 01.00 बजे तक (5 मिनट की अवधि के असीमित विस्तार के साथ)	1. 12-12-2019 दोपहर 12.00 से अर्पा. 4.00 बजे के बीच 2. 11-12-2019 दोपहर 12.00 से अर्पा. 4.00 बजे के बीच	रु. 172,92,62,505/- दिनांक 06.12.2016 तक प्लस दिनांक 07.12.2016 से भविष्य का ब्याज, लागत एवं अन्य प्रभार	00071181000332 E-Auction under SARFAESI A/C Sonear Industries Limited IFSC Code ORBC0100007
मैसर्स ऑयस्टर स्टील एंड आयरन प्रा. लि. (उधारकर्ता), निदेशक/गारंटर: श्री प्रेम चंद गुप्ता, श्रीमती मधु लता गारंटर: श्री पराग गुप्ता गारंटर / बंधककर्ता: मैसर्स ऋद्धि सिद्धी पोशाक प्राइवेट लिमिटेड	साम्यिक बंधक फ्री होल्ड सम्पत्ति जोकि प्लॉट नं. 6, बेसमेंट, पार्क एण्ड, विकास मार्ग, नई दिल्ली में स्थित, प्रथम पारी पासु प्रभारित आधार पर (भौतिक कब्जा)	₹ 1.55 करोड़ ₹ 15.50 लाख ₹ 1.00 लाख	26-12-2019 समय 60 मिनट दोपहर 12.00 बजे से अर्पाह्न 01.00 बजे तक (5 मिनट की अवधि के असीमित विस्तार के साथ)	11-12-2019 दोपहर 12.00 से अर्पा. 4.00 बजे के बीच	04-07-2018 ओबीसी: रु 87,21,97,772.06 दिनांक 30.06.2018 तक और दिनांक 01.07.2018 से संविदात्मक दर पर भविष्य का ब्याज अदायगी की तिथि तक साथ में लागत और अन्य प्रभार इत्यादि सहित और विजया बैंक: रु. 35,33,95,864.02 दिनांक 31.08.2018 तक प्लस दिनांक 01.09.2018 से संविदात्मक दर पर भविष्य का ब्याज अदायगी की तिथि तक साथ में लागत और अन्य प्रभार इत्यादि सहित	00071181000318 E-Auction under SARFAESI A/C Oyster Steel & Iron Pvt Ltd. IFSC Code ORBC0100007
गुप्ता एक्ज़िम (इंडिया) प्रा. लि., 144, डीएलएफ औद्योगिक क्षेत्र, फेज-I, फरीदाबाद, हरियाणा-121003 निदेशक/गारंटर: 1. श्री संदीप गुप्ता, 2. श्रीमती शोभाना गुप्ता 3. श्री केएल गुप्ता	मकान नं. डी-967, न्यू फ्रैन्ड्स कॉलोनी, नई दिल्ली-110065 में स्थित, यह सम्पत्ति श्री के.एल. गुप्ता के नाम पर है।	₹ 17.50 करोड ₹ 1.75 करोड ₹ 2.00 लाख	26-12-2019 समय 60 मिनट दोपहर 12.00 बजे से अर्पाह्न 01.00 बजे तक (5 मिनट की अवधि के असीमित विस्तार के साथ)	11-12-2019 अर्पा. 01.00 से अर्पा. 05.00 बजे के बीच	16-01-2018 रु. 520,04,32,414/- दिनांक 31.12.2017तक + भविष्य का ब्याज एवं अन्य प्रभार	00071181000301 E-Auction under SARFAESI A/C Gupta Exim (India) Pvt. Ltd. IFSC Code ORBC0100007

नियम व शर्तें

1. ई-नीलामी "जो है जहाँ है" , "जैसी है जो कुछ भी है" एवं "दायित्व रहित आधार पर" आयोजित की जा रही है।
2. धरोहर राशि और दस्तावेजों को जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय 23.12.2019 को सांय 4.00 बजे तक है।
3. प्राधिकृत अधिकारी के सर्वोत्तम ज्ञान एवं सूचना के अनुसार सम्पत्ति पर कोई भार नही है। इच्छुक बोलीदाता नीलामी की जाने वाली सम्पत्ति पर किसी भी भार, टाइटल और सम्पत्ति पर किसी भी दावे/अधिकार/बकाए के संबंध में बिड जमा करने से पहले स्वयं जांच कर सकते हैं। सम्पत्ति बैंक को ज्ञात और अज्ञात सभी वर्तमान और भविष्य के ऋण-भार सहित बेची जा रही है। तृतीय पक्ष यदि सम्पत्ति पर किसी बकाए / अधिकार के संबंध में कोई दावा करता है, तो इसके लिए किसी भी तरह से प्राधिकृत अधिकारी/जमानती ऋणदाता जिम्मेदार नहीं होगा।
4. रिकॉर्ड के अनुसार उपरोक्त सभी सम्पत्तियां फ्री होल्ड सम्पत्तियां है। उपरोक्त सभी सम्पत्तियों का भौतिक कब्जा बैंक के पास है।
5. इच्छुक बोलीदाता जिन्होने धरोहर राशि जमा किया है और लॉगईन आईडी एवं पासवर्ड बनाने, डाटा अपलोडिंग करने, बोली जमा करने, ई-बिडिंग प्रक्रिया पर प्रशिक्षण इत्यादि में अपेक्षित सहायता के लिए अन्तरेस सिस्ट्म लि., व्यक्ति का नाम जिसे सम्पर्क किया जा सके श्री सचिन, मो. 9555926408, श्री कुशल बोस, मो. 7686913157, श्री पुष्पराज - मो. 7503347659, ईमेल : sachin@antaressystems.com, pushpraj@antaressystems.com और सम्पत्ति से संबधित जानकारी हेतु श्री विजय बिहारी प्रसाद, 011-49191121, मुख्य प्रबंधक, 011-49191121, श्री एच एस फिलिप, (प्राधिकृत अधिकारी), श्री अखिलेश श्रीवास्तव, श्री किरणजीत कुमार, प्रबंधक, 011-49191134/ 35/36, ई-मेल: bm0007@obc.co.in से कार्यदिवस में सम्पर्क कर सकते है।
6. बोलीदाता अपनी बोली प्रत्येक सम्पत्ति के सामने "बोली वृद्धि राशि" कालम के तहत वर्णित राशि, के गुणजों में बढ़ा सकेंगे। ई-नीलामी के अंतिम 5 मिनट में कोई बोली प्राप्त होने की स्थिति में अंतिम समय स्वत: 5 मिनट बढ़ जाएगा (5 मिनट प्रत्येक के असीमित विस्तार की शर्त पर)।
7. सफल बोलीदाता को बिक्री मूल्य की 25 प्रतिशत राशि, पहले अदा की गई ईएमडी समायोजित करने के बाद, प्राधिकृत अधिकारी द्वारा बोली मूल्य स्वीकार किए जाने के तुरन्त बाद जमा करना होगा तथा शेष 75 प्रतिशत राशि बिक्री के 15वें दिन को अथवा उससे पहले जमा करनी होगी। सफल बोलीदाता द्वारा भुगतान में चूक की स्थिति में पहले जमा की गई राशि जब्त मान्य होगी और सम्पत्ति की नीलामी नए सिरे से की जाएगी तथा चूककर्ता बोलीदाता का सम्पत्ति/राशि के संबंध में कोई दावा/अधिकार मान्य नहीं होगा।
8. क्रेता को लागू स्टाम्प ड्यूटी/अतिरिक्त स्टाम्प ड्यूटी/अंतरण / रूपांतरण प्रभार, शुल्क इत्यादि और किसी प्राधिकरण को देय सांविधिक/गैर-सांविधिक देयताओं, करों, दरों, आकलनों, प्रभारों, शुल्कों इत्यादि का भी भुगतान वहन करना होगा।
9. उपरोक्त बंधक सम्पत्तियों जो कि ई-नीलामी में लगी है की निलामी असफल होने की स्थिती में नियमानुसार बैंक प्राईवेट ट्रीटी द्वारा बिक्री करने का अधिकार रखता है।

(विस्तृत नियम एवं शर्तो हेतु कृपया हमारी वेबसाईट : www.obcindia.co.in और www.bankeauctionwizard.com देखें)

दिनांक 09-12-2019, स्थान : नई दिल्ली — प्राधिकृत अधिकारी, ओरियन्टल बैंक ऑफ कॉमर्स

www.readwhere.com

जूनियर महिला हॉकी टीम ने जीता तीन देशों का टूर्नामेंट

कैनबरा (आस्ट्रेलिया), 8 दिसंबर (भाषा)।

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने रविवार को मेजबान आस्ट्रेलिया के खिलाफ 1–2 से टूर्नामेंट की पहली शिकस्त के बावजूद अंक तालिका में शीर्ष पर रहते हुए तीन देशों का टूर्नामेंट जीत लिया। भारत ने चार मैचों में सात अंक हासिल किए। मेजबान आस्ट्रेलिया के भी चार मैचों में सात ही अंक थे लेकिन भारतीय टीम बेहतर गोल अंतर के कारण शीर्ष पर रही।

अंतिम मैच में भारत की ओर से एकमात्र गोल गगनदीप कौर ने किया। इससे पहले आस्ट्रेलिया ने एबिगेल विलसन के 15वें मिनट में दागे गोल की बदौलत बढ़त बनाई थी। एबिगेल ने इसके बाद 56वें मिनट में एक और गोल दागकर आस्ट्रेलिया को 2–1 से आगे किया जो निर्णायक स्कोर साबित हुआ। भारतीय टीम को पहले क्वार्टर में मेजबान टीम ने लगातार दबाव में रखा। भारत को शुरुआती 15 मिनट में कुछ मौके मिले लेकिन टीम इनका फायदा नहीं उठा पाई।

आस्ट्रेलिया को 15वें मिनट में मैच का पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला जिसे एबिगेल ने गोल में बदलकर मेजबान टीम को 1–0 से आगे कर दिया। भारत ने दूसरे क्वार्टर में बराबरी हासिल करने का प्रयास किया लेकिन आस्ट्रेलिया के डिफेंस को भेदने में मेहमान टीम नाकाम रही। भारत को 22वें और 26वें मिनट में दो पेनल्टी कार्नर मिले लेकिन टीम इन्हें गोल में नहीं बदल सकी। दो मिनट बाद आस्ट्रेलिया को पेनल्टी स्ट्रोक पर अपनी बढ़त दोगुनी करने का मौका मिला लेकिन भारतीय गोलकीपर बिचू देवी खारिबाम ने शानदार बचाव करते हुए भारत को 0–2 से पिछड़ने से बचा लिया। तीसरे क्वार्टर में भी दोनों ही टीमें पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलने में नाकाम रहीं। भारत ने चौथे क्वार्टर में शुरू से ही आस्ट्रेलिया को दबाव में डाला। टीम को इसका फायदा 53वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर के रूप में मिला। गगनदीप ने इसके बाद आस्ट्रेलिया की गोलकीपर हनाह एस्टबरी को छकाते हुए गोल दागकर भारत को 1–1 से बराबरी दिला दी। भारत हालांकि इस गोल का जश्न अधिक देर तक नहीं माना पाया और तीन मिनट बाद ही एबिगेल ने पेनल्टी कॉर्नर पर एक और गोल दागकर आस्ट्रेलिया को 2–1 से आगे कर दिया। भारत ने अंतिम लम्हों में बराबरी हासिल करने के भरसक प्रयास किए लेकिन सफलता नहीं मिली।

खुशी

आस्ट्रेलिया के कैनबरा में तीन देशों के टूर्नामेंट में आस्ट्रेलिया के खिलाफ गोल करने की खुशी मनातीं भारतीय हॉकी खिलाड़ी।

गोल

लियोनल मेस्सी ला लीगा में 35वीं हैट्रिक के दौरान दूसरा गोल दागने के बाद खुशी मनाते हुए।

मेस्सी की 35वीं हैट्रिक

मैड्रिड, 8 दिसंबर (एएफपी)।

लियोनल मेस्सी ने ला लीगा में 35वीं हैट्रिक के साथ नया रेकार्ड बनाया। इससे बार्सीलोना की टीम रीयाल मालोर्का को 5–2 से हराकर अंक तालिका के शीर्ष पर पहुंच गई। मेस्सी के तीन गोल के अलावा एंटोनी ग्रिजमान और लुई सुआरेज ने भी बार्सीलोना की ओर से एक–एक गोल किया।

मौजूदा सत्र में मेस्सी अब सर्वाधिक 12 गोल दागे चुके हैं। मालोर्का की ओर से दोनों गोल एंटे बुडमिर ने किए। इस जीत से बार्सीलोना की टीम 15 मैचों में 34 अंक के साथ शीर्ष पर पहुंच गई है। रीयाल मैड्रिड के भी 15 मैचों में इतने ही अंक हैं लेकिन खराब गोल अंतर के कारण टीम दूसरे स्थान पर है।

खबर कोना

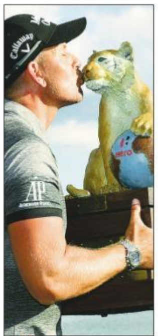

बहामा के नसाउ में शनिवार को हीरो वर्ल्ड चैलेंज गोल्फ जीतने के बाद ट्रॉफी चूमते हुए स्वीडन के गोल्फर हेनरिक स्टेंनसन।

मोहित राठौड़ ने जीती वसई विरार मैराथन

विरार, 8 दिसंबर (भाषा)।

मोहित राठौड़ ने दो घंटे 24 मिनट और 22 सेकेंड के समय के साथ रविवार को यहां वसई विरार मेयर्स मैराथन 2019 को अपने नाम किया जबकि सेना के अनीश थापा कोर्स रेकार्ड के साथ हाफ मैराथन के विजेता बने। राठौड़ एक घंटे छह मिनट में मैराथन की आधी दौड़ को पूरा कर लिया और वह कोर्स रेकार्ड बनाने की तरफ बढ़ रहे थे लेकिन 2017 में उपविजेता रहे इस एथलीट को किस्मत का साथ नहीं मिला। तापमान बढ़ने के कारण वह अपनी गति को बरकरार नहीं रख सके फिर भी सात मिनट के बड़े अंतर से विजेता बने।

यूनाइटेड ने जीती मैनचेस्टर डर्बी

लंदन (लीवरपूल), 8 दिसंबर (एएफपी)।

मैनचेस्टर यूनाइटेड ने मैनचेस्टर सिटी को हराकर गत चैंपियन टीम की इंग्लिश प्रीमियर लीग खिताब जीतने की उम्मीदों को झटका दिया। वहीं बोर्नमाउथ के खिलाफ जीत के साथ लीवरपूल ने क्रिसमस पर नंबर एक स्थान सुनिश्चित किया। गत चैंपियन सिटी को यूनाइटेड के खिलाफ 1–2 से शिकस्त का सामना करना पड़ा। लीवरपूल ने बोर्नमाउथ को 3–0 से हराया। इससे पहले टोटेनहैम ने बर्नले को 5–0 से शिकस्त दी जबकि चेल्सी को एवर्टन के खिलाफ 1–3 से हार का सामना करना पड़ा। लीवरपूल की टीम 16 मैचों में 15 जीत से 46 अंक के साथ शीर्ष पर चल रही है। लीग में चौथी हार के बाद मैनचेस्टर सिटी की टीम उससे 14 अंक पीछे तीसरे स्थान पर है। चेल्सी 16 मैचों में 29 अंक के साथ चौथे स्थान पर है जबकि यूनाइटेड की टीम 24 अंक के साथ पांचवें स्थान पर पहुंच गई है।

तीन देशों के टूर्नामेंट में खेलेगी महिला अंडर–17 फुटबॉल टीम

मुंबई, 8 दिसंबर (भाषा)।

भारतीय महिला अंडर–17 फुटबॉल टीम 13 दिसंबर से थाईलैंड और स्वीडन के खिलाफ तीन देशों के अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में हिस्सा लेगी। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआइएफएफ) ने दावा किया है कि यह देश में आयोजित इस आयु वर्ग का पहला अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट है। इस टूर्नामेंट का आयोजन 'यूएफा असिस्ट' और एशियाई फुटबॉल महासंघ के तत्वावधान में किया जा रहा है।

यूएफा असिस्ट यूरोपीय फुटबॉल की संचालन संस्था का अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम है जिसमें महाद्वीप के बाहर राष्ट्रीय संघों और परिसंघों की जरूरत पर ध्यान दिया जाता है। एआइएफएफ ने बयान में कहा कि 2020 फीफा महिला अंडर–17 विश्व कप की तैयारियां जोर शोर से चल रही हैं और ऐसे में मुंबई फुटबॉल एरेना अंडर–17 महिला फुटबॉल टूर्नामेंट 2019 की मेजबानी करेगा। यह लड़कियों के लिए अपनी तरह का पहला अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट है। भारत इसमें स्वीडन और थाईलैंड से भिड़ेगा जो दोनों वैश्विक स्तर पर महिला फुटबॉल की बड़ी टीमें हैं।

एआइएफएफ के महासचिव कुशाल दास ने कहा कि इस टूर्नामेंट के जरिए भारतीय लड़कियों को स्तरीय प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ खेलने का मौका मिलेगा। दास ने कहा कि लड़कियों के लिए पहली बार भारत में अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट का आयोजन हो रहा है और मैं इसे लेकर उत्सुक हूं।

तीन देशों के टूर्नामेंट का कार्यक्रम

13 दिसंबर : भारत बनाम स्वीडन
15 दिसंबर : स्वीडन बनाम थाईलैंड
17 दिसंबर : थाईलैंड बनाम भारत
19 दिसंबर : फाइनल

भारतीय टीम :
गोलकीपर : मंजू गंझू, अंशिका, तनु
डिफेंडर्स : पूर्णिमा कुमारी, ज्योति कुमारी, निर्मला देवी फंजौबम, शिल्की देवी हेमाम, कृतिना देवी थुनाओजम, निशा, अस्तम उरांव
मिडफील्डर : मार्टिना थोकचाम, प्रियंगका देवी नाओरेम, बबीना देवी लिशाम, अमीषा बक्सला, अवेका सिंह, किरण, डेजी क्रेस्टो, सुनीता मुंडा, मरियम्मल बालामुरुगन

भारतीय टीम के कोच थॉमस डेनरबी का मानना है कि इस टूर्नामेंट से टीम को काफी फायदा होगा।

स्वीडन महिला फुटबॉल की शीर्ष टीमों में से एक है। देश की सीनियर महिला टीम फ्रांस में फीफा महिला विश्व कप 2019 में तीसरे स्थान पर रही थी। थाइलैंड की टीम भी महिला फुटबॉल में एशिया की शीर्ष टीमों में शामिल है। टीम पिछले दो बार से फीफा महिला विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर रही है।

सिमंस ने जीवनदान का फायदा उठाकर विंडीज को दिलाई जीत

तिरुवनंतपुरम, 8 दिसंबर (भाषा)।

सलामी बल्लेबाज लेंडल सिमंस ने शुरू में मिले जीवनदान का पूरा फायदा उठाकर रविवार को यहां 45 गेंदों पर नाबाद 67 रन की पारी खेली जिससे वेस्टइंडीज ने भारत को दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में नौ गेंद शेष रहते हुए आठ विकेट से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला 1–1 से बराबर की।

सिमंस जब छह रन पर थे तब वाशिंगटन सुंदर ने आसान कैच छोड़ा था। सिमंस ने चार चौके और चार छक्के जड़े। उन्होंने इविन लुईस (35 गेंदों पर 40) के साथ पहले विकेट के लिए 73 रन जोड़े और निकोलस पूरण (18 गेंदों पर नाबाद 38) के साथ भी तीसरे विकेट के लिए 29 गेंदों पर 61 रन की अटूट साझेदारी की जिससे वेस्टइंडीज ने 18.3 ओवर में दो विकेट पर 173 रन बनाकर जीत दर्ज की। इससे पहले तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे शिवम दुबे ने मौके का पूरा फायदा उठाया और 30 गेंदों 54 रन बनाए जिसमें तीन चौके और चार छक्के शामिल हैं। दूसरा सर्वोच्च स्कोर ऋषभ पंत (22 गेंदों पर नाबाद 33) का रहा।

इसके अलावा भारत अंतिम चार ओवर में 26 रन ही जुटा पाया और आखिर में सात विकेट पर 170 रन तक ही पहुंच सका। वेस्टइंडीज की तरफ से हेडन वाल्श (28 रन देकर दो) और केसरिक विलियम्स (30 रन देकर दो) सबसे सफल गेंदबाज रहे। भारत ने हैदराबाद में खेला गया पहला मैच छह विकेट से जीता था। इन दोनों टीमों के बीच तीसरा और अंतिम टी20 मैच 11 दिसंबर को मुंबई में खेला जाएगा।

लेंडल सिमंस

शिवम दुबे

गुजरात जाएंट्स करीबी मुकाबले में जीता

नई दिल्ली, 8 दिसंबर (भाषा)।

गुजरात जाएंट्स की टीम ने बिग बाउट मुक्केबाजी लीग में नॉर्थ ईस्ट राइनोज को 4–3 से हरा कर सत्र की दूसरी जीत दर्ज की। इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम परिसर के केडी जाधव हॉल में शनिवार रात को खेले गए इस मुकाबले में नॉर्थ ईस्ट राइनोज की टीम अंत तक लड़ी और एक समय उसका स्कोर 2–2 से बराबरी पर था।

बीएफआइ से मान्यता प्राप्त इस प्रतियोगिता में गुजरात की कप्तानी कर रहे अमित पंघाल (52 किग्रा) और चिराग (57 किग्रा) ने अपनी टीम को 2–0 की बढ़त दिला दी। लेकिन राइनोज की कप्तान निकहत जरीन (51 किग्रा) और मंदीप जांगड़ा (69 किग्रा) ने गुजरात की इस बढ़त को 2–2 की बराबरी में बदल दिया। इससे पहले निकहत ने टॉस जीतकर दिग्गज सरिता देवी (60 किग्रा) का मुकाबला ब्लॉक कर दिया।

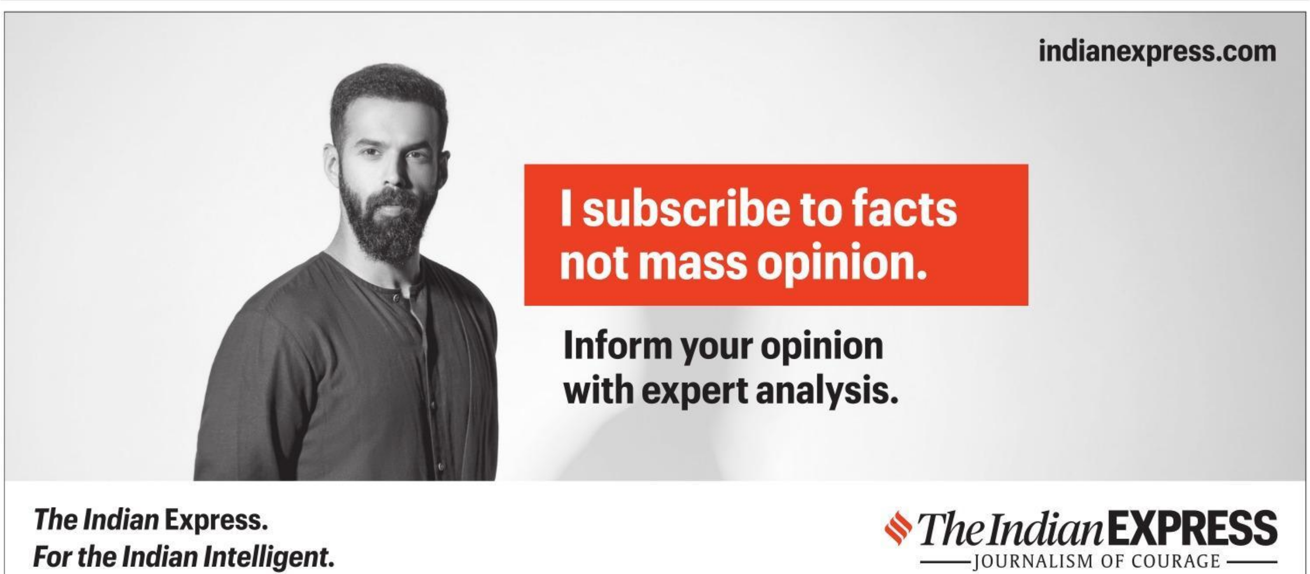

रजिस्ट्रेशन नं. डी.एल.–21047/03–05, आरएनआई नं. 42819/83, वर्ष 37, अंक 22, *हवाई शुल्क :* इंफल-पांच रुपए, गुवाहाटी-चार रुपए, रायपुर-दो रुपए और पटना-एक रुपए।
दि इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड के लिए आर. सी. मल्होत्रा द्वारा ए–8, सेक्टर 7, नोएडा– 201301, जिला गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित और मेजनीन फ्लोर, एक्सप्रेस बिल्डिंग, 9–10, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली–110002 से प्रकाशित। फोनः (0120) 2470700/2470740, ई-मेलः edit.jansatta@expressindia.com, फैक्सः (0120) 2470753, 2470754, **बोर्ड अध्यक्षः विवेक गोयनका, कार्यकारी संपादकः मुकेश भारद्वाज***, *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेवार। कापीराइटः दि इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड। सर्वाधिकार सुरक्षित। लिखित अनुमति लिए बगैर प्रकाशित सामग्री या उसके किसी अंश का प्रकाशन या प्रसारण नहीं किया जा सकता।

www.readwhere.com